ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 05 मई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-6 | अंक-125

हिंदू विरोधी कांग्रेस सरकार को मतदाता सिखाएंगे उचित सबक: बीवाई विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

रोहित वेमुला आत्महत्या मामले में तेलंगाना पुलिस ने दाखिल की क्लोजर-रिपोर्ट

रोहित को दलित बताकर राहुल गांधी ने उड़ाई थी झूठ की पतंग

दलित नहीं, ओबीसी में वेद्दार जाति का था रोहित वेमुला

कांग्रेस सरकार का दबाव : पुलिस की जांच जारी रहेगी

हैदराबाद, 04 मई (एजेंसियां)। हैदराबाद विश्वविद्यालय का छात्र रोहित वेमुला दलित जाति का नहीं था, इसकी आधिकारिक पुष्टि होने के बावजूद रोहित वेमुला की आत्महत्या की वजहों का और गहराई से पता लगाने की प्रक्रिया जारी रहेगी। रोहित वेमुला दलित नहीं है, इसकी पुष्टि के बाद

तेलंगाना पुलिस ने इस मामले में क्लोजर-रिपोर्ट दाखिल कर दी थी। लेकिन रोहित वेमुला पर इतनी राजनीति हो चुकी है कि कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना पुलिस पर जांच जारी रखने का दबाव बनाया। जबकि वेमुला की आत्महत्या का मसला इसलिए सुर्खियां बना था कि उसके दलित होने की अफवाह उड़ाई गई थी और उसे राहुल गांधी समेत तमाम कांग्रेसी और वामपंथी तत्व उस झूठ को पतंग की उड़ाते रहे।

जनवरी 2016 में हैदराबाद विश्वविद्यालय के पीएचडी स्कॉलर रोहित वेमुला की मौत की जांच तेलंगाना बंद कर दी थी। पुलिस ने दावा किया कि रोहित दलित नहीं थे, लेकिन दलित के नाम पर उसने विश्वविद्यालय में दाखिला लिया था।

क्लोजर रिपोर्ट के बाद भी तेलंगाना पुलिस जांच जारी रखेगी

हैदराबाद, 04 मई (एजेंसियां)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्र रहे रोहित वेमुला का प्रकरण एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। रोहित वेमुला के पिछड़ी जाति का होने की पुष्टि के बाद तेलंगाना पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी थी, लेकिन तेलंगाना की कांग्रेस सरकार ने मामले की जांच जारी रखने की बात कही है। सरकार के निर्णय के बारे में तेलंगाना पुलिस के डीजीपी रवि गुप्ता ने कहा कि मृतक की मां और उनके भाई को कुछ लोगों पर संदेह है।

दरभंगा की विशाल जनसभा में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

बिहार को लालटेन के दौर में वापस नहीं जाने देना है

एक शहजादा दिल्ली में तो एक शहजादा पटना में भी है

इन शहजादों ने भारत को अपनी जागीर समझ रखा है

दरभंगा, 04 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के दरभंगा में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें बिहार को लालटेन के दौर में वापस नहीं जाने देना है। दिल्ली वाले शहजादे एक नई बात लेकर आए हैं। हमारे परिवार में मां-बाप अपने बच्चों के लिए कुछ न कुछ बचाते हैं। एक घर बना दूं, गाड़ी और खेत खरीद कर दे दूं ताकि बच्चों के काम आए। हर मां-बाप की इच्छा होती है कि बच्चों को कुछ देकर जाएं। यह कांग्रेस ऐसा कानून बनाना चाहती है कि आपके मां-बाप की सम्पत्ति आपको नहीं मिल पाए। आधा कांग्रेस की सरकार छीन लेगी। यह लोग 55 प्रतिशत टैक्स पर फतवा लेकर आए हैं। क्या आप अपनी कमाई किसी कांग्रेस और राजद वालों को लूटने देंगे? इसलिए बच्चों का भविष्य बनाने के लिए सात मई को झंझारपुर में जदयू प्रत्याशी रामप्रीत मंडल, 13 मई को दरभंगा में भाजपा प्रत्याशी गोपाल जी ठाकुर, समस्तीपुर से लोजपा (रा.) की प्रत्याशी शांभवी चौधरी को वोट दीजिए। पूरे हिन्दुस्तान की सबसे छोटी उम्र की बेटी चुनाव लड़ रही है। आप सब आशीर्वाद दीजिए कि हमारी बेटी तो जीतनी ही चाहिए। 20 मई को मधुबनी में भाजपा के अशोक यादव को भारी संख्या में वोट दीजिए। आपका यह वोट मोदी के खाते में जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राजद का इतिहास सामाजिक न्याय का मुखौटा लगाकर तुष्टिकरण करने का रहा है। जब गोधरा में कार सेवकों को जिंदा जलाया गया था तब रेल मंत्री बिहार के शहजादे के पिता थे। जो सजा काट रहे हैं और जमानत पर घूम रहे हैं। उन्होंने गोधरा कांड के दोषियों को बचाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के एक जज एक कमेटी बनाई। सोनिया मैडम का राज था।

इसलिए उन्होंने बनर्जी कमेटी बनाई। उस कमेटी ने ऐसा रिपोर्ट बनाया कि 60 लोगों को जिंदा जलाने वाले निर्दोष से छूट जाएं। लेकिन उस समय के रेल मंत्री की रिपोर्ट को अदालत ने कूड़े-कचरे में फेंक दिया। कोर्ट ने दोषियों को फांसी तक की सजा दी।

नेपाल की राजधानी काठमांडू में बोले डीवाई चंद्रचूड़

संवेदनहीन प्रौद्योगिकी के कारण साइबर अपराध के चंगुल में बच्चे

बच्चों को त्वरित न्याय के लिए अंतराष्ट्रीय स्तर पर समन्वय जरूरी

काठमांडू, 04 मई (एजेंसियां)। भारत की सर्वोच्च अदालत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने नेपाल में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संवेदनाहीन प्रौद्योगिकियों का तेजी से विकास हो रहा है। इससे नाबालिगों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय डिजिटल अपराधों में भीषण तेजी आ रही है। इससे निपटने के लिए किशोर न्याय प्रणालियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग बढ़ाना होगा। चंद्रचूड़ तीन दिवसीय नेपाल की यात्रा पर हैं। नेपाल के मुख्य न्यायाधीश बिश्वोम्भर प्रसाद श्रेष्ठ ने के आमंत्रण पर चंद्रचूड़ नेपाल गए हैं। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, किशोर न्याय पर चर्चा करते वक्त हमें कानूनी विवादों में फंसे बच्चों की कमजोरियों और जरूरतों को समझना होगा। किशोर न्याय की प्रकृति और समाज के आयामों के संबंधों को समझना महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, प्रौद्योगिकी का तेजी से विकास हो रहा है। किशोर हैकिंग, साइबरबुलिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल उत्पीड़न सहित अन्य साइबर अपराधों में शामिल हो रहे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म की सुरक्षा और आसान प्रवेश प्रकृति के कारण युवा अवैध गतिविधियों की ओर आकर्षित हो रहे हैं।उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ाकर किशोरों से जुड़े डिजिटल अपराधों को काबू में किया जा सकता है। प्रत्यर्पण और स्वदेश वापसी के लिए प्रोटोकॉल स्थापित करना, प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सूचना साझा करना और परस्पर सहयोग को सुविधाजनक बनाने जैसी पहल की जा सकती है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि प्रत्येक बच्चे को अपनी क्षमता दिखाने के लिए पूरा अवसर प्रदान किया जाना चाहिए।

भारत और नेपाल के किशोर न्याय प्रणालियों का विश्लेषण करते हुए कहा न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा, रोकथाम, हस्तक्षेप और पुनर्वास की रणनीतियों से हम एक ऐसे समाज का निर्माण कर सकते हैं जो अधिक समावेशी हो। इसमें हम प्रत्येक बच्चे को अपनी क्षमता दिखाने के लिए पूरा अवसर प्रदान करें। उन्होंने कहा, सुधारात्मक उपायों पर ध्यान केंद्रित करके एक निष्पक्ष और न्यायसंगत समाज को आकार देने में किशोर न्याय महत्वपूर्ण भूमिक निभाता है। किशोर न्याय प्रणाली युवाओं के समग्र विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में मदद करती है।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली भाजपा में शामिल

कांग्रेस के चार अन्य नेताओं ने भी ली भाजपा की सदस्यता

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में लोकसभा चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले अरविंदर सिंह लवली चार कांग्रेसी नेताओं के साथ भाजपा में शामिल हो गए। लवली के अलावा राजकुमार चौहान, नीरज बसोया, अमित मलिक और नसीब सिंह भी भाजपा में शामिल हो गए। इन सभी को आज भाजपा मुख्यालय में दिल्ली प्रदेश वीरेंद्र सचदेवा ने पार्टी में शामिल किया। बता दें कि 28 अप्रैल को ही लवली ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इन सभी का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि जो व्यक्ति मूल रूप से दिल्ली को प्यार करता है वो कांग्रेस में नहीं रह सकता है। मैं उम्मीद करता हूं आगे अब हम सब मिलकर दिल्ली को संवारने का काम करेंगे। भाजपा का दामन थामने के बाद लवली ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, मैं भाजपा का शुक्रिया करना चाहता हूं पार्टी ने उस वक्त हमारा साथ दिया जब हम खोए-खोए घूम रहे थे। हम दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाने के लिए वो सब करेंगे जो हमसे बन पड़ेगा। हम मोदी का हाथ और मजबूत करने का काम करेंगे।

अरविंदर सिंह लवली दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के गठबंधन के खिलाफ थे। इसके अलावा वह उत्तर पश्चिमी दिल्ली से राजकुमार चौहान को टिकट नहीं मिलने से भी नाराज थे। लवली ने मल्लिकार्जुन खड़गे को चिट्ठी लिखकर इस्तीफा भेजते हुए अपनी नाराजगी की वजह बताई थी।

राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने पर

वायनाड के लोगों में गुस्सा और संशय दोनों

वायनाड/रायबरेली, 04 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने के निर्णय पर वायनाड लोकसभा क्षेत्र के लोगों में जबरदस्त गुस्सा है। लोगों में संशय भी है कि यदि जीतने के बाद राहुल गांधी वायनाड छोड़ देंगे तो उन्हें एक बार फिर चुनाव झेलना पड़ेगा। राहुल को वोट देने वाले लोग राहुल और उनकी कांग्रेस पार्टी पर अधिक नाराज हैं। रायबरेली में राहुल गांधी के नामांकन दाखिल करने के बाद केरल में भाजपा और वाम दलों दोनों ने तीखी प्रतिक्रिया जताई। वायनाड के लोगों ने राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने के फैसले को वायनाड के साथ विश्वासघात करार दिया। लोगों का कहना है कि राहुल ने वायनाड में प्रचार के दौरान खुद को वायनाड के लोगों के परिवार का सदस्य, वायनाड का भाई और बेटा कहकर मतदाताओं के

हृदय में पैठ बनाने की कोशिश की थी। वायनाड में अपने चुनावी अभियान के दौरान राहुल गांधी ने यूपी में चुनाव लड़ने का कोई संकेत नहीं दिया था। चुनाव होने के बाद उनका रायबरेली से भी नामांकन दाखिल करना वायनाड के लोगों के साथ सरासर धोखा है। सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने कहा कि कांग्रेस नेता हिंदी पट्टी भाग गए। वायनाड के लोगों का यह भी कहना है कि अमेठी से हारने वाले राहुल गांधी की प्रतिष्ठा वायनाड ने कायम रखी थी। लेकिन उन्होंने इसकी कीमत नहीं समझी। अब वे रायबरेली से हारें या जीतें, वे वायनाड के लोगों का भरोसा तो खो चुके हैं। वायनाड में 2019 में 79.77 फीसदी की तुलना में 2024 में 73.57 फीसदी मतदान हुआ। राहुल इस बार वायनाड में अपनी जीत को लेकर संशकित थे।

गैरी कास्परोव ने कहा, रायबरेली तो जीत कर दिखाओ

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)। रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ रहे राहुल गांधी को सोशल मीडिया पर आमतौर पर भाजपा समर्थकों की ओर से ट्रोल किया जाता है, लेकिन शुक्रवार को शतरंज के पूर्व चैंपियन गैरी कास्परोव ने भी उन्हें मजाक-मजाक में ट्रोल कर दिया। कास्परोव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा, परंपरावादी कहते हैं कि शीर्ष स्तर के लिए चुनौती पेश करने से पहले आपको पहले रायबरेली से जीतना होगा। शीर्ष स्तर से कास्परोव का परोक्ष इशारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर था।

इंदौर के बाद ओड़ीशा

पुरी की कांग्रेस प्रत्याशी ने चुनाव लड़ने से इन्कार किया

पुरी, 04 मई (एजेंसियां)।

कांग्रेस की एक और प्रत्याशी ने चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया है। ओड़ीशा की पुरी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार सुचारिता मोहंती ने आर्थिक कारणों का हवाला देते हुए अपना नाम वापस ले लिया है। हालांकि जानकार बताते हैं कि कांग्रेस के प्रति आम लोगों में नाराजगी को भांपते हुए उन्होंने चुनाव न लड़ना ही बेहतर समझा। इससे पहले इंदौर के कांग्रेस प्रत्याशी ने भी नामांकन के बाद अपना नाम वापस ले लिया था। वहीं सूरत लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन रद्द हो गया था।

सुचारिता मोहंती ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी का टिकट लौटा दिया और दावा किया कि उन्हें पार्टी की तरफ से चुनाव लड़ने के लिए कोई पैसा नहीं दिया गया है। सुचारिता मोहंती ने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल को ईमेल भेजा है, जिसमें उन्होंने लिखा कि वह सांसद का टिकट लौटा रही हैं। सुचारिता मोहंती ने लिखा कि पुरी लोकसभा सीट पर हमारा चुनाव प्रचार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है क्योंकि पार्टी ने मुझे चुनाव के लिए फंडिंग देने से इन्कार कर दिया।ओड़ीशा कांग्रेस के प्रभारी डॉ. अजय कुमार ने मुझे खुद ही चुनाव प्रचार का खर्चा उठाने को कहा।

कंगाल पाकिस्तान में 800 रुपए किलो आटा!

भारतीय यात्रियों से 10 किलो आटा लाने की गुहार

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान भीषण कंगाली की स्थिति में आ चुका है। वहां गेहूं और आटा बाजार से गायब है। गेहूं आटे की लूट हो रही है। आटा खरीदने के लिए लोगों को बंदूकें लेकर जाना पड़ रहा है। आटे के लिए हत्याएं हो रही हैं। कंगाल पाकिस्तान में फिलहाल आठ सौ रुपए में एक किलो आटा मिल रहा है। इस बदहाली कि स्थिति में पाकिस्तान जाने वाले भारतीय यात्रियों से 10 किलो आटा अपने साथ लाने की अपील की गई है। पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने भारतीय सिख संगत से अपील की है कि वे पाकिस्तान में गुरुद्वारों के लंगर के लिए आवश्यक आटा साथ लाएं। यह अपील महाराजा रणजीत सिंह की बरसी के अवसर पर आयोजित होने वाले समारोह में भाग लेने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए की गई है। पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान रमेश सिंह अरोड़ा ने कहा कि पाकिस्तान में आटा लगभग 800 रुपए प्रति किलो के भाव बिक रहा है, जिससे गुरुद्वारों में लंगर के लिए आटे की कमी हो रही है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए, अरोड़ा ने भारतीय जत्थे के प्रत्येक सदस्य से अनुरोध किया है कि वे पाकिस्तान यात्रा के दौरान कम से कम 10 किलो आटा अपने साथ लेकर आएं।

कंगाली के बीच अरबों का आटा घोटाला

इस्लामाबाद, 04 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आटे के लिए लोगों को लड़ते-झगड़ते, मरते-मारते और लूटपाट करते सरेआम देखा जा रहा है। ऐसी विषम परिस्थितियों में सरकारी अमला घोटाला करने में लगा है। पाकिस्तान में हुआ अरबों रुपए का आटा घोटाला लोगों के लिए घोर तकलीफ और नाराजगी का सबब बना हुआ है। पीएमएल-एन के नेता शाहिद खाकान अब्बासी इस मामले को राजनीतिक सामाजिक मंचों पर उठा रहे हैं। लेकिन घोटालेबाज सरकार को इसकी कोई फिक्र नहीं।

पाकिस्तान सरकार की मुफ्त आटा वितरण योजना से 20 अरब रुपए का गबन किया गया है। यह दावा किया है पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और राजनीतिक पार्टी पीएमएल-एन के वरिष्ठ नेता शाहिद खाकान अब्बासी ने। लाहौर में अब्बासी ने कहा कि देश का सिस्टम इतना भ्रष्ट और पुराना हो चुका है कि यह काम नहीं कर सकता। अभी-अभी ईद का पर्व बीता। लेकिन पाकिस्तान के लोगों में ईद का कोई उत्साह नहीं था।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,500/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 82,364/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 34^0

न्यूनतम : 23^0

दस दिवसीय धार्मिक शिक्षण शिविर का समापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान में श्री कर्नाटका जैन स्वाध्याय संघ द्वारा संचालित दस दिवसीय धार्मिक शिक्षण शिविर का शनिवार को समापन हुआ। नूतन भवन परिसर में आयोजित समारोह की अध्यक्षता संघ अध्यक्ष नेमीचन्द चोरडिया ने की। स्वाध्याय संघ के उपाध्यक्ष राजेन्द्र चोरडिया एवं शिविर समिति के भरत कुमार सांखला समारोह के मुख्य अतिथि थे। किरण गादिया ने शिविर की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि शिविर में करीब 100 बच्चों ने जैन तत्व ज्ञान के साथ सामायिक सूत्र, प्रतिक्रमण, भक्तामर स्तोत्र कंठस्थ किए एवं संस्कृति का परिचय पाया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार

बांठिया ने सभी बच्चों के अनुशासन की प्रशंसा करते हुए अहिंसा के महत्व को बताया और प्रतिक्रमण सिखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों ने ग्रीष्मावकाश का श्रेष्ठ सदुपयोग किया हैं। मुख्य अतिथि भरत कुमार सांखला ने कहा कि स्वाध्याय संघ पुरे बेंगलूरु में शिविर का संचालन कर रहा है, जिसमें 1000 से ज्यादा बच्चे ज्ञानार्जन कर रहे हैं। माता पिता का कर्तव्य है कि वे अपने बच्चों को धार्मिक पाठशाला के लिए प्रोत्साहित करें। अलसूर शिविर में कंचन बाई गादिया, सुमित्रा बाई सांखला, मंजु बाई लोढा, सूरजी बाई छाजेड, राजु बाई बोहरा, किरण बाई गादिया, राजेश्वरी तातेड, मधु मकाना एवं दीपा कोठारी ने अध्यापन सेवा दी। समापन समारोह में अनेक बच्चों ने शिविर में अपने अनुभव को साझा किया। बच्चों ने अपनी चित्र कला का भी परिचय दिया। सभी बच्चों को स्वाध्याय संघ और अलसूर संघ की ओर से पुरस्कृत किया गया। कंचन बाई गादिया ने सभा का संचालन किया। युवक संघ ने व्यवस्था में सहयोग दिया। समापन समारोह में प्रकाश कोठारी, देवेन्द्र मुरडिया, दिलीप गादिया, धनपत राज तातेड, गौतम चन्द छाजेड, प्रकाश चन्द नाहटा, नन्दु कोठारी सहित अनेक गणमान्य जन उप-स्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *नागरभावी स्थित डॉ अंबेडकर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक उत्सव आकार 2024 कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित ककिया गया। इस मौके पर विभाग की प्रमुख डॉ विजया, प्रोफेसर शरत, प्रोफेसर सुप्रीता एवं अन्य मौजूद थे।*

दूसरे चरण के 14 में से 12 निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस की जीत की गारंटी: शिवकुमार

उत्तरी कर्नाटक में अधिक सीटें जीतने की उम्मीद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि दूसरे चरण में जिन 14 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव होने वाले हैं, उनमें कांग्रेस पार्टी 12 से अधिक सीटें जीतेगी। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी दावणगेरे और गदग लोकसभा क्षेत्रों में प्रचार करेंगी। अंतिम अभियान चल रहा है। कांग्रेस को दक्षिणी कर्नाटक की तुलना में उत्तरी कर्नाटक में अधिक सीटें जीतने की उम्मीद है। कल्याण कर्नाटक में 5 में से 5 सीटें जीतने के अलावा 14 में से 12 निर्वाचन क्षेत्र जीतेंगे। लोगों में कांग्रेस की गारंटी की सराहना की जाती है। ग्रामीण स्तर से भी भाजपा और जेडीएस के कई नेता कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। हमारी पार्टी के भव्य आयोजनों में पूर्व विधायक नेहरू ओलेकर समेत प्रमुख नेता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पक्ष में अच्छा माहौल है।

जेडीएस के 12 विधायकों के कांग्रेस में शामिल होने की अफवाहें सच्चाई से कोसों दूर हैं। इस बारे में किसी ने भी मुझसे चर्चा या संपर्क नहीं किया। कयासों की अफवाह फैलाई जा रही है। हम जानते हैं कि जेडीएस के लोग हताश हैं। लोग इस बारे

में चर्चा भी कर रहे हैं। जेडीएस परिवार के भीतर समस्या विकट है। विधानसभा चुनाव के समय से ही जेडीएस नेताओं के बयानों पर गौर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि टिकट बंटवारे की चर्चा से माहौल साफ तौर पर आश्वस्त हो रहा है। वर्तमान में, जद (एस) भाजपा के साथ गठबंधन में है। क्या वे एकजुट होकर सामने आएंगे?

मुझे नहीं पता कि क्या वे कोई अलग रणनीति अपनाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जद (एस) विधायकों या नेताओं ने उनसे संपर्क नहीं किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में बारिश हो, क्योंकि एक दौर की बारिश से हजारों करोड़ रुपये बचेंगे। मुफ्त बिजली की बचत होती है। अन्यथा, वे बोरवेल से पानी खींचते रहेंगे। अगर अच्छी बारिश होगी तो जमीन गीली रहेगी, जिससे कोई दिक्कत नहीं होगी। भाजपा ने यह घोटाला किया है कि ओक्कालिगा समुदाय के नेतृत्व के लिए हासन की पेन ड्राइव का खुलासा किया गया था। मुझे कोई नेतृत्व नहीं चाहिए। पिछले चार साल पहले मैंने कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर आलाकमान संभाला था।

इस पर ईमानदारी से काम करेंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा और जेडीएस के बीच घंटे दर घंटे बयानबाजी हो रही है। मुझे यह दावा करने में कोई आपत्ति नहीं है कि मैं कांग्रेस में अकेला नेता हूं। उन्होंने कहा कि मैं एक समुदाय में पैदा हुआ हूं, मुझे समाज का सम्मान करना है, सुरक्षा देनी है, मदद करनी है और लोगों के स्वाभिमान और सम्मान की सेवा करने का पूरा प्रयास करूंगा। मैं पूर्व सांसद एलआर शिवरामेगौड़ा के उस बयान पर प्रतिक्रिया नहीं दूंगा जिसमें उन्होंने कहा था कि जेडीएस को एनडीए पार्टी से हटा देना चाहिए। वह जेडीएस से भाजपा में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि उनके गठबंधन को लेकर कुछ भी किया जाना चाहिए। हासन में सामने आए यौन उत्पीड़न मामले की तरह ही एक घटना 30 साल पहले इंग्लैंड में भी हुई थी।

खबरें हैं कि प्रधानमंत्री के बेटे रेवन्ना को होटल से निकाल दिया गया था। लेकिन उन्होंने कहा कि अभी उन्हें इस बारे में पूरी जानकारी नहीं है। हासन के पेन ड्राइव मामले के अनुसार, स्रोत क्या है, क्या हमें यह पता लगाना चाहिए कि पेन ड्राइव कहां से आईं? हम वो नहीं हैं जिन्होंने कहा था कि जो लोग नमक खाते हैं उन्हें पानी पीना चाहिए, उनका परिवार अलग है, मेरा परिवार अलग है। उन्होंने कहा कि ये सब जेडीएस नेताओं के पारिवारिक राज हैं। डीके शिवकुमार ने भवानी रेवन्ना की सुनवाई और एचडी रेवन्ना की सुनवाई से अनुपस्थिति पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वह चुनाव के बीच में थे और बाद में जवाब देंगे।

कुमारस्वामी बार-बार पेन ड्राइव मामले पर अपना रुख क्यों बदल रहे

इससे पहले शिवकुमार ने यह जानने की मांग की कि जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी अपने भाई एचडी रेवन्ना और भतीजे प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े हासन पेन ड्राइव घोटाले पर बार-बार अपना रुख क्यों बदल रहे हैं। शिवकुमार ने कहा मुझे पता है कि हासन जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना और उनके पिता एचडी रेवन्ना से जुड़ा पेन ड्राइव घोटाला एक पारिवारिक मामला है, जिसमें जेडीएस सुप्रीमो एचडी देवेगौड़ा और उनके दूसरे बेटे एचडी कुमारस्वामी शामिल हैं।

लेकिन इसमें कई पीड़ित भी शामिल हैं, जिनके साथ यौन दुर्व्यवहार किया गया था और यौन कृत्यों को वीडियो और पेन ड्राइव में रिकॉर्ड किया गया था, जिन्हें व्यापक रूप से प्रसारित किया गया है। शिवकुमार ने कहा कि कुमारस्वामी और उनके परिवार के सदस्य पेन ड्राइव घोटाले पर बार-बार अपना रुख बदल रहे हैं। जरा कुमारस्वामी के बयानों पर विचार करें, जो बयान देते समय हर घंटे और हर मिनट अपना रुख बदलते हैं। मैं हैरान हूं कि ऐसा क्यों हो रहा है। कुमारस्वामी के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कि हर कोई जानता है कि 7 मई के बाद इस मुद्दे का क्या होगा जब कर्नाटक की 14 लोकसभा सीटों के लिए दूसरे चरण का मतदान समाप्त हो जाएगा, उन्होंने कहा हमें 7 मई तक इंतजार क्यों करना चाहिए?

कुमारस्वामी अब कुछ और ही कह रहे

इस घोटाले का कारण और पृष्ठभूमि क्या है और क्या हमें सभी विवरणों का खुलासा करना चाहिए। यहां तक कि मीडिया भी नतीजों का विश्लेषण कर रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कुमारस्वामी ने पहले कहा था कि जो नमक खाते हैं उन्हें पानी जरूर पीना चाहिए और बाद में कहा कि उनके (प्रज्वल और रेवन्ना के) परिवार और मेरे परिवार अलग हैं। हम अलग रह रहे हैं। शिवकुमार ने कहा कि कुमारस्वामी ने कहा था कि उनके परिवार के सदस्यों को टिकट नहीं दिया जाएगा और उन्होंने यह भी कहा प्रज्वल ने गलत किया है और उन्हें माफ कर दिया जाना चाहिए।

हाल के दिनों में अलग-अलग बयान जारी करने के बाद कुमारस्वामी अब कुछ और ही कह रहे हैं। रेवन्ना द्वारा एसआईटी की जांच में सहयोग नहीं करने के सवाल पर उन्होंने कहा गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर और एसआईटी इस मुद्दे से निपटेंगे और वे जवाब देंगे। मैं चुनावों में व्यस्त हूं और अधिक जानकारी प्राप्त करने में असमर्थ हूं।

आदिवासी नाबालिग से बलात्कार के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

एबीवीपी ने विरोध प्रदर्शन किया

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में एक 19 वर्षीय व्यक्ति को अनुसूचित जनजाति की एक नाबालिग के साथ चार महीने से अधिक समय तक बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। 17 वर्षीय लड़की की मां द्वारा दर्ज की गई शिकायत के अनुसार, लड़की के साथ 1 जनवरी से 3 मई के बीच यह घटना हुई। कथित मामला 29 अप्रैल को लड़की के बीमार पड़ने के बाद सामने आया। परिवार उसे अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने उसे गर्भवती पाया। अपनी शिकायत में, पीड़िता की मां ने कहा कि उनकी बेटी आरोपी सद्दाम हुसैन को तब जानती थी, जब वह स्कूल में थी, लेकिन उसके बाद उसका संपर्क टूट गया। जब वह प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज में जाने लगी तो वे फिर से संपर्क में आए। उन्होंने कहा कि वे कभी-कभार मिलते थे और रिलेशनशिप में थे। शिकायत के अनुसार, सद्दाम ने लड़की के इस आग्रह के बावजूद यौन संबंध बनाए कि उन्हें पहले अपने माता-पिता को शादी करने के लिए मनाना चाहिए, क्योंकि वे अलग-अलग समुदायों से हैं। उसने कहा कि उसने उसके इनकार की अनदेखी की और उसके साथ बलात्कार किया। इससे पहले भी वह कई बार मेरे साथ जबरदस्ती कर चुका है। मैंने अपने परिवार में किसी को इसके बारे में नहीं बताया क्योंकि उसने ऐसा करने पर मुझे जान से मारने की धमकी दी थी। शिकायत में कहा गया है कि 3 मई को उसने उसे फोन किया और उसे जातिवादी गालियां दीं। हुब्बल्ली-धारवाड़ पुलिस ने सद्दाम को गिरफ्तार कर लिया, जिसने कथित तौर पर पुलिस को चाकू मारा था। पुलिस ने उसके पैर में गोली मार दी। पुलिस आयुक्त रेणुका सुकुमार ने मीडिया को बताया कि पुलिस को एक नाबालिग के गर्भवती होने के बारे में एक अस्पताल से मेडिको-लीगल केस रिपोर्ट मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। घटना की जानकारी के बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से जुड़ी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने लव जिहाद के दावे करना शुरू कर दिया और शुक्रवार को एपीएमसी नवानगर पुलिस स्टेशन के बाहर विरोध प्रदर्शन कर लड़की के लिए न्याय की मांग की। भाजपा ने भी लव जिहाद के दावों को दोहराते हुए इस मुद्दे को उठाया है। पार्टी और राज्य भाजपा के अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर दावा किया कि राज्य में लव जिहाद चलाया जा रहा है।

बारिश के कारण मैसूरु में लगभग 200 बिजली के खंभे उखड़ कर हुए क्षतिग्रस्त

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रचंड गर्मी के बीच शुक्रवार को हुई थोड़ी सी बारिश ने मैसूरु में तबाही मचा दी, लगभग 200 बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। आंधी, गरज और ओलावृष्टि के साथ हुई बारिश के बाद शहर के अधिकांश हिस्से अंधेरे में डूब गए, जो 45 मिनट से अधिक नहीं चला। चामुंडेश्वरी बिजली आपूर्ति निगम (सीईएससी) के जीएम (तकनीकी) एल लोकेश ने कहा कि वे सीईएससी सीमा के भीतर क्षति की सीमा का आकलन कर रहे थे तो पता चला शुक्रवार शाम की बारिश ने लगभग 200 खंभे क्षतिग्रस्त कर दिए या उखड़ गए। सीईएससी कर्मचारी बिजली बहाल करने के लिए ओवरटाइम काम कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि निवासी जल्द ही बिजली आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने

कहा शहर के भीतर प्रारंभिक आकलन से 200 खंभों के क्षतिग्रस्त होने का संकेत मिलता है, लेकिन वास्तविक संख्या खंभों को बदलने के बाद ही पता चलेगी। इसके अलावा, ग्रामीण क्षेत्रों और आसपास के जिलों, मांड्या, चामराजनगर, कोडागु और हासन, से क्षति का विवरण, यदि कोई हो, का विश्लेषण किया जाना बाकी है, क्योंकि ध्यान मैसूरु शहर में बिजली आपूर्ति की बहाली पर था। सिल्क फैक्ट्री सर्कल के पास बिजली के तारों के टूटने का जिक्र करते हुए, जहां कई वाहन फंसे हुए थे और कुछ बिजली लाइनों के संपर्क में आ गए थे, लोकेश ने कहा कि, सामान्य परिस्थितियों में, बिजली बाधित होने के पांच मिनट के भीतर लाइनें चार्ज हो जाती हैं। लेकिन 3 मई को हवा और बारिश के कारण सीईएससी कर्मियों ने बिजली लाइनों को चार्ज नहीं किया।

इसलिए कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। इसके अलावा, एक तंत्र है जिसमें केबल टूटने की स्थिति में ग्रिड ट्रिप हो जाता है और बिजली आपूर्ति बंद हो जाती है। बारिश के परिणामस्वरूप, शहर के हृदय स्थल के.आर. सर्कल, के.आर. अस्पताल, धनवंतरी रोड, अग्रहारा, जे.एल.बी. रोड, जगनमोहन पैलेस और जयनगर के पास नालों में पानी भर जाने से मुख्य सड़कों पर पानी बह गया। बारिश और हवा के कारण गिरी सैकड़ों पेड़ों की शाखाओं को वाहनों की आवाजाही के लिए मार्ग प्रशस्त करने के लिए साफ किया गया, लेकिन शहर के कई हिस्सों में शनिवार को भी ट्रैफिक डायवर्जन लागू था। रामानुज रोड जैसे निचले इलाकों में घरों में पानी घुसने की घटनाएं हुईं। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र (केएसएनडीएमसी) के अनुसार, हुनसूर तालुक के सिंगारमरनहल्ली में शनिवार सुबह 8.30 बजे समाप्त हुए 24 घंटों के दौरान 71 मिमी बारिश हुई। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने मैसूरु में 50 मिमी, मांड्या और सरगुर में 30 मिमी और के.आर. नगर में 10 मिमी बारिश दर्ज की। आईएमडी ने रविवार को कोडागु, मैसूरु, चामराजनगर जिलों में अलग-अलग स्थानों पर मध्यम बारिश, 6 मई को मैसूरु और चामराजनगर जिलों में बारिश और 7 और 8 मई को तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की है।

एसआईटी के सामने पेश न होने के लिए एचडी रेवन्ना ने चुनावी रैलियों का दिया हवाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हासन जिले में महिलाओं के कथित यौन शोषण के लिए एचडी रेवन्ना और उनके बेटे प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ दूसरा लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। उसी दिन, रेवन्ना के वकील ने उनकी अग्रिम जमानत की सुनवाई के दौरान अदालत को बताया कि वह पूछताछ के लिए एसआईटी के सामने पेश नहीं हो सके क्योंकि उनकी उत्तरी कर्नाटक में रैलियां निर्धारित हैं जहां 7 मई को मतदान होगा। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मीडिया को बताया कि पिता और पुत्र दोनों एसआईटी के सामने पेश नहीं होने के बाद लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा 2 मई को रेवन्ना को उपस्थिति नोटिस भेजे जाने के तुरंत बाद, उन्होंने बेंगलूरु में पीपुल्स रिप्रेजेंटेटिव कोर्ट में अग्रिम जमानत दायर की। बताया जाता है कि शनिवार को मामले की सुनवाई के दौरान रेवन्ना के वकील ने अदालत से रेवन्ना को अग्रिम जमानत या सुरक्षा देने की मांग की और अदालत से कहा कि उनका मुवक्किल शनिवार शाम 5.30 बजे अदालत में पेश होगा। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि रेवन्ना ने एसआईटी को बताया था कि वह एसआईटी के सामने पेश नहीं हो सकते क्योंकि उन्हें उत्तरी कर्नाटक में रैलियों के लिए प्रचार करना था, जहां 7 मई को 14 सीटों के लिए मतदान होगा।

स्पॉट निरीक्षण के लिए एसआईटी अधिकारियों ने रेवन्ना के होलेनरसीपुर आवास का किया दौरा

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मंत्री एच.डी.रेवन्ना और उनके बेटे प्रज्वल रेवन्ना, जो लोकसभा सदस्य हैं, के खिलाफ यौन शोषण के आरोपों की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने मौके पर निरीक्षण के लिए हासन जिले के होलेनर-सीपुर में जद (एस) विधायक के आवास का दौरा किया। पुलिस उपाधीक्षक, निरीक्षकों और उप-निरीक्षकों सहित अधिकारियों की एक टीम ने सुबह करीब 11.45 बजे शिकायतकर्ता के साथ घर का दौरा किया। महिला ने होलेनरसीपुर टाउन पुलिस को दी अपनी शिकायत में पिता और पुत्र पर उसका यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। जब वह उनके आवास पर कार्यरत थी। पुलिस ने घर के बाहर बैरिकेड लगा दिए हैं। जद (एस) पार्टी के कुछ वकील और समर्थक घर के प्रवेश द्वार पर एकत्र हुए थे।

देश की सुरक्षा और विकास के साथ

हिंदू विरोधी कांग्रेस सरकार को मतदाता सिखाएंगे उचित सबक: बीवाई विजयेंद्र

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

देश की सुरक्षा, विकास और हिंदू विरोधी कांग्रेस सरकार को मतदाताओं से उचित जवाब मिलेगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने यह बात कही। अरविंद नगर स्थित हुब्बल्ली भाजपा जिला कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ओबीसी आरक्षण से अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में समझदार मतदाता इन सबका माकूल जवाब देंगे।

सभी 28 लोकसभा क्षेत्रों में भाजपा के पक्ष में माहौल है। मैंने पूरे राज्य का भ्रमण किया है। मैं पिछले एक सप्ताह से कल्याण कर्नाटक भाग की यात्रा कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि वह उत्तर कन्नड़ जिले का भी दौरा करने वाले हैं। मतदाता हमारी उम्मीदों से बढ़कर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। नरेंद्र मोदी को दोबारा देश का प्रधानमंत्री बनाने के लिए सिर्फ

बीजेपी-जेडीएस कार्यकर्ता संकल्पित नहीं हैं, बल्कि देश की सुरक्षा, विकास और सलामती के लिए देश की जनता भी मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाना चाहती है।

उन्होंने कहा कि देश और राज्य के हर मतदाता में यह भावना है कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए पार्टी से ही देश का भला हो सकता है। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता जोश के साथ काम कर रहे हैं।

उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसा माहौल बन गया है कि 7 तारीख को होने वाले दूसरे चरण के चुनाव में सभी सीटों पर भाजपा जीत हासिल करेगी। राज्य सरकार भी हत्यारों को शरण दे रही है। हिंदू लड़कियों में डर का माहौल पैदा हो गया है। कांग्रेस सरकार की अल्पसंख्यक तुष्टीकरण नीतियों के कारण राज्य में कानून व्यवस्था खराब हो गई है। लव जिहाद के मामले भी बढ़ रहे हैं। राज्य के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भाषण देते थे कि वे अपनी गारंटी से 20 से ज्यादा सांसद जितायेंगे। ऐसा लगता है कि वे वारंटी के बारे में भूल गए हैं और पेन ड्राइव में अधिक रुचि रखते हैं। इसके पीछे पूरी सरकार है। उस घटना के पक्ष में कोई प्रश्न नहीं है।

भाजपा की स्थिति स्पष्ट है। प्रज्वल रेवन्ना मामले के तहत कोई भी कानून से बच नहीं सकता। राज्य सरकार ने एसआईटी गठित कर जांच शुरू की है। हालाँकि, उन्होंने विश्लेषण किया कि ऐसा लगता है कि पेन ड्राइव पिछड़ गई है क्योंकि राज्य सरकार ने गारंटी के बारे में उम्मीद खो दी है। दो-तीन आत्महत्याएं हो चुकी हैं। आए दिन हत्या के मामले बढ़ते जा रहे हैं।

प्रदेश में लव जिहाद के मामले बढ़ते जा रहे हैं। प्रदेश की माताएं चिंतित हैं। जब लोकतंत्र के मंदिर में पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगा तो सरकार को गद्दारों को लात मारकर अंदर कर देना चाहिए था। लेकिन राज्य सरकार अल्पसंख्यक ठगों को पकड़ने के लिए सौ बार सोचती है। ऐसा लगता है कि लव जिहाद के मामले में पकड़े गए लोगों को गिरफ्तार करने से अल्पसंख्यकों को ठेस पहुंचेगी, ऐसी सोच है। सिद्धरामैया सरकार की नीति अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की है और राज्य केरल मॉडल का अनुसरण कर रहा है।

लव जिहाद के मामले दिन पर दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। हम चाहे कुछ भी करें, राज्य सरकार महिलाओं के खिलाफ ऐसा जघन्य अपराध करने वाले देशद्रोहियों का समर्थन करेगी।

पेन ड्राइव सरकार को पहले ही मिल चुकी थी

विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि हम भी खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। अब आ रही जानकारी के मुताबिक ये पेन ड्राइव कांग्रेस सरकार को पहले ही मिल चुकी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में चर्चा चल रही है कि पहले चरण का चुनाव खत्म होने तक इंतजार किया गया और जब एक दिन बचा था तब उन्हें रिहा कर दिया गया। उन्होंने मांग की कि राज्य के मुख्यमंत्री और सरकार को इसका जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ऐसे मामले से चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा और उन्होंने पत्रकार के सवाल पर कहा कि अभी तक उन्हें इस संबंध में कोई पत्र नहीं मिला है। इस मौके पर विधायक अरविंदा बेलाडा, हुब्बल्ली-धारवाड़ जिला अध्यक्ष तिप्पन्ना मज्जागी और अन्य महत्वपूर्ण लोग उपस्थित थे।

सेक्स स्कैंडल मामला

एसआईटी ने एचडी रेवन्ना के लिए लुकआउट नोटिस किया जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस विधायक और कर्नाटक के पूर्व मंत्री एच.डी. रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने शुक्रवार को उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया। सूत्रों ने बताया कि लुकआउट नोटिस उन्हें देश से भागने से रोकने के लिए जारी किया गया है। यौन उत्पीड़न मामले के साथ, जिसमें उनके बेटे और हासन लोकसभा सीट से एनडीए उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना दूसरे आरोपी हैं, रेवन्ना को उनके बेटे द्वारा यौन उत्पीड़न के पीड़ितों में से एक के अपहरण मामले में मुख्य आरोपी के रूप में नामित किया गया है। रेवन्ना पर गिरफ्तारी का खतरा मंडरा रहा है और उन्होंने अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, जिसने मामले की सुनवाई शनिवार तक के लिए स्थगित कर दी थी। बलात्कार, आपराधिक धमकी और ब्लैकमेल के आरोप में प्रज्वल रेवन्ना के लिए लुकआउट नोटिस पहले ही जारी किया जा चुका है। प्रज्वल रेवन्ना से जुड़ा सेक्स स्कैंडल गंभीर होता जा रहा है क्योंकि एसआईटी द्वारा जांच शुरू करने के बाद पीड़ित और उनके परिवार पुलिस के पास पहुंच रहे हैं। इस बीच, जद-एस के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने शुक्रवार को मांग की कि एसआईटी कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नोटिस जारी करे जिन्होंने आरोप लगाया था कि प्रज्वल रेवन्ना ने 300 से 400 महिलाओं के साथ बलात्कार किया था। उन्होंने कहा कि लगता है कि उन्हें मामले के बारे में जानकारी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कर्नाटक के एक बड़े नेता ने लगभग छह से सात पीड़ितों को एक फार्महाउस में रखा है। कुमारस्वामी ने कहा अनावश्यक रूप से, उनके पिता (रेवन्ना) और पूर्व पीएम एच.डी. देवेगौड़ा का नाम इसमें घसीटा जा रहा है। मामले का इस्तेमाल चुनाव के दौरान प्रचार करने के लिए किया जा रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या यह घोटाला भाजपा के साथ उनकी पार्टी के गठबंधन को प्रभावित कर सकता है, उन्होंने कहा कि पहले वह प्रज्वल मामले से निपटेंगे। इस निंदनीय अभियान से विरोधी मुझे या देवेगौड़ा को नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे।

रेवन्ना को विदेश जाने की इजाजत न मिले इसलिए लुकआउट नोटिस किया जारी: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना के पास हासन के पेन ड्राइव मामले में सुनवाई में शामिल होने के लिए शनिवार शाम तक का समय था। बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रज्वल रेवन्ना और एचडी रेवन्ना दोनों को शुरुआत में ही लुक आउट नोटिस दिया गया है। रेवन्ना को विदेश जाने की इजाजत न मिले इसलिए एसआईटी अधिकारियों ने लुकआउट नोटिस जारी किया है।

दूसरा नोटिस पहले ही जारी किया जा चुका है। उसके मुताबिक उनके पास सुनवाई में शामिल होने के लिए शनिवार शाम तक का समय है, जिसके बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, रेवन्ना ने केआर नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज अपहरण के मामले में अग्रिम जमानत के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। इसी अपहरण कांड के दूसरे

आरोपी सतीश बाबू को गिरफ्तार कर लिया गया है। आमतौर पर पुलिस ऐसी प्रक्रियाएं लगातार चलती रहती है। गिरफ्तारी, पूछताछ सब सामान्य है। हर बात को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। रेवन्ना को सीआरपीसी की धारा 47ए के तहत नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें खुद सुनवाई में शामिल होना चाहिए। प्रज्वल रेवन्ना के फिलहाल भारत लौटने की संभावना नहीं होने की चर्चाओं पर टिप्पणी करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि उन्हें रविवार को भारत लौट आना चाहिए। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद भी इस मामले को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। आइए इंतजार करें और देखें कि मामले के बाद क्या होता है। उन्होंने कहा कि मतदाता चल रही चर्चाओं पर ध्यान दे रहे हैं। हुब्बल्ली में लव जिहाद हुआ है, इस सवाल पर गृह मंत्री भड़क उठे, क्या आप जानते हैं कि लव जिहाद हुआ है? क्या कोई सबूत है? उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि सवाल पूछते समय संवेदनशीलता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मामले के सिलसिले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एचडी कुमारस्वामी के राहुल गांधी को नोटिस जारी करने की जिद पर गृह मंत्री ने कहा कि चलो सारा काम उनसे पूछकर करेंगे।

चुनाव आयोग से सीएम के खिलाफ शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा कला और संस्कृति प्रकोष्ठ के राज्य संयोजक गणेश राव केसरकर, राज्य सह-संयोजक विक्रम सूरी और प्रमुख थिएटर कलाकारों ने शनिवार को चुनाव आयोग कार्यालय का दौरा किया और मुख्यमंत्री के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। अपनी शिकायतों में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने बयान से कलाकारों का अपमान किया है। उन्होंने देश के उच्च पदस्थ व्यक्तियों, जो देश की संवैधानिक स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं, के बारे में अपमानजनक बातें कीं और उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में अपील के साथ मोदी एक अच्छे नाटककार हैं शीर्षक से एक प्रेस आलेख भी संलग्न है। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ नेता दत्तगुरु हेगड़े, अभिनेता प्रसन्ना कुमार, पुनीत, थिएटर कलाकार रजनीकांत, गीता, थिएटर कलाकार अजीत बासपुर, अभिषेक कोडियाल सहित लगभग 25 थिएटर कलाकार शामिल थे।

एसआईटी अधिकारियों के साथ सीएम ने की अहम बैठक

ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी होने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शनिवार को हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना मामले की जांच के संबंध में गठित एसआईटी के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को मामले में अब तक हुए घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि प्रज्वल रेवन्ना, जो मुख्य आरोपी है, लापता है और लुकआउट नोटिस के साथ गहन तलाशी की जा रही है। प्रज्वल रेवन्ना को गिरफ्तार करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। मामले में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त चेतावनी दी है कि इस मामले में

लापरवाही और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए उचित कार्रवाई की जाएगी। प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ सीबीआई के सहयोग से ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी होने की संभावना है। इससे जांच में तेजी आएगी। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को समझाया कि हवाईअड्डों से सूचना मिलते ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय पुलिस संगठन (इंटरपोल), जिसके 196 सदस्य देश हैं, ने कई प्रकार के नोटिस लागू किए हैं। दोषी अपराधियों के स्थान और गिरफ्तारी के लिए रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया जाता है। लापता नाबालिगों का पता लगाने और उन लोगों का पता लगाने के लिए कहीं न कहीं कॉर्नर नोटिस जारी किया जाता है जो अपनी पहचान का दावा नहीं कर सकते। ब्लू कॉर्नर नोटिस किसी व्यक्ति की पहचान, स्थान और आपराधिक मामले के संबंध में उसकी गतिविधियों पर अतिरिक्त जानकारी दर्ज करने के लिए जारी किया जाता है। मृतक की जानकारी एकत्र करने और उसकी पहचान के लिए ब्लॉक नोटिस सहित हरे, नारंगी और बैंगनी रंग के नोटिस तय किए जाते हैं।

राहुल गांधी ने प्रज्वल रेवन्ना के पीड़ितों को समर्थन देने के लिए मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को पत्र लिखकर जद (एस) नेता प्रज्वल रेवन्ना के कारनामों के पीड़ितों को हर संभव मदद देने का आग्रह किया है। सिद्धरामैया को लिखे एक पत्र में गांधी ने दक्षिणी राज्य के सांसद रेवन्ना के कार्यों की निंदा की और उन पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आशीर्वाद से छूट का आनंद लेने का आरोप लगाया।

मोदी पर परोक्ष हमला करते हुए, कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने कभी ऐसा वरिष्ठ जन प्रतिनिधि नहीं देखा, जिसने महिलाओं के खिलाफ अनकही हिंसा के सामने लगातार चुप्पी साध रखी हो। गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा मैं आपसे पीड़ितों को हर संभव सहायता देने का अनुरोध करता हूं। वे हमारी करुणा और

एकजुटता के पात्र हैं क्योंकि वे न्याय के लिए अपनी लड़ाई लड़ रहे हैं। यह सुनिश्चित करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है कि इन जघन्य अपराधों के लिए जिम्मेदार सभी पक्षों को सजा दी जाए।

इन घटनाओं को हासन के निवर्तमान संसद सदस्य द्वारा की गई भयानक यौन हिंसा बताते हुए, गांधी ने आरोप लगाया कि रेवन्ना ने कई वर्षों में सैकड़ों महिलाओं का यौन उत्पीड़न किया और उन्हें फिल्माया। कई लोग जो उन्हें एक भाई और बेटे के रूप में देखते थे, उनके साथ सबसे हिंसक तरीके से क्रूरता की गई और उनकी गरिमा को लूट लिया गया। हमारी माताओं और बहनों के साथ बलात्कार के लिए कड़ी से कड़ी सजा की आवश्यकता है। मुझे यह जानकर गहरा सदमा लगा है कि दिसंबर 2023 में, हमारे गृह मंत्री अमित शाह को जी देवराजे गौड़ा ने प्रज्वल रेवन्ना के पूर्ववृत्त, विशेष रूप से उनके यौन हिंसा के इतिहास और अपराधी द्वारा फिल्माए गए वीडियो की उपस्थिति के बारे में सूचित किया था। उन्होंने कहा कि इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठतम नेतृत्व के संज्ञान में इन भयानक आरोपों को लाए जाने के बावजूद, मोदी ने एक सामूहिक बलात्कारी के लिए प्रचार और प्रचार किया। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने किसी भी सार्थक जांच को पटरी से उतारने के लिए जानबूझकर उसे भारत से भागने की अनुमति दी। इन अपराधों की अत्यधिक विकृत प्रकृति और प्रधान मंत्री और गृह मंत्री के आशीर्वाद से प्रज्वल रेवन्ना को मिली पूर्ण छूट कड़ी निंदा के पात्र हैं। सार्वजनिक जीवन में अपने दो दशकों में, मैंने कभी भी ऐसे वरिष्ठ जन प्रतिनिधि को नहीं देखा, जिसने महिलाओं के खिलाफ अनकही हिंसा के सामने लगातार चुप्पी साध रखी हो। हरियाणा में हमारे पहलवानों से लेकर मणिपुर में हमारी बहनों तक, भारतीय महिलाएं ऐसे अपराधियों को प्रधानमंत्री के मौन समर्थन का खामियाजा भुगत रही हैं। इस पृष्ठभूमि में गांधी ने कहा कि हमारी माताओं और बहनों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ना कांग्रेस का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा मैं समझता हूं कि कर्नाटक सरकार ने गंभीर आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है और प्रधानमंत्री से प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने और उन्हें जल्द से जल्द भारत प्रत्यर्पित करने का अनुरोध किया गया है।

मेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को बम की धमकी भरा ईमेल मिला

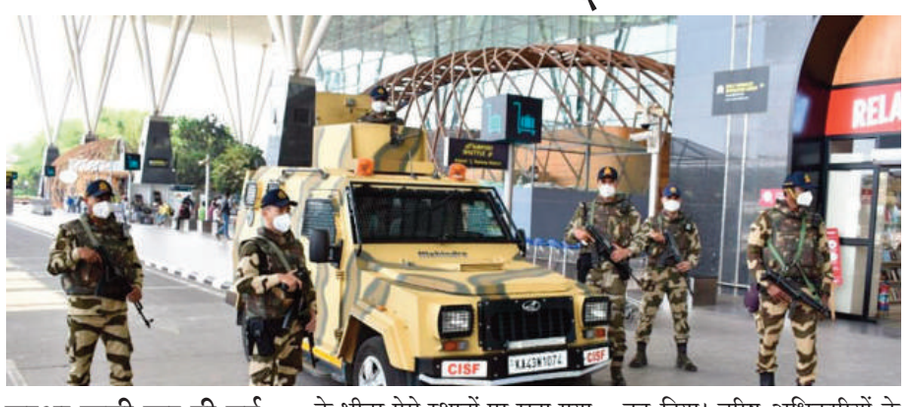

सुरक्षा कड़ी कर दी गई

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के हवाईअड्डा प्राधिकरण कार्यालय को संबोधित एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें कथित तौर पर आतंकवादियों से धमकी दी गई थी कि हवाईअड्डे पर बम लगाए गए हैं। इस मामले की शिकायत बाजपे पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई थी।

कथित तौर पर एक आतंकवादी की ओर से भेजे गए ईमेल में दावा किया गया है कि विस्फोटकों को हवाईअड्डे परिसर के भीतर ऐसे स्थानों पर रखा गया है, जिनका आसानी से पता नहीं लगाया जा सकता है। मैंने कुछ विमानों में विस्फोटक भी लगाए हैं। ये कुछ घंटों के भीतर विस्फोट कर देंगे, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर रक्तपात होगा। हमें कई लोगों के हताहत होने की आशंका है। टेरराइजर्स 111 के रूप में पहचाना गया समूह इसके लिए जिम्मेदार है। यह सिर्फ एक मामला नहीं है। ईमेल में धमकी अंग्रेजी में दी गई थी। ईमेल मिलने पर, हवाईअड्डे के अधिकारियों ने तुरंत मेंगलूरु में पुलिस को सतर्क कर दिया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश के बाद धमकी भरे मैसेज को लेकर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने गोपनीयता बनाए रखते हुए इस जानकारी का खुलासा करने से परहेज किया था, जबकि प्रतिक्रिया में हवाई अड्डे पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। 30 से अधिक अन्य एएआई और निजी हवाई अड्डों के साथ मेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को ईमेल पर बम की धमकी मिली। ईमेल हवाई अड्डों और सुरक्षा एजेंसी सीआईएसएफ की 90 से अधिक ईमेल आईडी पर भेजा गया था।

देश में औरंगजेब का जजिया कर जबरन लागू करना चाहती है कांग्रेसः योगी

योगी ने गुना लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को किया संबोधित

गुना (मध्यप्रदेश), 04 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के तहत शनिवार को मध्य प्रदेश के गुना लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार करने पहुंचे। भाजपा ने गुना से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को अपना प्रत्याशी बनाया है। सीएम योगी ने यहां केंद्र सरकार और सिंधिया राज परिवार की उपलब्धियां गिनाते हुए उनके लिए अधिक से अधिक संख्या में मतदान की अपील की। इस दौरान यहां उन्होंने कांग्रेस पर भी जमकर प्रहार किया। उन्होंने कांग्रेस के मैनिफेस्टो में बहुसंख्यकों की सम्पत्ति का सर्वे करने से लेकर अल्पसंख्यकों को खानपान की छूट देने जैसे प्राविधानों पर हमला किया। सीएम योगी ने कहा कि मोदी जी कहते हैं कि विरासत का सम्मान होना चाहिए और कांग्रेस कहती है कि विरासत पर टैक्स लगाएंगे। मतलब इनके समय में कोई राम मंदिर, कृष्ण मंदिर की बात नहीं कर सकेगा। वो आपके पूर्वजों के द्वारा अर्जित कमाई का भी सर्वे कराएंगे और आधी सम्पत्ति ले लेंगे और कहेंगे कि ये हमारा विरासत टैक्स है। ये कांग्रेस औरंगजेब के जजिया कर को जबरन लागू करना चाहती है जिसे कोई भारतीय स्वीकार नहीं करेगा। इस अवसर पर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सीएम योगी का अंग वस्त्र और भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया।

सीएम योगी ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि मोदी सरकार में आपकी आस्था को भी सम्मान मिल रहा है और सुरक्षा का भाव जाग्रत हुआ है तो गरीब कल्याण के कार्य भी हो रहे हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस का मैनिफेस्टो देखेंगे तो इसके उलट ही नजर आएगा। उन्होंने कहा कि मुगलों का एक बादशाह था औरंगजेब, जिसे सबसे क्रूर मुगल बादशाह माना जाता है। उसने एक कर लगाया था जजिया। आज कांग्रेस भी अपने मैनिफेस्टो में जजिया कर की बात कर रही है। मोदी जी कहते हैं कि विरासत का सम्मान होना चाहिए और कांग्रेस कहती है कि विरासत टैक्स लगाएंगे। ये कांग्रेस औरंगजेब के जजिया कर को जबरन लागू करना चाहती है जिसे कोई भारतीय स्वीकार नहीं करेगा। सीएम योगी ने आगे कहा कि कांग्रेस के समय में ओबीसी के आरक्षण में सेंध लगाने का प्रयास होगा और अनुसूचित जाति के आरक्षण में भी सेंध लगाने का प्रयास होगा। कांग्रेस कर्नाटक में ऐसा कर चुकी है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस के नेतृत्व में इंडी गठबंधन की सरकार बनी तो वो अल्पसंख्यकों को खानपान की आजादी देगी। कांग्रेस अब इतनी गिर चुकी है कि वह देश में गौहत्या को प्रश्रय देने की बात कर रही है। क्या राम और कृष्ण की धरती पर आप गौहत्या होने देंगे।

सीएम योगी ने गुना और अयोध्या के बीच संबंध को लेकर कहा कि अयोध्या का रामजन्मभूमि आंदोलन का इतिहास गुना के लिए भी गौरवान्वित करने वाला है। इस आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए जो एक प्रमुख स्वर था वो था राजमाता विजयाराजे सिंधिया जी का। राम जन्मभूमि आंदोलन के किसी भी कार्यक्रम में उन्होंने अपने व्यक्तिगत कार्यक्रमों को छोड़कर पहले से लेकर अंतिम दिन तक खुद को जोड़े रखा। प्रसन्नता इस बात की है कि अयोध्या में 500 वर्षों के बाद जब प्रभु श्रीराम विराजमान हुए तो राजमाता की आत्मा को भी असीम शांति प्राप्त हुई होगी कि जो वर्षों का सपना था वो सपना आज की पीढ़ी साकार कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि आज आप सौभाग्यशाली हैं कि यहां पर ज्योतिरादित्य सिंधिया के रूप में आपको एक नेता मिला है, जिसके पास विकास का एक विजन है। उन्होंने भारत सरकार के नागर विमानन मंत्री के रूप में जो प्रगति की है वो अभूतपूर्व है। पहले देश के अंदर केवल 74 एयरपोर्ट थे और उन्होंने इस संख्या को 150 के ऊपर पहुंचा दिया और प्रधानमंत्री के उस सपने को साकार कर दिया कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई सफर करेगा। उन्होंने कहा कि पूरे देश के अंदर एक ही आवाज है कि फिर एक बार मोदी सरकार। लोगों के मन में एक ही बात है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे।

सीएम योगी ने 10 वर्षों में विकास का जिक्र करते हुए कहा कि इन 10 वर्षों में उतना कार्य हो गया, जितना 75 वर्षों में नहीं हुआ। पहले लोग भूखों मरते थे, आज 80 करोड़ लोग मुफ्त में राशन प्राप्त कर रहे हैं। कोई इलाज के अभाव में नहीं मर रहा। 50 करोड़ गरीबों के जनधन अकाउंट खोल दिए गए हैं। 12 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि मिल रही है। 10 करोड़ गरीबों को मुफ्त में एलपीजी कनेक्शन मिल गया। करोड़ों लोगों को मकान मिले हैं और जिन्हें नहीं मिला है अगले 5 वर्ष के अंदर उनके लिए भी मकान बनेंगे। ये जितने भी कार्य हुए हैं ये अभी शुरुआत है। हमें आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाना है। उन्होंने यूपी में प्रचंड जीत का आश्वासन देते हुए कहा कि यूपी ने मन बना लिया है कि वह 80 में 80 मनकों की माला मोदी जी को पहनाएंगे। अब आपको भी वादा करना होगा कि मध्य प्रदेश में 29 की 29 लोकसभा सीटों पर भारतीय जनता पार्टी का कमल खिलाएंगे।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीडी शर्मा, पूर्व मंत्री और विधायक गोपाल भार्गव, लोकसभा के प्रभारी शैलेंद्र बरुआ, संयोजक राधेश्याम पारिख, जिलाध्यक्ष आलोक तिवारी, पूर्व मंत्री और विधायक ब्रजेंद्र यादव, विधायक जगन्नाथ सिंह रघुवंशी, पूर्व जसपाल सिंह, प्रताप भानू सिंह, सचिन चौधरी समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

यूपी की माटी में हुआ कर्मयोगी और योगी का संगमः ज्योतिरादित्य

गुना, 04 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सीएम योगी की भूरि भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि आज गुना में अशोक नगर के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। हमारे बीच में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी पधारे हैं। एक ऐसे व्यक्तित्व के कदम इस भूमि पर पड़े हैं, जिन्होंने विकास और प्रगति का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। आपमें से कई लोगों को नहीं मालूम होगा, लेकिन महाराज योगी आदित्यनाथ जी और सिंधिया परिवार के बीच एक परिवारिक और आध्यात्म का संबंध भी रहा है। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की लोकप्रियता राष्ट्र के कोने-कोने में है और जिस तरह उन्होंने उत्तर प्रदेश की भूमि को परिवर्तित कर दिया है, वह आज विकास और प्रगति के लिए पूरे देश में मशहूर है। केंद्र में हमारे पास पीएम मोदी के रूप में एक कर्मयोगी हैं तो उत्तर प्रदेश में योगी जी हैं। कर्मयोगी और योगी का संगम उत्तर प्रदेश की माटी में हो चुका है। योगी जी हमारे लिए उदाहरण है। जिस तरह उन्होंने उत्तर प्रदेश में विकास किया है, हम गुना में विकास की लहर लाने का प्रयास करेंगे।

भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह के काफिले में हर्ष-फायरिंग

गोंडा, 04 मई (एजेंसियां)। बहुचर्चित कैसरगंज संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह के काफिले में फायरिंग का वीडियो सामने आया है। हर्ष फायरिंग में गोलियों की तड़तड़ाहट के साथ धुआं भी दिखाई पड़ा। करण, सांसद बृजभूषण सिंह के छोटे बेटे हैं। शुक्रवार को उन्होंने दलबल के साथ नामांकन किया था।

शनिवार को विश्नोहरपुर से सुबह काफिला निकला और जगह-जगह स्वागत का कार्यक्रम चल रहा। काफिला निकला तो तरबगंज विधानसभा क्षेत्र में बेलसर (रगड़गंज) बाजार का इलाका गोलियों से गूंज उठा।

इस दौरान सैकड़ों समर्थकों की उमड़ी भीड़ के बीच पुलिस प्रशासन तमाशबीन बना रहा। अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। इतना ही नहीं पार्टी प्रत्याशी के फेसबुक समेत अन्य सोशल मीडिया अकाउंट पर बाकायदा इसका वीडियो भी अपलोड किया गया। जिसमें नवाबगंज पालिका परिषद के अध्यक्ष डॉ. सत्येंद्र सिंह वीडियो बनाने वाले समर्थक को रोकते नजर आ रहे हैं। इस दौरान लगातार कई राउंड फायरिंग की गई।

महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपों से घिरे भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष व कैसरगंज से भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण सिंह को भाजपा ने टिकट दिया है। नामांकन से पहले शुक्रवार को प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने उनके पक्ष में जनसभा की। शनिवार सुबह कैसरगंज सांसद के बेटे व भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह की गाड़ियों का काफिला निकला। इस वजह जाम लग गया। इस दौरान लोग घंटों तक परेशान रहे। इस दौरान भीड़ के बीच फायरिंग शुरू हो गई। गनीमत रही कि कोई हादसा नहीं हुआ। मामले से काफी देर तक पुलिस प्रशासन व एसटीएफ की टीम को इसकी खबर न लगी। पुलिस अधिकारियों ने छानबीन की बात कही है।

गुजरात की सबसे सुरक्षित सीट वडोदरा जहां लोगों को सिर्फ मोदी से है मतलब

वडोदरा/दरभंगा, 04 मई (एजेंसियां)। गुजरात में वडोदरा लोकसभा सीट सबसे सुरक्षित मानी जाती है। भले ही यहां से भाजपा उम्मीदवार नरेंद्र मोदी नहीं हैं, लेकिन वोट उन्हीं के नाम पर मिलता है। वोटरों को उम्मीदवार से नहीं, मोदी से मतलब है। शहर और ग्रामीण क्षेत्र, दोनों जगहों पर मुकाबला नजर नहीं आ रहा। वडोदरा शहर में भाजपा के पोस्टर तो नजर आते हैं, लेकिन कांग्रेस का प्रचार गायब है। वोटरों ने यह भी कहा, गुजरात में ऐसे दलों की दाल नहीं गलेगी, जो फ्री में कुछ देकर वोट लेने का प्रयास करते हैं। लोगों ने कहा, इस बार भाजपा की जीत का मार्जिन कुछ कम हो सकता है। वडोदरा में क्षत्रिय समुदाय के विरोध का असर नहीं दिख रहा। हालांकि कांग्रेस पार्टी ने यहां पर भाजपा प्रत्याशी के डॉ. हेमांग जोशी के सामने क्षत्रिय समुदाय से आने वाले जसपाल सिंह पढियार को मैदान में उतारा है।

2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी ने वडोदरा से बंपर जीत दर्ज कराई थी। साल 1998 से भाजपा, लगातार इस सीट पर जीत रही है। गत लोकसभा चुनाव में रंजनबेन भट्ट ने जीत हासिल की। उन्होंने कांग्रेस के प्रशांत चंदूभाई पटेल को हराया था। रंजनबेन भट्ट को 883,719 वोट मिले थे, जबकि कांग्रेस के चंदूभाई पटेल को 294,542 मत हासिल हुए। वडोदरा में सात विधानसभा क्षेत्र, सयाजीगंज, रावपुरा, मांजलपुर, वाघोडिया, सावली, अकोटा और वडोदरा शहर आते हैं। वडोदरा के निकटवर्ती गांव सोखडा में अक्षर पुरुषोत्तम स्वामी नारायण मंदिर है। वहां बैठे ग्रामीण घनश्याम भाई ने कहा, यहां भाजपा का ही वोट है। डॉ. हेमंत जोशी जीत जाएंगे। क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रभाव है। कांग्रेस की स्थिति कैसी है, इस सवाल का जवाब देते हुए घनश्याम भाई बोले, इसका तो नाम ही मत लेना। महेंद्र भाई सोना भाई पटेल ने कहा, वडोदरा में केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला के विवाद की कोई बात नहीं है। घनश्याम ने कहा, यहां पर विकास हुआ है। सड़क बनी है, पानी का हल मोदी ने ही निकाला है। अभी गटर लाइन बाकी है, वो भी आ जाएगी। यहां पर उम्मीदवार को नहीं देखते, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देखते हैं। जनता का वोट मोदी को जाएगा, उम्मीदवार को नहीं।

वडोदरा के अलकापुरी इलाके में गोवर्धन नाथ जी की हवेली मंदिर के सामने पूजा अर्चना के बाद एनबी शाह और उनकी मंडली ने चुनाव को लेकर बातचीत की। वोटरों ने कहा, वे अपनी सोसायटी के सभी लोगों को डोल नगाड़े के साथ मत डालने के लिए बूथ तक ले जाएंगे। यहां पर कोई टक्कर नहीं है। देश और विदेश, दोनों जगह पर भारत का विकास हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जब मुख्यमंत्री थे, तभी से इन्हें वोट देते हैं। कांग्रेस ने पहले कभी काम ही नहीं किया है। वे केवल उम्मीदवार खड़ा करते हैं। कोई भी सीट हो, यहां पर भाजपा को ही वोट जाएगा। केंद्रीय मंत्री रूपाला के बयान का असर यहां बहुत कम है। क्षत्रिय समाज, साथ आ जाएगा। वे भाजपा को वोट देंगे। सिर्फ भाजपा की लीड कम होगी। रूपाला एक व्यक्ति है, भाजपा तो देश में है। मार्जिन कम होने का कारण बताते हुए लोगों ने कहा, परिवर्तन तो कुदरत का नियम है। भाजपा ने जो काम किया है, वह कांग्रेस नहीं कर सकती। मोदी को अपने लोगों की चिंता रहती है।

मोदी कभी किसी को कुछ फ्री नहीं देंगे। उन्होंने मटका बनाने वाले एक व्यक्ति का उदाहरण दिया। जो देगा, वह स्वावलंबी बनाकर देगा। कांग्रेस जो कह रही है, वह कुछ नहीं करेगी। आम आदमी पार्टी ने यहां पर फ्री देने की बात कही थी। कुछ गरीब लोग हैं, ये अलग बात है। सामान्य लोग फ्री नहीं लेते। वे अपने हक का ही खाएंगे। राम मंदिर के मुद्दे पर एनबी शाह ने कहा, देश हिंदू राष्ट्र बनना चाहिए। बेरोजगारी पर बोलते हुए शाह की टीम के एक युवा साथी ने कहा, हमें सोशल मीडिया के प्लेटफार्म से बाहर आना होगा। हमारे लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फॉलो करना जरूरी नहीं है। एक्टिव रहें, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क्या कर रहे हैं, उसके लिए एक सिस्टम बनाना चाहिए।

वडोदरा की तरफ जाने वाले मार्ग पर पांच-छह वोटर चुनावी चर्चा कर रहे थे। इन वोटरों ने कहा, वडोदरा में तो मोदी ही हैं। वजह, मोदी ने बहुत काम किया है। लोगों को मालूम है कि आगे भी क्या काम होने वाला है। कांग्रेस को लेकर उन्होंने कहा, बहुत कमजोर स्थिति है। इन्होंने कुछ काम नहीं किया। पब्लिक को उल्लू बनाया, तुष्टिकरण किया। भाजपा उम्मीदवार को लेकर लोगों ने कहा, यहां प्रत्याशी का कोई मतलब नहीं है। वह जीतेगा ही। यहां पर लोग भाजपा और मोदी को देखते हैं। देश आगे बढ़ रहा है। 2001 से पहले यहां दंगे होते थे। मोदी के आने के बाद वह सब बंद हो गया। रूपाला का कोई फैक्टर नहीं है। क्षत्रिय, खुद भाजपा को मत देंगे। राम मंदिर निर्माण, एक अच्छा कदम है। निजी क्षेत्र में रोजगार की स्थिति बढ़िया है।

कांग्रेस के दिमाग में मोदी है। वह पार्टी यह नहीं सोचती कि उन्होंने अपनी सरकार में क्या किया है। राहुल गांधी को कोई नेता ही नहीं मानता। आम पब्लिक में राहुल की स्वीकार्यता नहीं है। चुनाव में विपक्षी नेताओं द्वारा भाजपा ज्वाइन करना, इस बाबत उन्होंने कहा, दबाव डालकर कोई पार्टी ज्वाइन नहीं कराता। कांग्रेस में राम का विरोध हुआ तो नेता, पार्टी छोड़कर इधर यानी भाजपा में आ गए। परिवारवाद का विरोध होना चाहिए। क्षेत्रीय पार्टियां, परिवार को आगे लाना चाहती हैं। पहले आप ऐसी नहीं थी। अरविंद केजरीवाल जेल में हैं, अब उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल आगे आ रही हैं। इन पार्टियों के लिए देश हित बाद में है। ये देश का भला नहीं कर सकते।

वड़ताल और विद्यानगर के बीच झोल गांव के आरोग्य केंद्र के सामने मटके बनाने वाले व्यक्ति बैठे थे। वहां पर प्रजापति समुदाय की बस्ती है। उन्होंने एनबी शाह को बताया, हम लोग मटका बनाते हैं। इसमें लंबे समय तक पानी ठंडा रहता है। पीएम मोदी ने हमें तालीम दिलाई। छकड़ा यानी घूमने वाला चक्का, पहले हाथ द्वारा घुमाया जाता था। मोदी ने हमें इलेक्ट्रॉनिक छकड़ा दिया, हमें स्वावलंबी बनाया। नतीजा, मिट्टी के बर्तन तैयार करने में तेजी आई। अब ज्यादा उत्पादन होने लगा। अभी हम किसी के सामने हाथ नहीं फैलाते।

कंबोडिया में बैठकर की साइबर ठगी

रकम निकाल रहे दुबई के एटीएम से

बरेली, 04 मई (एजेंसियां)। बरेली में शेयर और गोल्ड ट्रेडिंग के साथ ही घर बैठे रोजगार देने के बहाने साइबर ठगी के 25 मुकदमें दर्ज हुए थे। इनकी विवेचना में पता चला है कि 70 फीसदी मामलों में ठगी कंबोडिया में बैठे शातिरों ने की है। आधे से ज्यादा आईपी एड्रेस कंबोडिया के मिले हैं। जबकि, ठगी में इस्तेमाल किए जाने वाले सर्वाधिक खाते राजस्थान, बिहार, पश्चिम बंगाल व महाराष्ट्र के हैं।

विदेश में बैठे शातिर इन खातों में ठगी की रकम डलवाकर दुबई के एटीएम से निकाल रहे हैं। डिजिटल मार्केटिंग और शेयर मार्केट में निवेश करने वाले लोग इन शातिरों के निशाने पर हैं। इनसे ठगी गई रकम भी 20 लाख रुपए या इससे ज्यादा है। पिछले साल मार्च से टेलीग्राम एप के जरिये शुरू हुआ ठगी का सिलसिला फिलहाल थोड़ा धीमा पड़ा है। प्रेमनगर क्षेत्र में आर्किटेक्ट दंपती को व्हाट्सएप पर लिंक भेजा गया था कि इंस्टाग्राम व फेसबुक पर पेज लाइक करने पर अच्छी फीस मिलेगी। दोनों ने लैपटॉप से काम शुरू किया। व्हाट्सएप पर ही इन्हें टेलीग्राम लिंक से जोड़ा गया। दिखाया गया कि उनके वॉलेट में कई लाख रुपए आ गए हैं। इन रुपयों को लेने के लिए कई तरह के बहानों से 26 लाख रुपए की रकम ठग ली गई।

एक डॉक्टर का मुकदमा भी प्रेमनगर थाने से ट्रांसफर होकर साइबर थाने आया है। उनसे 21.40 लाख रुपए ठगे हैं। उनसे मोबाइल फोन पर संपर्क किया गया कि गोल्ड ट्रेडिंग करने पर उन्हें मोटा मुनाफा मिलेगा। उन्हें मुनाफा दिखाया भी गया। वॉलेट में जो रुपए बढ़ते दिखाए जाते रहे, उन्हें लेने के नाम पर इतनी रकम ठग ली गई। पहले ठग भारतीय खातों में आई रकम को इंटरनेट के जरिए क्रिप्टो करेंसी में बदलकर विदेशी खातों में डालते थे। फिर रकम निकाल लेते थे। अब हवाई यात्रा से ठग संबंधित डेबिट कार्ड विदेश ले जा रहे हैं। अधिकतर रकम दुबई से निकल रही है। भारतीय वीजा व मास्टर डेबिट कार्ड का प्रयोग कर वहां के एटीएम से निकासी कर हैं। भारतीय सिम भी विदेश ले जाकर ठगी के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं। दूसरे व्यक्ति का पासपोर्ट मिलने पर ही कार्रवाई हो पाती है, जिससे आरोपी साफ बच जाते हैं। बरेली रेंज के आईजी डॉ. राकेश सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर लुभावने ऑफर, सरकारी योजनाओं के लाभ, पार्ट टाइम जॉब, शेयर मार्केट में आकर्षक निवेश का झांसा देकर ठगी की शिकायतें बढ़ी हैं। पुलिस कार्रवाई कर रही है पर सावधानी बेहतर विकल्प है। किसी को अपनी निजी जानकारी न दें।

अखिलेश की चौतरफा घेराबंदी कर रही भाजपा

कन्नौज, 04 मई (एजेंसियां)। जिस पिच से अखिलेश यादव ने अपने सियासी जीवन की शुरुआत की थी, वहां से दूसरी पारी में उन्हें जीतने से रोकने के लिए भाजपा मजबूत घेराबंदी करने में जुटी है। अखिलेश यादव को अपनी ही सीट कन्नौज में फंसाए रखने के इरादे से भाजपा ने मजबूत फील्डिंग सजानी शुरू कर दी है। पिछले दिनों कन्नौज विधानसभा से जुड़ी सीटों पर मजबूत चेहरों को उतारा गया है। अगले कुछ दिनों में प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और मुख्यमंत्री भी ताबड़तोड़ रैली और सभा कर उनकी घेराबंदी करेंगे।

भाजपा की कोशिश है कि अखिलेश यादव ज्यादा से ज्यादा अपनी और परिवार से जुड़ी सीटों में ही उलझे रहें। दूसरी सीटों से लड़ रहे प्रत्याशियों के समर्थन में होने वाले कार्यक्रम में वह समय न निकाल सकें। तीसरे चरण में जिन सीटों पर वोटिंग होनी है, उसमें यादव परिवार की उम्मीदवारी वाली मैनपुरी से डिंपल यादव, फिरोजाबाद से अक्षय यादव और बदायूं से आदित्य यादव मैदान में हैं। चौथे चरण में खुद अखिलेश यादव कन्नौज सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरे और तीसरे चरण के चुनाव में सिर्फ एक सप्ताह का ही अंतराल है। ऐसे में अखिलेश यादव अभी तीसरे चरण की सीटों पर ही प्रचार कर रहे हैं, जबकि भाजपा तीसरे चरण के साथ ही चौथे चरण के प्रचार पर भी फोकस कर चुकी है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार मई को कानपुर में होंगे, तो पांच मई को इटावा में।

भाजपा ने इस बार प्रधानमंत्री की सभा इटावा में लगवाने का खाका बनाया है। पांच मई को प्रधानमंत्री इटावा जिले की भरथना विधानसभा क्षेत्र में आयोजित रैली में शामिल होंगे। इस क्षेत्र की खास बात यह है कि इसके पास में कन्नौज लोकसभा क्षेत्र में आने वाली बिधूना विधानसभा सीट पड़ती है। बिधूना पर इस समय सपा का कब्जा है।

जिन्हें जेहाद से प्यार, वे भीखमंगे पाकिस्तान के पास जाएं : योगी

फर्रुखाबाद की जनसभा को योगी ने किया संबोधित

भारत की धरती राम-कृष्ण की है, जेहाद की नहीं है

फर्रुखाबाद, 04 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जेहाद की बात करने वालों को शर्म आनी चाहिए। इनके आकाओं ने पहले देश का बंटवारा किया था और आज यह लोग जेहाद की बात करके लोकतंत्र को कलंकित कर रहे हैं। सीएम ने चेतावनी दी कि जेहाद से प्यार है तो भूखे मरने वाले भीखमंगे पाकिस्तान के पास जाइए, जो दो जून रोटी के लिए तरस रहा है। सपा, कांग्रेस व बसपा पर हमलावर सीएम ने कहा कि जिन लोगों ने गरीबों के हकों पर डकैती डाली और दिव्यांगों को भी नहीं छेड़ा। ऐसे लोगों को जेहाद की बात याद आने लगी है। वे जान लें कि भारत की धरती राम-कृष्ण की है, जेहाद की नहीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फर्रुखाबाद से सांसद व भाजपा प्रत्याशी मुकेश राजपूत के लिए शनिवार को जनसभा कर वोट मांगा। योगी के आह्वान पर फर्रुखाबाद वालों ने फिर से कमल खिलाने का आश्वासन दिया। सीएम ने कहा कि आपने 2014 के पहले और बाद का भारत देखा है। 2014 के पहले का भारत दुनिया में विश्वास खो चुका था। आतंकवाद व नक्सलवाद से त्रस्त था। गरीबों को शासन की योजनाएं नहीं मिल पाती थीं। यह अराजकता वे लोग करते थे, जिन्हें भारत के लोकतंत्र पर विश्वास नहीं था और जिन्हें विश्वास था वे एक भारत, श्रेष्ठ भारत के साथ जुड़कर देश को मजबूत बनाने के लिए आगे बढ़ते थे। जिन्हें भारत की प्रगति अच्छी नहीं लगती थी, वे हर योजना में भ्रष्टाचार करते थे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2014 के बाद भारत का नया रूप दिख रहा है। पहले कहीं विस्फोट और आतंकवादियों को देखकर सरकारें कहती थीं कि यह सीमापार से हैं, लेकिन आज जोर से पटाखा फटने पर सीमापार से उनका आका भी सफाई देने को मजबूर होता है। हर किसी को पता है कि नया भारत छेड़ता नहीं, लेकिन छेड़ने वाले को छेड़ता नहीं है।

सीएम ने भारत और उत्तर प्रदेश के विकास की चर्चा की। बोले कि 2022 में यहां आकर कहा था कि गंगा मैया पर बनने वाला पुल जल्द शुरू होगा। अब कार्य प्रारंभ हो चुका है। पहले नारा लगता था कि फर्रुखाबादी चूसे गन्ना, लेकिन अब फर्रुखाबाद को एक्सप्रेसवे से जोड़ने की कार्रवाई आगे बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि 2022 में भी यहीं आया था और कहा था कि अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर भी बनेगा और माफिया का रामनाम सत्य भी होगा।

सीएम ने कहा कि कांग्रेसी कहते थे कि राम हुए ही नहीं, सपा वाले कहते थे कि अयोध्या में परिंदा पर नहीं मार सकता, लेकिन आज वहां लाखों लोग दर्शन कर रहे हैं। यूपी में कर्फ्यू और दंगा मुक्त वातावरण है। नए भारत में गांव, गरीब, किसान, नौजवान व महिलाओं के सम्मान-संरक्षण के लिए कार्य हो रहा है तो दूसरी तरफ इंडी गठबंधन हकों पर डकैती डालने की योजना बना रहा है। जब सपा-कांग्रेस के नेतृत्व की यूपीए सरकार थी तब इन लोगों की तरफ से ओबीसी, एससी-एसटी के आरक्षण में सेंध लगाने की कोशिश हो रही थी।

पाकिस्तान से लगातार मिल रही धमकी

हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष को पुलिस सुरक्षा

बदायूं, 04 मई (एजेंसियां)।

बदायूं में अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश पटेल को एक बार फिर पाकिस्तान से व्हाट्सएप कॉल पर धमकी मिली है। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को अनजान नंबर से उनके व्हाट्सएप नंबर पर कॉल आई। कॉल करने वाले ने कहा कि मामू मैं आ रहा हूं, तुमको देख लूंगा। इस पर पटेल ने शुक्रवार को डीएम मनोज कुमार से मुलाकात की और सुरक्षा की गुहार लगाई। डीएम ने सुरक्षा मुहैया कराने को एसएसपी को लिखा है।

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के गांव भरकुईया निवासी मुकेश पटेल ने जामा मस्जिद के स्थान पर नीलकंठ महादेव मंदिर होने का दावा करते हुए पिछले साल न्यायालय में याचिका दायर कराई थी। यह मामला तब से अदालत में है। अभी उसमें सुनवाई चल रही है। उन्होंने पिछले साल यह मामला दायर करने के कुछ दिन बाद उन्हें व्हाट्सएप कॉल पर जान से मारने की धमकी मिली थी। उन्हें फेसबुक और व्हाट्सएप पर मैसेज भी लिखकर भेजा गया था कि मामू मैं आ रहा हूं और आकर तुम्हें देखूंगा।

इसके बाद उनके साथ एक सिपाही सुरक्षा में लगा दिया गया था लेकिन यह सिपाही केवल विवादित मामले के मुकदमे की तारीख वाले दिन उनकी सुरक्षा के लिए भेजा जाता है। वह सुबह को उन्हें लेकर अदालत आता है और शाम को उन्हें घर छोड़कर पुलिस लाइन चला जाता है लेकिन सामान्य दिनों में उनके साथ कोई सुरक्षा कर्मी नहीं रहता है। अब उन्हें एक बार फिर से पाकिस्तान से व्हाट्सएप कॉल पर जान से मारने की धमकी मिली है।

मुकेश पटेल ने बताया कि वह बृहस्पतिवार को शहर आए थे। उस दौरान व्हाट्सएप कॉल आई लेकिन भीड़ में होने की वजह से मोबाइल नहीं देख पाए। जब उन्होंने घर जाकर देखा तो वह पाकिस्तान का नंबर था। अब तक उनके पास चार बार कॉल आ चुकी है।

एक बार कॉल रिसीव की तो आरोपी बोला कि मुझे पहचाना मामू, मैं आपके पास आ रहा हूं, उसके बाद तुम्हे देख लूंगा। मुकेश पटेल का कहना है कि उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई जानी चाहिए। अगर सुरक्षा नहीं दी गई तो सीधे पुलिस-प्रशासन इसका जिम्मेदार होगा। डीएम मनोज कुमार ने कहा कि दोपहर के समय मुकेश पटेल कार्यालय आए थे। उन्होंने एक पत्र दिया है। मैंने जांच एवं कार्रवाई के लिए एसएसपी को लिख दिया है। सुरक्षा पुलिस की ओर से ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रामभक्तों पर गोलियां चलाने वालों से योगी ने कहा

अयोध्या में फिर से त्रेतायुग लौट आया है

सीएम योगी ने कन्नौज के भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक के लिए की जनसभा

औरैया, 04 मई (एजेंसियां)।

समाजवादी पार्टी के शासन में अयोध्या में रामभक्तों पर गोलियां चलाई गई थीं पर आज अयोध्या में फिर से त्रेतायुग और रामराज्य वापस आ गया है। नई अयोध्या में 500 वर्षों के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम ने होली खेली। रामनवमी पर उनका सूर्य तिलक हुआ। इसे देख पूरी दुनिया अभिभूत हो गई थी। यह अद्भुत कार्य कभी सपा, बसपा और कांग्रेस के कार्यकाल में नहीं हो सकता था, क्योंकि ये तो प्रभु श्रीराम के वजूद पर ही सवाल खड़ा करते थे। एक समय था जब सपा कहती थी कि अयोध्या में परिंदा भी पर नहीं मार सकता है, लेकिन भाजपा सरकार में देश ही नहीं, दुनिया से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामलला के दर्शन को आ रहे हैं और दिव्य-भव्य अयोध्या देखकर प्रफुल्लित हो रहे हैं।

ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को औरैया के बिधूना में कहीं। उन्होंने यहां कन्नौज लोकसभा क्षेत्र के सांसद व भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक के पक्ष में जनसभा कर वोट की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा यूपीए की सरकार में देश के विभिन्न हिस्सों में आये दिन आतंकवादी घटनाएं होती थीं। यूपीए को समर्थन देने वाली समाजवादी पार्टी आतंकवादियों के मुकदमे वापस ले रही थी। इस पर न्यायालय ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि आज आप इनके मुकदमे वापस लेने की बात कह रहे हैं और कल इन्हे पद्म पुरस्कार से नवाजेंगे। इसके बाद न्यायालय ने समाजवादी पार्टी को रोका था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज देश आतंकवाद मुक्त हो गया है। यह मोदी की गारंटी है। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में जहां एक ओर रामलला विराजमान हो गए हैं, वहीं दूसरी ओर बड़े-बड़े माफिया की राम नाम सत्य की यात्रा निकल रही है। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का पूरा जीवन प्रदेश के विकास और राम जन्मभूमि के लिए समर्पित था। उनके देहांत पर सपा के लोगों ने संवेदना तक नहीं व्यक्त की, जबकि माफिया की मौत पर फातिहा पढ़ने जाते हैं। आपको इनसे सावधान रहने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंडी गठबंधन के मेनिफेस्टो में अल्पसंख्यकों को खाने पीने की पूरी स्वतंत्रता देने की बात कही गयी है। यह जनता को नहीं बता रहे हैं कि ऐसा कौन सा खानपान है जो बहुसंख्यक समाज नापसंद करता है। दरअसल, अल्पसंख्यक समाज को गोमांस पसंद है। हम गो माता की रक्षा के लिए जान भी देंगे। यह किसी की रुचि के अनुसार खान-पान की स्वतंत्रता देंगे और हम उसे स्वीकार कर लेंगे। यह कतई नहीं होगा। प्रदेश में गोकशी की बात तो दूर कोई इसके बारे में भी सोचेगा तो उसके लिए जहन्नुम के द्वार खोल दिये जाएंगे। जनसभा में कन्नौज सांसद व भाजपा उम्मीदवार सुब्रत पाठक, योगी सरकार के मंत्री असीम अरुण, राज्यसभा सांसद गीता शाक्य, विधायक कैलाश राजपूत, अर्चना पांडेय, पूनम शंखवार आदि मौजूद रहीं।

राहुल गांधी के लिए आसान नहीं होगा रायबरेली का मैदान

रायबरेली, 04 मई (एजेंसियां)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी दो लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से भी चुनाव लड़ रहे हैं तो वहीं उन्होंने रायबरेली लोकसभा सीट से भी नामांकन दाखिल कर दिया है। इससे पहले रायबरेली से सोनिया गांधी चुनाव लड़ा करती थीं लेकिन अब वह राज्यसभा सांसद हैं। रायबरेली गांधी परिवार का गढ़ रहा है और यहां से कांग्रेस के किले को भेद पाना किसी के लिए आसान नहीं रहा है।

1999 के लोकसभा चुनाव से ही यहां पर कांग्रेस लगातार जीत रही है। सोनिया गांधी खुद पिछले पांच लोकसभा चुनाव यहां से जीत चुकी है। 2019 के लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी को हार का सामना करना पड़ा था और इसके बाद वह अब रायबरेली से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। रायबरेली कांग्रेस के लिए सेफ सीट मानी जाती है लेकिन पिछले 5 सालों में समीकरण काफी बदल चुके हैं। इस बार राहुल गांधी के लिए रायबरेली की पिच आसान नहीं रहने वाली है।

पिछले तीन लोकसभा चुनाव से रायबरेली से कांग्रेस का वोट प्रतिशत 17 फ़ीसदी तक घट गया है। 2009 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार सोनिया गांधी को यहां पर 72 फीसदी वोट

मिला था और बड़े अंतर से उन्होंने जीत हासिल की थी तो 2014 के मोदी लहर में सोनिया गांधी को 63.80 फ़ीसदी वोट मिले थे।

2019 के लोकसभा चुनाव में सोनिया गांधी चुनाव तो 1,67,000 वोटों के अंतर से जीत गईं लेकिन उनका वोट फीसदी 55.80 फीसदी हो गया। इसमें पिछले लोकसभा चुनाव से करीब 8 फीसदी की गिरावट थी। सोनिया गांधी का वोट प्रतिशत तो गिरता रहा तो वहीं भाजपा का वोट प्रतिशत पिछले तीन चुनाव से लगातार बढ़ता रहा है। 2009 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को रायबरेली की सीट पर 3.82 फीसदी वोट मिले थे तो वहीं 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का वोट प्रतिशत यहां पर 21.05 फीसदी हो गया। वहीं 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह को 38.36 फीसदी वोट मिले थे। भाजपा ने इस बार फिर से दिनेश प्रताप सिंह को ही उम्मीदवार बनाया है।

रायबरेली लोकसभा के अंदर पांच विधानसभा सीट आती हैं। इनमें बछरावां, हरचंदपुर रायबरेली, सरेनी और ऊंचाहार शामिल है। 2022 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को चार सीट तो वहीं भाजपा को एक सीट पर जीत मिली थी। अहम बात यह है कि रायबरेली में 2019 से 2024 के बीच में दो बड़े बदलाव हुए हैं। रायबरेली सदर से विधायक अदिति सिंह अब भाजपा में हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में वह कांग्रेस में थी और उसका फायदा पार्टी को मिला था। तो ही ऊंचाहार से सपा विधायक मनोज पांडे भी पार्टी से बगावत कर चुके हैं।

उन्होंने भाजपा तो नहीं ज्वाइन की है लेकिन राज्यसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष मतदान किया था और वह सपा से नाराज चल रहे हैं। मनोज पांडे भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार भी कर सकते हैं। यह दोनों ही नेता रायबरेली के काफी कद्दावर नेता हैं और अपने दम पर वोटों को आकर्षित कर सकते हैं।

अदिति सिंह 2017 में कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुनी गई थीं। वह 2022 में भाजपा के टिकट पर विधायक चुनी गई। इससे पहले रायबरेली सदर से लगातार पांच बार उनके पिता अखिलेश प्रताप सिंह भी विधायक चुने जा चुके हैं। 2007 के चुनाव में वह निर्दलीय जबकि 2012 के विधानसभा चुनाव में पीस पार्टी के टिकट पर अखिलेश प्रताप सिंह विधायक चुने गए थे। सबसे अहम बात यह है कि अखिलेश प्रताप सिंह का दबदबा इतना था कि उन्हें हमेशा अपने विपक्षी उम्मीदवारों पर बड़ी बढ़त हासिल होती थी। वही स्थिति अदिति सिंह की भी है। ऐसे में अदिति सिंह का भाजपा में शामिल होना, कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका है और इस लोकसभा चुनाव में इसका असर भी दिख सकता है।

मनोज पांडे ऊंचाहार विधानसभा सीट से सपा के टिकट पर तीन बार से लगातार विधायक निर्वाचित हो रहे हैं। राज्यसभा चुनाव में इन्होंने सपा से बगावत कर भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में वोटिंग की। माना जा रहा है कि वह अपने क्षेत्र में भाजपा को समर्थन कर सकते हैं।

ऐसे में मनोज पांडे का भी सपा को झटका देना भाजपा के लिए अच्छा साबित हो सकता है। सपा और कांग्रेस के बीच गठबंधन है। रायबरेली में मनोज पांडे के बगावत से कांग्रेस को मुसीबत हो सकती है। बता दें कि पहले भी रायबरेली और अमेठी से सपा उम्मीदवार नहीं उतरती थी और गांधी परिवार का समर्थन करती थी।

जीसस और पैगंबर पर विवाद नहीं तो राम पर शंका क्यों? जस्टिस कमलेश्वरनाथ

लखनऊ, 04 मई (एजेंसियां)।

जब 2500 वर्ष पूर्व जीसस और 1500 वर्ष पूर्व मोहम्मद के जन्म पर इस देश में विवाद नहीं हुआ तो फिर अपने ही घर में हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम के जन्म को लेके इतनी शंका क्यों उत्पन्न हुई। ये कहना है इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस कमलेश्वर नाथ का। ये बात उन्होंने डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र मेंअपनी पुस्तक यरनिंग फॉर राम मंदिर एंड फुलफिलमेंटके लोकार्पण के मौके पर कही। उन्होंने राम मंदिर के लिए 500 वर्षों के संघर्ष के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि वाल्मीकि रामायण और गोस्वामी तुलसीदास के रामचरित मानस की वैज्ञानिकों द्वारा भी पुष्टि की जा चुकी है। इस मौके पूर्व जस्टिस ने दशकों तक रामजन्म भूमि के लिए चलने वाली वाली जटिल न्यायिक प्रक्रिया, जिसमें गवाहों, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के द्वारा किए गए उत्खनन एवं कोर्ट में पेश होने वाले प्रमाणिक दस्तावेजों एवं जगतगुरु रामभद्राचार्य जी के श्लोक के माध्यम से मौखिक साक्ष्यों जिन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, उसका विधिवत उल्लेख किया।

इस मौके पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने वर्ष 1962 के उस मुकदमे का जिक्र किया, जिसे मुस्लिमों ने राम मंदिर के खिलाफ दाखिल किया था। इसके अलावा उन्होंने ये भी बताया कि राम मंदिर निर्माण के लिए 1983 में चलाया गया आंदोलन विश्व हिंदू परिषद के जिम्मे आता है। चंपतराय बताते हैं कि उस दौरान जब आंदोलन को शुरू किया गया तो इस बात की जरूरत महसूस हुई कि सर्वप्रथम इस विषय पर भारतीय जनमानस को शिक्षित करने की आवश्यकता है तत्पश्चात ही इस आंदोलन को सुदृढ़ बनाया जा सकता है। उन्होंने 1986 का जिक्र किया, जिसमें सर्वप्रथम मंदिर के ताले को खोलने की अनुमति मिली थी।

चंपत राय ने बताया कि उस दौरान राम मंदिर के प्रमुख पक्षकार देवकीनंदन थे,

जिन्होंने समय समय पर दृढ़ता से न्यायालय में अपना पक्ष रखा। देवकीनंदन ने अशोक सिंघल से कमलेश्वरनाथ गुप्ता का परिचय करवाया जिसके बाद कमलेश्वर नाथ जी ने अपना जीवन प्रभु श्रीराम को समर्पित कर न्यायालय में मंदिर निर्माण के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। उन्होंने अनुवाद कार्य में लगी शोधार्थी मनीषा का भी जिक्र किया जिनके द्वारा किए गए अनुवाद और शोध प्रक्रिया में लगे वकीलों के लिए साक्ष्यों और समझ विकसित करने के कार्यों में काम आ रहे थे।

इस मौके पर उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंस्वक संघ के सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने अपने उद्बोधन में विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा भारत और भारतीय संस्कृति पर किए गए हमले का जिक्र किया। साथ ही हिन्दुओं के अंदर के भावों और टूटे हुए मंदिरों के पुनर्निर्माण के सतत प्रक्रिया का भी जिक्र किया। साथ ही कारसेवा में अपना योगदान देने वाले कारसेवकों का उल्लेख भी सरकार्यवाह ने किया। कृष्ण गोपाल का उद्बोधन दार्शनिक पक्षों पर प्रकाश डालने वाला था, जिसमें उन्होंने राम के द्वारा स्थापित आदर्शों का उल्लेख किया, उन्होंने कैकेई, मंथरा, रावण, निषाद राज, भरत, लक्ष्मण आदि के जीवन प्रसंगों से वर्तमान परिदृश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि पश्चिमी दर्शन अधिकार बोध को महत्व देते हैं एवं भारतीय दर्शन कर्तव्य बोध को महत्व देते हैं एवं वर्तमान समय में हम कर्तव्य बोध से अधिकार बोध की तरफ बढ़ रहे हैं जो हमारे समाज के लिए चिंता का विषय है।

वहीं जस्टिस भंवर सिंह, जो राम मंदिर के मामले में स्थापित तीन सदस्यीय बेंच के जजों में से एक हैं, ने बताया सोलहवीं शताब्दी में राम चबूतरे को हिंदुओं को सौंपने की वकालत की परंतु उस दौर के मुसलमान अकबर को काफिर मानने लगे एवं बाद में अकबर ने अपने फैसला वापस ले लिया। उन्होंने उत्खनन को लेकर बोला कि एक पक्ष नहीं चाहता था कि खुदाई हो, क्योंकि उसे डर था अगर खुदाई में कुछ भी प्राप्त हुआ तो उनका दावा कमज़ोर हो सकता है। उन्होंने जी.पी.आर मशीन के इस्तेमाल का भी सुझाव दिया जिसके माध्यम से मैगनेटिक सर्वे किया जा सके एवं छह माह तक इस सर्वे के चलने के पश्चात जो साक्ष्य पाए गए उसमें वहां हिंदू मंदिर के ढ़ांचे होने के स्पष्ट प्रमाण मिले।

उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का भी जिक्र किया जिन्होंने उस समय के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट के.के.नायर को मुख्यमंत्री के माध्यम से वहां से राम लला की मूर्ति हटाने के लिए आदेश दिया परंतु के.के.नायर जी ने शालीनता-पूर्वक नौकरी की परवाह किए बगैर इसे अस्वीकार कर दिया। पुस्तक के लोकार्पण पर बोलते हुए नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन के चेयरमैन न्यायमूर्ति अरुण कुमार मिश्रा अपने वक्तव्य को भारतीय संविधान एवं रामराज्य पर केंद्रित रखा। उन्होंने प्राचीन इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि रामराज्य के समय सभी सुखी थे, कोई दीन-हीन नहीं था, कोई दरिद्र नहीं था, सभी ज्ञान से परिपूर्ण थे, लोग छल-कपट, द्वेष, इर्ष्या से मुक्त थे। हमारे संविधान का मूल उद्देश्य ही हमें रामराज्य की ओर लेकर चलने वाला है। उन्होंने समतामूलक समाज, वसुधैव कुटुंब, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की परिकल्पना पर आधारित समाज का भी जिक्र किया। उन्होंने विनयशीलता, सत्यमेव जयते, अनुच्छेद 21 जैसे विषयों पर भी अपने विचार रखे एवं इनकी तुलनात्मक विश्लेषण रामराज्य से किया। उन्होंने राम, लक्ष्मण एवं महात्मा गांधी के दर्शन पर भी प्रकाश डाला जिसके पालन से समाज में जरूरी नैतिक मूल्यों एवं रामराज्य जैसी व्यवस्थाओं की पुनर्स्थापना की जा सके।

माइनिंग सेक्टर में करियर बना कमा सकते हैं लाखों

खनन भारत के सबसे मुख्य और जीडीपी में मोटे योगदान वाले सेक्टर के तौर पर जाना जाता है। यह 88 खनिजों का उत्पादन करता है जिनमें से 4 ईंधन वाले, 10 धातु वाले, 50 गैर-धातु और 24 छोटे खनिज शामिल हैं। सर्वे करने वाली संस्था मकिंजी कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले समय में भारतीय माइनिंग सेक्टर में 60 लाख नए रोजगार आने की संभावना है। इसके अलावा यह सेक्टर साल 2025 तक देश की जीडीपी में तकरीबन 4700 करोड़ डॉलर का योगदान दे रहा होगा। इसलिए वे युवा जो अभी करियर तय करने की कगार पर हैं। उनके लिए यकीनन यह फील्ड बढ़िया साबित होगी क्योंकि जितने समय वे इस फील्ड का कोर्स करके तैयार होंगे, लगभग उतने ही समय में यह क्षेत्र रोजगार की नई खेप के साथ खड़ा होगा। आइए हम आपको बताते है कि कैसे आप इस फील्ड में करियर बना अच्छी सैलरी पा सकते हैं।

इसलिए मिलेगी नौकरी

भारत छठा सबसे बड़ा लौह अयस्क का उत्पादन करने वाला और पांचवां बॉक्साइट अयस्क उत्पादक देश है। इसके पास 302 बिलियन कोयले का रिजर्व और 3000 से ज्यादा ऑपरेशनल माइंस हैं। इन अयस्कों की मांग दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। अंदाजा लगाया जा रहा है कि अगले पंद्रह वर्षों में अयस्कों की डिमांड बढ़ कर दोगुनी हो जाएगी। जियॉलजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (जीएसआई) के अनुसार, देश में करीब 31.4 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में खनिज उपलब्ध हैं। इनमें से करीब 5.71 लाख वर्ग किलोमीटर की पहचान गैर-ईंधन और गैर-कोयला खनिज उत्पादक क्षेत्र के तौर पर की गई है। वर्तमान में करीब 4550 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को लीज पर माइनिंग के लिए दिया गया है।

माइनिंग की पढ़ाई

माइनिंग की फील्ड को मिनरल फील्ड भी कहते हैं। इसमें उन तकनीक और तरीकों की पढ़ाई होती है जिनसे कई धातुओं के अयस्क खनन के जरिए इकठ्ठा किए जाते हैं। इसमें धातु, नॉन मेटलिक, मार्बल्स, सॉलिड फ्यूल (कोयला आदि), चूना पत्थर (सीमेंट के लिए), ऊर्जा स्रोत और न्यूक्लियर मटीरियल शामिल रहते हैं। अयस्क हासिल करने में कई चरण की प्रक्रिया शामिल रहती है। इसमें उसे ढूंढना, वहां माइनिंग की संभावनाओं को चेक करना, माइनिंग से होने वाले मुनाफे का अंदाजा लगाना, क्षेत्र को मानिंग के लिए डिवेलप करना, माइनिंग करना, अयस्क से धातु का उत्पादन करना और मार्केटिंग करने तक की प्रक्रिया शामिल होती हैं। इसमें माइनिंग वाले बंदे को वैज्ञानिक तकनीकों और टेक्नॉलजी की मदद से ये काम करने होते हैं। किसी भी अन्य सेक्टर्स के मुकाबले माइनिंग में कैंडिडेट का भविष्य ज्यादा उज्जवल है। इसलिए अगर आप 12वीं बाद इंजीनियरिंग करने की सोच रहे हैं तो इस क्षेत्र में करियर बनाना भविष्य के लिए बढ़िया साबित होगा।

अच्छी सैलरी का क्षेत्र

सैलरी के मामले में यह सेक्टर बहुत अच्छा है। वह इसलिए क्योंकि इस क्षेत्र में काम बहुत है और लोग कम। इस क्षेत्र में शुरुआत ही कम से कम 25 हजार रुपये महीने से होती है। दो साल की सर्विस होते-होते सालाना सैलरी 7 लाख रुपये तक बढ़ सकती है। इसमें माइनिंग कंपनी और कैंडिडेट, दोनों की परफॉर्मेंस अहमियत रखती हैं। माइनिंग के कोर सेक्टर में सैलरी पैकेज ज्यादा मिलता है क्योंकि उसमें फील्ड जॉब होती है। कोर सेक्टर में कंपनियां मैनेजमेंट ट्रेनी लेवल पर कैंडिडेट को लेती हैं और एक साल की ट्रेनिंग के बाद उन्हें मैनेजर पद पर प्रमोट कर देती हैं। दूसरा हिस्सा माइनिंग लॉज, सेफ्टी और अन्य जरुरतों का होता है।

कोर्सेज

बीटेक/एमटेक इन माइनिंग इंजिनियरिंग, पीजी डिप्लोमा इन मिनरल इंजिनियरिंग, डिप्लोमा इन माइनिंग ऐंड माइन सर्वेइंग इंजिनियरिंग, पीएचडी इन माइनिंग इंजिनियरिंग/माइनिंग ऐंड मिनरल इंजिनियरिंग, माइन ऐंड क्वैरी इंजिनियरिंग, सिविल इंजिनियरिंग, मिनरल सर्वेइंग और जियॉलजी डिग्री ।

छोटी इलायची के काम हैं बड़े-बड़े जो आप नहीं जानते

इलायची एक ऐसा मसाला है जो किसी भी रसोई में असानी से मिल जाता है। इसका प्रयोग खुशबू और स्वाद के लिए किया जाता है। भारत में चाय का स्वाद बढ़ाने के लिए भी इसका इस्तेमाल होता है लेकिन यह सिर्फ स्वाद बढ़ाने के काम ही नहीं आती बल्कि ये औषधि के रुप में भी काम करती है। इसके और भी कई फायदे है।

1. इसका सेवन करने से दिमाग और आंखें स्वस्थ रहती हैं। 2. इसे खाने से मुंह फ्रेश रहता है। 3. 1 - 2 इलायची चबाने के बाद हल्का गर्म पानी पीने से जुकाम और गले में खराश की समस्या से छुटकारा मिलेगा। 4. हिचकी आने पर इसे मुंह में दबाकर रखें। 5. 1 इलायची रोज खाने से शरीर के विषैले तत्व आसानी से बाहर निकल जाते हैं और पेट साफ रहता है। 6. ब्लड-प्रैशर के मरीज के लिए इलायची बहुत फायदेमंद होती है। यह बी.पी को कंट्रोल रखती है। इसमें पोटेशियम और फाइबर भरपूर मात्रा में होता है। 7. इसे मुंह में रखने से लार अधिक मात्रा में बनती है,जिससे एसिडिटी की समस्या नहीं रहती। 8. नियमित रुप से इसका सेवन करने पर त्वचा की समस्या नहीं रहती।

मुंह में लार न बनने की समस्या है हाइपोसलाइवेशन...

किसी स्वादिष्ट खाद्य को देखकर या उसकी सुगंध से मुंह में आने वाला पानी स्वाद से कहीं आगे की कहानी कहता है। मुंह में बनने वाला यह पानी यानी लार बड़े काम की होती है। यही वजह है कि इसके बनने में आने वाली बाधा समस्याएं खड़ी कर डालती है। लार का कम बनना या लार की मात्रा में कमी होना, हाइपोसलाइवेशन कहलाता है। ऐसा तब होता है जब सलाइवरी ग्लैंड्स पर्याप्त मात्रा में लार का उत्पादन या स्राव नहीं कर पातीं। इसकी वजह से मुंह सूखा हो जाता है तथा चबाने, निगलने, स्वाद लेने, बोलने में तकलीफ होने लगती है। साथ ही दांतों में क्षति के साथ ही मुंह में कई इन्फेक्शन के होने का खतरा बड़ जाता है।

मुंह के सूखे होने को अक्सर लोग प्यास लगने का संकेत समझकर अधिक मात्रा में पानी पी लेते हैं और फलस्वरूप होने वाले फ्रीक्वेंट यूरीनेशन को समस्या समझकर घबरा जाते हैं। लार की कमी से होने वाली समस्याएं साधारण तौर पर ठीक होने वाली और गंभीर दोनों ही तरह की हो सकती हैं।

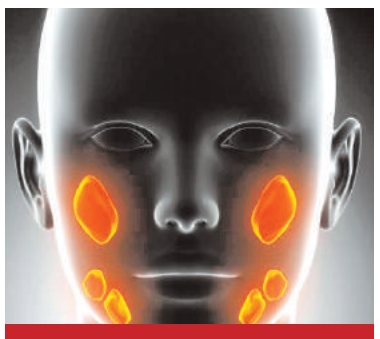

कारण

- डिहाइड्रेशन की वजह से लार बनने में बाधा आती है। यह सबसे आम कारण है। चूंकि इस समय पूरा शरीर ही पानी की कमी से गुजर रहा होता है। अत- इसका असर मुंह पर भी पड़ता है
- सलाइवरी ग्लैंड में होने वाले किसी इन्फेक्शन की वजह से भी लार की मात्रा में कमी हो सकती है। मम्प्स या अन्य बैक्टीरियल कारण भी इसमें शामिल हो सकते हैं
- किसी विशेष ऑटोइम्यून सिंड्रोम की वजह से भी लार बनाने वाली ग्रंथियों पर बुरा असर पड़ सकता है। शोध बताते हैं कि रूमेटॉयड आर्थराइटिस से पीड़ित महिलाएं अक्सर इस तरह के सिंड्रोम से ग्रसित हो सकती हैं
- लार ग्रंथियों में पनपने वाले स्टोन्स के कारण भी कई बार सूजन बढ़ सकती है और लार के निर्माण में दिक्कत आ सकती है
- कुछ विशेष प्रकार की दवाओं का सेवन भी कई बार मुंह के सूखने की स्थिति का निर्माण कर सकता है। वहीं कुछ गंभीर रोग या लार ग्रंथियों में सूजन भी ऐसी समस्या ला सकती है।

औषधियों से इलाज

लार बनने में बाधा या इसकी मात्रा में कमी से शरीर की कार्यप्रणाली पर भी बुरा असर पड़ सकता है। ऐसे में यदि यह समस्या बार-बार या लंबे समय तक परेशान कर रही है तो इलाज लेना जरूरी है। चिकित्सक इस समस्या के संदर्भ में लक्षणों को जांच कर असल कारण का पता लगाते हैं और उसके मुताबिक औषधियां देते हैं। ज्यादातर मामलों में साधारण इलाज से ही आराम पहुंच जाता है लेकिन गंभीर केसेस में लंबे समय तक दवाइयों लेनी पड़ती हैं। इनसे लार की मात्रा बढ़ाने की कोशिश की जाती है।

सामान्य उपाय

ड्राय माउथ की सामान्य समस्या में कुछ आसान प्राकृतिक या सामान्य उपायों को भी अपनाया जा सकता है, जिससे लार बनने में मदद मिल सकती है, जैसे-

- कम शुगर वाला च्विंगम चबाएं
- अधिक से अधिक नाक से सांस लेने की कोशिश करें
- एक ग्लास गुनगुने पानी में एक चम्मच हल्दी पावडर डालकर गारगल करें
- सेलेरी स्टिक चबाएं इससे मुंह में ड्रायनेस की समस्या कम होगी
- तत्काल लार के लिए नींबू काटकर चाटें।

यूं करें बच्चों के बालों की देखभाल

गर्मी की छुट्टियों में बच्चों के बालों की देखभाल करना और भी जरूरी हो जाता है क्योंकि गर्मी में पसीने के कारण कई तरह के इन्फेक्शन्स होने का डर रहता है। ऐसे में बच्चों खासतौर पर लड़कियों के बाल बांधकर रखें।

» बच्चों की उम्र के हिसाब से हेयर प्रॉडक्ट का इस्तेमाल करें। 10 साल तक के बच्चों के हेयर प्रॉडक्ट बहुत माइल्ड होने चाहिए।

» बच्चों के लिए शैंपू का चुनाव करते समय श्रद्ध लेवल भी जांच लें। बच्चों के लिए श्रद्ध लेवल 5 से 6 होना चाहिए। इससे अधिक श्रद्ध लेवल हुआ तो बच्चे के बालों को नुकसान हो सकता है।

» रात में सोते समय लड़कियों के बालों पर कोई क्लिप ना लगाएं बल्कि बालों की अच्छी तरह से चोटी बना दें।

» बच्चों को बहुत तेज धूप में न खेलने दें। जब बच्चे बाहर खेलने जाएं तो उनका सिर ढककर ही उन्हें भेजें।

»शैंपू करते समय बच्चों की आंखों का भी ध्यान रखें कि गलती से भी शैंपू आंखों में न जाए।

» शैंपू हमेशा अच्छे ब्रांड का लें। शैंपू ऑर्गेनिक होगा तो बहुत ही बेहतर है।

» इसके अलावा गीले बालों में कंघी न करें और समय-समय पर बच्चों के बालों में तेल लगाते रहें जिससे उनके बालों को पोषण मिले।

» बालों की केयर के साथ-साथ डायट का भी ख्याल रखें। अच्छी डायट से बालों की सेहत भी अच्छी होगी। अच्छे बालों के लिए बच्चे की डायट में ड्राई फ्रूट्स भी शामिल करें।

मौसम भले बदले लेकिन खानपान पर हो ध्यान

बचपन के दिन मौज-मस्ती और शैतानी वाले होते हैं। इन्हीं दिनों में शरीर का विकास भी होता है, इसलिए बच्चों के खानपान पर समुचित ध्यान देना बहुत जरुरी हो जाता है। मौसम में जब बदलाव हो रहे हों तब इस संदर्भ में अभिभावकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

खासकर बारिश में जब खाद्य पदार्थों से संक्रमण के कारण सबसे ज्यादा समस्याएं पैदा होती हैं। कारण है इस मौसम में चटपटा, तला-भुना फास्ट फूड खाने के लिए बच्चों का ज्यादा मन होना। अक्सर बच्चे स्कूल जाने से पहले नाश्ता नहीं करते और स्कूल जाकर कैंटीन में दावत उड़ाते हैं। यह वैसे भी कोई अच्छी बात नहीं है, ऊपर से बारिश की घिच-पिच ऐसे में तमाम किस्म के इंफेक्शन को सीधा बुलावा देती है।

नाश्ता तो करना ही है

चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ.गुप्ता बताते हैं कि मौसम कोई भी हो, बच्चों को सुबह का नाश्ता करने के लिए अवश्य प्रोत्साहित करें। ज्यादातर बच्चे स्कूल जाने से पहले अच्छी तरह नाश्ता नहीं करते। यह सेहत के लिए बुरी बात है।

बच्चे को दिन में तीन मुख्य आहार और दो से तीन बार स्नैक्स जरूर देने चाहिए। स्नैक्स का सबसे अच्छा विकल्प फल और ड्राई फ्रूट्स हो सकते हैं जबकि इन दिनों माएं बच्चों को खुश करने के लिए जंक फूड और फास्ट फूड देकर जिम्मेदारी पूरी कर लेती हैं।

शिमला मिर्च के फायदे जानकर हैरान रह जाएंगे आप

शिमला मिर्च हरी और पौष्टिक सब्जियों में से एक है। इसमें भरपूर मात्र में पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह लाल और पीले रंग में भी मिलती है,जिसे बैल-पीपर भी कहते हैं। यह सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। विटामिन सी से भरपूर शिमला मिर्च में कैलोरी न के बराबर होती है। इससे बनने वाली हर डिश स्वादिष्ट और लाजबाव होती है। ज्यादातर लोग इसे नूडल्स और गार्निशिंग के लिए इस्तेमाल करते हैं। आइए जानते है शिमला मिर्च के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें डाइट में शामिल करने से कई बीमारियों को दूर रखा जा सकता है।

दर्द से छुटकारा: इसमें कैप्साइसिन तत्व पाया जाता है। इसका नियमित सेवन करने से शरीर में हो रहे किसी भी अंग के दर्द से राहत मिलती है।

कब्ज:शिमला मिर्च में फाइबर होता है जिससे कब्ज की

प्रॉब्लम दूर होती है और पाचन तंत्र बेहतर बनाता है।

चर्बी कम करें: इसमें कैलोरी बहुत कम होती है जो वसा को घटाने में मदद करती है। इसके सेवन से शरीर से टॉक्सिन भी निकलते है और पाचन-प्रक्रिया ठीक रहती है।

डायबिटीज: डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए भी शिमला मिर्च काफी मददगार है। यह ब्लड शुगर को स्तर करती है और डायबिटीज से बचाती है।

गठिया: शिमला मिर्च शरीर में दर्द को घटाने का काम करती है। इसके सेवन से गठिया की समस्या से भी राहत मिलती है। बाजार में मिलने वाले जेल या स्प्रे में भी इसका तत्व पाया जाता है जो दर्द को तुरंत ठीक करता है।

रेसिपी

चारकोल ड्रिंक

सामग्री

10-12 ताजी पुदीने की पत्तियां
1 नींबू (8 भाग में कटे हुए)
1 छोटे चम्मच नींबू का रस
3 छोटे चम्मच चीनी पाऊडर
4-5 बर्फ के टुकड़े
चारकोल

विधि

सबसे पहले जार में पुदीने की पत्तियों डाल कर उसे मसलें। इसके बाद नींबू के टुकड़ों को भी डाल दें। अब इसे दोबारा मसलें। अब जार में नींबू रस डालकर बर्फ के टुकड़े भी साथ में डाल दें। सारी चीजें मिलाने के बाद इसमें चारकोल मिलाएं। अब पूरे मिश्रण को अच्छे से घोल लें। जार में पाइप डाल कर चारकोल ड्रिंक का मजा उठाएं।

म्यूसली

सामग्री

1 कप क्विक कुकिंग रोल्ड ओटस
1 टेबल-स्पून कटा हुआ अखरोट
1 टेबल-स्पून कटा हुआ बादाम
1/4 टी-स्पून वैनिला का ऐसेन्स
3 टेबल-स्पून किशमिश

परोसने के लिए

3 कप ठंडा लो-फैट दूध , 99.7% वसा मुक्त
1 कप कटे हुए सेब (बिना छिले हुए)
1 कप कटे हुए केले
3 टी-स्पून शक्कर

विधि

ओटस, अखरोट और बादाम को मिलाकर एक नॉन-स्टिक पैन में धीमी आंच पर, लगातार हिलाते हुए, 4-5 मिनट के लिए हल्का भून लें। पुरी तरह ठंडा कर, वैनिला का ऐसेन्स और किशमिश डालकर अच्छी तरह मिला लें। हवा बंद डब्बे में रखें। परोसने के लिए, बाउल में म्यूसलि के 1/4 भाग को डालकर, 1/4 कप सेब, 1/4 को केला और 3 टी-स्पून शक्कर डालें। 3/4 कप दूध डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसे दोहराकर 3 और मात्रा बना लें। तुरंत परोसें।

गर्मियों में है फ्रूट प्रिंट का फैशन

ड्रेस कैसी दिख रही है यह इस बात पर निर्भर करता है कि उस ड्रेस की प्रिंट कैसी है। स्क्रीन प्रिंट, डिस्चार्ड प्रिंट, ब्लॉक प्रिंट के बाद अब ट्रेंड फ्रूट प्रिंट का है। इस लेटेस्ट वैराइटी को आप अपनी वॉरड्रोब में शामिल कर खुद को हर फंक्शन में कूल टच दे सकती हैं। इसमें आप वेस्टर्न से लेकर ट्रेडिशनल तक जो भी ड्रेस पहनें स्टाइलिश नजर आएंगी।

फ्रूट प्रिंट न सिर्फ आपको कूल लुक देंगे, बल्कि कंफर्टेबल भी होंगे। इस सीजन में हेवी वर्क वाली ड्रेसेस या बहुत डार्क कलर अच्छे नहीं लगते, ऐसे में ये ड्रेसेज आपको डिफरेंट लुक देगी। अगर आप भी फ्रूट प्रिंट वाली ड्रेसेज खरीदने की प्लैनिंग कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें-

» फ्रूट प्रिंट ले रही हैं तो फैब्रिक, कलर और एम्ब्रॉयडरी के सलेक्शन पर खास ध्यान दें।

» समय समर सीजन का है, तो हेवी की जगह लाइट फैब्रिक ही प्रेफर करें।

» तीन-चार ब्राइट कलर्स का एक ड्रेस में कॉम्बिनेशन भी काफी पसंद किया जाता है। इस टेक्नीक को कलर ब्लॉकिंग कहते हैं।

» फ्रिल्स, रफल्स का यूज भी ड्रेसेज में किया जा रहा है।

» वेस्टर्न कलेक्शन में गाउन, वन पीस, फ्लोइंग ड्रेसेस, पोलका डॉट्स, पेस्टल कलर्स ट्रेंड में हैं।

» फ्रूट प्रिंट में लेस ड्रेसेस में कई तरह के लेटेस्ट डिजाइन हैं। डेनिम या स्कर्ट के साथ पहने जाने वाले टॉप्स में डिफरेंट कट्स दिए जा रहे हैं।

पेट के बल सोने से हो सकती है ये परेशानियां

स्वास्थ्य रहने के लिए भरपूर नींद लेना बहुत जरूरी हैं। अगर नींद पूरी न हो तो सारा दिन थकावट और सुस्ती महसूस होती है। इसके अलावा अच्छी नींद के साथ सही स्थिति में सोना भी बहुत जरूरी है। गलत पोश्चर में 7-8 घंटे सोने से सेहत पर भी असर पड़ता है। इसलिए सही पोश्चर में सोना बहुत जरूरी है। अधिकतर लोग पेट के बल सोते हैं। जिससे रीढ़ की हड्डी की और कमर को नुकसान होता है।

1. कमरदर्द : पेट के बल सोने से लोगों को कमरदर्द की शिकायत होती है। अगर किसी को कमर के निचले हिस्से में और पेट में लगातार दर्द रहता है तो उनको पेट के बल कभी नहीं सोना चाहिए।

2. रीढ़ की हड्डी : पेट के बल सोने से रीढ़ की हड्डी का आकार बदलने लगता है। जो सामान्य से थोड़ा बढ़ जाता है। इसके कारण कमर के आसपास के लिगामेंट्स पर भी खिंचाव होता है।

ऐसे में क्या करें

1. अगर आपको केवल पेट के बल ही नींद आती है तो सोते समय अपने पेट के नीचे एक पतली तकिया रखें। इससे पेट में खिंचाव होगा और दर्द की समस्या नहीं होगी।

2. कमरदर्द से बचने के लिए अपने घुटने के नीचे तौलिये को मोड़कर रखें। इससे पैर के साथ कमर की मांसपेशियों में भी खिंचाव होगा।

3. सोते समय पोश्चर बदलकर सोएं।

4. इसके अलावा अपने पैर और सीने के बीच में एक तकिये को रखकर सोएं। इससे दर्द नहीं होगा।

जिज्ञासा

नींद में हम सपने देखते हैं, कैसे?

सपनों की एक खूबसूरत दुनिया होती है। कुछ सपने हम जागते हुए खुली आंखों से देखते हैं, तो कुछ सपने हम नींद में देखते हैं। सपने किसी फिल्म की तरह बिलकुल वास्तविक लगते हैं। नींद खुलने के बाद हम अक्सर सपने को भूल जाते हैं, लेकिन जब हमें सपना याद रहता है, तो यह आमतौर पर बहुत अजीब-सा महसूस होता है।

अधिकतर सपने अच्छे व सुखद होते हैं, हालांकि कई बार वे इतने डरावने होते हैं कि हमारी नींद उड़ जाती है और हम डर जाते हैं। ये अक्सर हमारा डर और भावनाएं ही होती हैं, जो तस्वीर की शक्ल ले लेती हैं।

सोते समय भी हमारा सबकान्शियस माइंड काम कर रहा होता है। नींद की चार अवस्थाएं होती हैं। सबसे गहरी नींद की स्टेज को रैपिड आई मूवमेंट (आरईएम) कहते हैं। इसी अवस्था के दौरान हम सपने देखते हैं। ज्यादातर सपने 5 से 20 मिनट के और ब्लैक एंड व्हाइट होते हैं।

सपनों के बारे फ्रेयोडियन थ्योरी बताती है कि सामान्यत: दिनभर की घटनाओं से संबंधित सपने आते हैं। जो इच्छाएं या जरूरतें हम अपनी वास्तविक जिंदगी में पूरी नहीं कर पाते हैं, अक्सर हम उनके बारे में ही सपने देखते हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि हमारा दिमाग इस तरह काम करता है कि जो भी हमारी इच्छा होती है, यह उसे पूरा करने की कोशिश करता है।

कुछ महान् वैज्ञानिकों को उनकी महत्वपूर्ण खोजें करने में भी कई बार सपनों ने मदद की है। कुछ लोग सपनों में अपने साथ भविष्य में होने वाली घटनाओं को भी देख लेते हैं। हालांकि इसके वैज्ञानिक कारणों के बारे में कोई नहीं जानता।

रात को भरते हैं उड़ान

फ्लेमिंगो ट्रॉपिकल और सबट्रॉपिकल इलाकों में पाए जाते हैं। अक्सर आपने इन्हें एक ही पैर पर खड़ा देखा होगा। इसके पीछे क्या कारण है, इसका वैज्ञानिक पता नहीं लगा पाए हैं। फ्लेमिंगो आमतौर पर माइग्रेट नहीं करते, हालांकि वातावरण और पानी के स्तर में बदलाव आने के कारण इनकी क्लोनियां हमेशा स्थायी नहीं होतीं। जो झीलें सर्दियों में जम जाती हैं, वहां रहने वाले फ्लेमिंगो गर्म स्थानों की ओर माइग्रेट कर जाते हैं। अपने प्रवास के दौरान ये ज्यादातर रात को ही उड़ान भरते है। ये एक रात में लगभग 600 किमी. तक उड़ लेते हैं और इनके उड़ने की गति 50 से 60 किमी. प्रति घंटा होती है। दिन में उड़ान भरते वक्त ये बहुत ऊंचाई तक उड़ते हैं, ताकि बाज इनको अपना निशाना न बना सके। फ्लेमिंगो सिर्फ ब्रीडिंग के लिए ही एक स्थान से दूसरे उपयुक्त स्थान पर जाते है। जन्म के समय इनका रंग ग्रे होता है, जबकि व्यस्क होने पर इनका रंग लाइट पिंक से ब्राइट रैड हो जाता है। ऐसा उनके भोजन में बीटीकैरोटीन की मात्रा ज्यादा होने के कारण होता है।

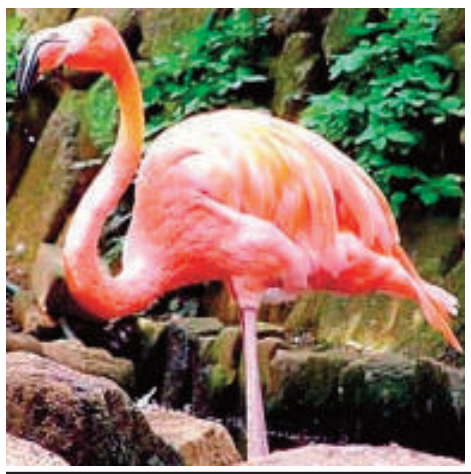

कुदरत के अजूबे

कुदरत ने धरती पर अपनी खूबसूरती की छटा कई रंगों में बिखेरी है। कहीं पहाड़ हैं तो कहीं झरने, कहीं रेत है तो कहीं हरियाली। इंसानी दिमाग ने चाहे कई सुंदर स्थलों का निर्माण किया है, पर कुदरत के बनाए अजूबों का कहीं कोई मुकाबला नहीं है...

नरक का दरवाजा

दरवाजा के आसपास के कस्बों के स्थानीय लोग इसे 'नरक का दरवाजा' कहते हैं। तुर्कमेनिस्तान में यह एक 70 मीटर चौड़ा क्रेटर है, जो गत 40 सालों से लगातार जल रहा है। 1971 में गैस की खोज करने के लिए भू वैज्ञानिकों ने खुदाई के दौरान एक विशाल भूमिगत गुफा की खोज की। इसके कारण इसके ऊपर की जमीन ढह गई और इसके साथ ही उनके सारे उपकरण और कैंप भी इसकी भेंट चढ़ गया। चूंकि गुफा में ज़हरीली गैसें भरी हुई थीं, वैज्ञानिकों ने नीचे जाकर अपने उपकरण लेने की हिम्मत नहीं की। उनका अनुमान था कि कुछ दिनों में ये गैसें जल जाएंगी, लेकिन दुर्भाग्यवश उनका अनुमान गलत निकला और यह क्रेटर आज भी आग उगल रहा है।

माउंट रौरैमा

माउंट रौरैमा एक खूबसूरत स्थल है। यह 400 मीटर ऊंचा पहाड़ है, जिसकी चोटी समतल है पर इसके सभी ओर ऊंची सीधी खड़ी चट्टानें हैं। सिर्फ वेनेजुएला की ओर से ही इस पर चढ़ने के लिए कुदरती सीढ़ियों जैसा रैम्प है। अन्य किसी भी ओर से केवल वही व्यक्ति इस पर चढ़ाई कर सकते हैं, जिन्हें चट्टानों पर चढ़ने का अनुभव प्राप्त हो। इस पहाड़ की चोटी पर आमतौर पर रोजाना बारिश होती है, जो पौधों के लिए जरूरी अधिकतर खनिजों को बहा देती है। इससे इस सैंडस्टोन सतह पर एक अद्भुत लैंडस्केप बन जाता है। यहां दुनिया के कुछ सबसे ऊंचे वाटर फॉल्स भी हैं। पहाड़ के केवल कुछ ही हिस्से पर खेती की जा सकती है। यहां कार्निवर्स पिचर प्लांट समेत कई पौधों की प्रजातियां पाई जाती हैं।

द ग्रेट ड्यून ऑफ पायला

चूंकि यूरोप में कोई रेगिस्तान नहीं है, इसलिए आप सोच रहे होंगे कि यूरोप का सबसे बड़ा सैंड ड्यून बहुत इम्प्रैसिव नहीं होगा, पर ऐसा नहीं है। द ग्रेड ड्यून ऑफ पायला तीन किलोमीटर लंबा, 500 मीटर चौड़ा और 100 मीटर ऊंचा है। हैरानी की एक बात यह भी है कि यह एक जंगल में है। इसका जो हिस्सा जंगल की ओर है वो बेहद स्टीप है और पैराग्लाइडिंग साइट के तौर पर बहुत प्रसिद्ध है। जब आप इसके शिखर पर पहुंच जाते हैं तो आपको समुद्र और जंगल का खूबसूरत नजारा देखने को मिलता है। यह ड्यून इसके इर्दगिर्द के किसी भी पेड़ के मुकाबले काफी ऊंचा है।

सोकोट्रा आईलैंड

सोकोट्रा को पृथ्वी का एक ऐसा स्थान माना जाता है, जो देखने में इसका हिस्सा नहीं लगता, यानी दूसरे ग्रह का भाग लगता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह हिस्सा बहुत ही अलग- थलग है और यहां पर्यावरण बहुत शुष्क और कठोर है। यही कारण है कि यहां जो पौधे पाए जाते हैं उनमें से एक-तिहाई पृत्वी के किसी दूसरे हिस्से में नहीं उगते। यहां 'ड्रैगंस ब्लड' ट्री काफी प्रसिद्ध है। यह छाते के आकार का पेड़ है, जो लाल रंग का रस पैदा करता है। यहां कई तरह के पक्षी, मकड़ियां और दूसरे जानवर पाए जाते हैं। यहां कोरल रीफ पर कुछ ऐसी प्रजातियां पाई जाती हैं, जो दुनिया के किसी अन्य हिस्से में नहीं होतीं। सोकोट्रा को अरब महासागर में सबसे ज़्यादा जैविकवैविध्य वाला स्थान माना जाता है। यह वर्ल्ड हैरिटेज साइट भी है।

डॉन जुआन पोंड

40 फीसदी से ज्यादा खारेपन के साथ डॉन जुआन पोंड दुनिया का सबसे अधिक खारे पानी वाला तालाब है। इसका नाम उन दो पायलटों लेफ्टिनेंट डॉन रॉ और लेफ्टिनेंट जॉन हिक्की के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 1961 में सबसे पहली बार इसकी खोज की थी। यह एक छोटी-सी झील है, जो सिर्फ 100 मीटर लंबी, 300 मीटर चौड़ी और औसतन 0.1 मीटर गहरी है। यह पानी इतना ज्यादा खारा है कि अंटार्कटिक जहां तालाब का तापमान माइनस 30 डिग्री सैल्सियस के आसपास रहता है, यह कभी जमता नहीं है। यह पानी समुद्र के पानी से 18 गुणा और डैड सी के मुकाबले 8 गुना अधिक खारा है।

इग्वाजु फॉल्स

इग्वाजु फॉल्स अपने आप में प्रकृति का एक चमत्कार-सा है। यह झरना इग्वाजु नदी के माध्यम से ऊपरी और निचले इग्वाजु को अलग करता है। नदी ज्यादातर ब्राजील में बहती है और अंत में अर्जेंटीना और ब्राजील की सीमा पर खत्म हो जाती है। इग्वाजु की तुलना अकसर दक्षिण अफ्रीका के विक्टोरिया फॉल्स से की जाती है, जो जाम्बिया और जिम्बाबवे को अलग करता है। टुकड़ों में गिरते इस झरने में 2.7 किमी. तक छोटे-मोटे करीब 275 झरने हैं। इनमें से अधिकतर 60 से 82 मीटर की ऊंचाई से गिरते हैं। नदी का करीब आधा फ्लो लंबे व संकरीले चश्मा में गिरता है, जिसे 'डेविल्स थ्रोट' कहते हैं। यह यू आकार का चश्मा 82 मीटर ऊंचा, 150 मीटर चौड़ा और 700 मीटर लंबा है। ब्राजील और अर्जेंटीना की सीमा 'डेविल्स थ्रोट' में से ही गुजरती है।

ऊलूरू

ऊलूरू ऑस्ट्रेलिया की एक वर्ल्ड हैरिटेज साइट है, जो अपनी विशाल सैंडस्टोन चट्टानों के लिए प्रसिद्ध है। ऊलुरू को 'आयेर्स रॉक' भी कहते हैं। यह चट्टान दिन के विभिन्न समयों में रंग बदलने के लिए प्रसिद्ध है। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय इसका रंग चटख लाल हो जाता है। वर्षा के दिनों में इस चट्टान का रंग सिल्वर ग्रे हो जाता है जिस पर एल्गी की काली धारियां दिखाई देती हैं, हालांकि यहां बारिश बहुत कम होती है। यहां गर्मियों में अधिकतम तापमान 37.8 डिग्री सैल्सियस और सर्दियों में न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री सैल्सियस रहता है। यहां दुनिया का सबसे बड़ा पत्थर का खंभा है, जो सैलानियों को हैरत में डाल देता है। अनेक सैलानी यहां के आदिवासियों की जादुई बोली और आध्यात्मिक माहौल के कारण आते हैं।

क्या आप जानते हैं

- रैडवुड के पेड़ औसतन 110 मीटर तक ऊंचे होते हैं। दुनिया का सबसे ऊंचा ज्ञात रैडवुड पेड़ 379.1 फीट ऊंचा है, यानी यह लंदन के बिग बेन टावर से भी ज्यादा ऊंचा है। इसका घेरा 13.38 मीटर है।
- रैडवुड ट्री के बीज इतने ज्यादा छोटे होते हैं कि एक किलोग्राम में 246,000 तक बीज होते हैं, जबकि इनसे सबसे ऊंचे पेड़ों का उत्पादन होता है।
- 1850 में कैलिफोर्निया में 20 लाख एकड़ जमीन पर रैडवुड जंगल था। आज इसका सिर्फ पांच फीसदी भाग ही सुरक्षित है।
- जैसे-जैसे रैडवुड पेड़ की उम्र बढ़ती जाती है, यह ज्यादा और बढ़िया लकड़ी का उत्पादन करता है। कुछ रैडवुड्स 2000 साल से भी अधिक पुराने हैं।
- रैडवुड्स पानी की 30 फीसदी से ज्यादा जरूरत को धुंध से सीधा ही पूरा कर लेते हैं। इनके पत्ते धुंध में से ही पानी को ऑब्सर्ब कर लेते हैं।
- रैडवुड जंगल वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड खींचने के मामले में सबसे बढ़िया माने जाते हैं।
- रैडवुड्स पॉलीफिनॉल्स से भरपूर होते हैं, इसलिए बग्स और फंगस इन्हें पसंद नहीं करते। ये पेड़ न तो कभी सड़ते हैं और न ही इनकी लकड़ी खराब होती है।
- चूंकि रैडवुड्स की छाल मोटी होती है, इसलिए आग भी इन्हें आसानी से नुकसान नहीं पहुंचा पाती है। यही कारण है कि कुछ पेड़ों को कई बार आग लगी, लेकिन वे आज भी जिंदा हैं और विकसित हो रहे हैं।
- हालांकि कई विशाल रैडवुड पेड़ काट दिए गए हैं, लेकिन अभी भी कई पेड़ नैशनल पार्क में संरक्षित हैं, जो उत्तरी कैलिफोर्निया में करीब 80 किमी. इलाके में फैला हुआ है।

रंग भरो

हिरण का बच्चा अपनी मां के साथ जंगल मे चहलकदमी कर रहा है। इस खूबसूरत लम्हें को आप रंग भरकर और बेहतरीन बना सकते हैं।

बहुरुपिया गधा

गधे के अच्छे भले दिन फिर गए थे, लेकिन उसकी ढेंचू करने की आदत ने मुसीबत में डाल दिया...

एक नगर में धोबी रहता था। उसके पास एक गधा था, जिस पर वह कपड़े लादकर नदी तट पर ले जाता और धुले कपड़े लादकर लौटता। धोबी का परिवार बड़ा था। सारी कमाई आटे-दाल व चावल में खप जाती। गधे के लिए चारा खरीदने के लिए कुछ न बचता। गांव के चरागाह में गाय-भैंसे चरती। अगर गधा उधर जाता तो चरवाहे डंडों से पीटकर उसे भगा देते। ठीक से चारा न मिलने के कारण गधा बहुत दुबला होने लगा। धोबी को भी चिन्ता होने लगी, क्योंकि उसकी चाल इतनी धीमी हो गई थी कि नदी तक पहुंचने में पहले से दोगुना समय लगने लगा।

एक दिन नदी किनारे जब धोबी ने कपड़े सूखने के लिए बिछा रखे थे, तो आंधी आ गई। कपड़े इधर-उधर हवा में उड़ गए। आंधी थमने पर उसे दूर-दूर तक जाकर कपड़े उठाकर लाने पड़े। अपने कपड़े ढूंढता हुआ वह सरकंडो के बीच घुसा। सरकंडो के बीच उसे एक मरा बाघ नजर आया।

धोबी कपड़े लेकर लौटा और गट्ठर गधे पर लादने लगा तो गधा लड़खड़ा गया। गधा इतना कमजोर हो गया था कि एक दो दिन बाद बिल्कुल ही बैठ जाएगा। तभी धोबी को एक उपाय सूझा। वह सोचने लगा- 'अगर मैं उस बाघ की खाल उतारकर ले आऊं और रात को इस गधे को वह खाल ओढ़ाकर खेतों की ओर भेजूं, तो लोग इसे बाघ समझकर डर जाएंगे। गधा खेत चर लिया करेगा।'

अगले दिन धोबी बाघ की खाल उतारकर घर ले आया और रात को जब सब सो गए तो उसने बाघ की खाल गधे को ओढ़ाई। गधा दूर से देखने पर बाघ जैसा ही नजर आने लगा। गधे ने एक खेत में जाकर फसल खाना शुरू किया। रात को खेतों की रखवाली करने वालों ने खेत में बाघ देखा, तो वे डरकर भाग खड़े हुए। इस तरह अब गधे के मजे हो गए।

हर रात धोबी उसे खाल ओढ़ाकर छोड़ देता। गधा सीधे खेतों में पहुंच जाता और मनपसन्द फसल खाने लगता। गधे को बाघ समझकर सब अपने घरों में दुबककर बैठे रहते। फसलें खा-खाकर गधा मोटा होने लगा। धोबी भी खुश हो गया।

आसानी से फसल खाने को मिलने से गधे का जन्मजात स्वभाव जोर मारने लगा। एक दिन भरपेट खाने के बाद गधे की तबीयत मस्त होने लगी। वह खूब लोटा। बाघ की खाल एक ओर गिर गई। वह अब अपने वास्तविक रूप (गधा) में आ गया था। गधा मजे में डोलता हुआ खेत से बाहर निकला और रेंकने लगा। गधे के रेंकने की आवाज हुई तो एक रखवाला चुपचाप बाहर निकला। खेत में झांका तो उसे एक ओर पड़ी बाघ की खाल नजर आई और खेत से बाहर आता गधा दिखाई दिया। वह चिल्लाया- 'अरे, यह तो गधा है।'

उसकी आवाज औरों ने भी सुनी। सब डंडे लेकर गधे की तरफ दौड़े। उसकी सारी पोल खुल चुकी थी। उस पर जोर-जोर से डंडे बरसने लगे।

अंतर बताओ.

यहां दिए गए दोनों चित्र देखने में तो एक समान लगते हैं, परंतु इनमें कुछ अंतर हैं। क्या आप उनका पता लगा सकते हैं?

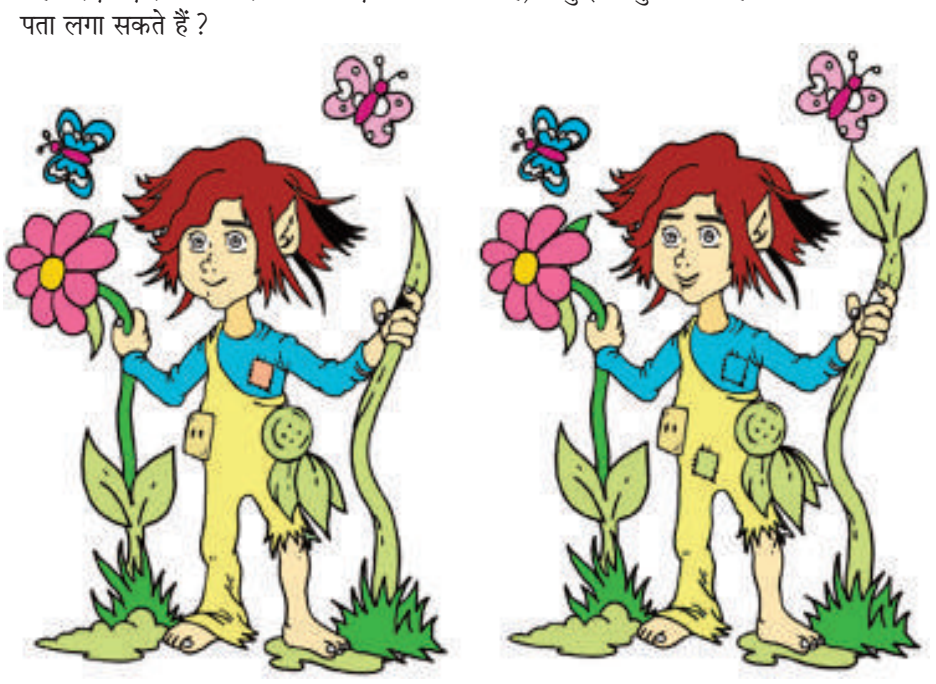

उत्तर: लड़के की पैंट का डिजाइन, कमीज का पैच, होंठ, आइब्रो, ठुड्डी।

कविता

जंगल में जब रेल चली,
मच गई सब में खलबली।
शेर-शेरनी संग में आए,
बैठ रेल में वे इतराए।
आए तोता, बंदर, भालू,
संग थी मिस चीता झगड़ालू।
सुअर, बिल्ली, मैना आए,
बैठ रेल में गाना गाए।
घूम के मेंढक बेचे मूली,
बोझा ढो रहा गधा कूली।
गार्ड उल्लू ने झंडी लहराई,
ड्राइवर चींटी ने रेल चलाई।
छूटा हाथी, बोला रुक-रुक,
रेल चल दी लेकिन छुक-छुक।

गूगल प्रतिस्पर्धा रोकने को हर साल खर्च कर रहा 20 अरब डॉलर, अमेरिकी न्याय विभाग के वकीलों का दावा

वॉशिंगटन, 04 मई (एजेंसियां) ।

दिग्गज सर्च इंजन गूगल से जुड़े उच्च स्तरीय अविश्वास मुकदमे में अमेरिकी न्याय विभाग के वकीलों ने अपनी समापन दलील में दावा किया कि गूगल मोनोपोली (एकाधिकार) के लिए हर साल 20 अरब डॉलर से अधिक खर्च करता है। दूसरी ओर गूगल ने जोर देकर कहा कि वह अपने उपभोक्ताओं की खोजी गई जानकारी का तुरंत और बेहतर परिणाम उपलब्ध कराता है। यही उसकी सर्वव्यापकता और उत्कृष्टता का कारण है। उच्च स्तरीय अविश्वास मुकदमे में दोनों पक्षों की दलीलें पूरी हो गई। अब अमेरिकी जिला जज अमित मेहता अगली सुनवाई में अपना फैसला सुनाएंगे। भारतवंशी जज यह तय करेंगे कि क्या गूगल ने सर्च इंजन एकाधिकार को हासिल करने के लिए नियमों का पालन किया है या नहीं। यह बीते दो दशकों का सबसे बड़ा अविश्वास मुकदमा है। यह मुकदमा इस बात के इर्द-गिर्द घूमता है कि एपल जैसी कंपनियों के साथ सेलफोन और कंप्यूटर पर प्रीलोडेड डिफॉल्ट सर्च इंजन बनने के करार से गूगल को कितना फायदा होता है।

10 हफ्ते से अधिक चली सुनवाई के दौरान जहां इस बात के सबूत मिले कि गूगल ऐसे करारों पर सालाना 20 अरब डॉलर से अधिक खर्च करता है। वहीं अमेरिकी न्याय विभाग ने दावा किया कि इतनी बड़ी रकम यह दर्शाती है कि गूगल के लिए डिफॉल्ट सर्च इंजन बनना कितना जरूरी है। उसकी यह महत्वाकांक्षा बाजार में एकाधिकार हासिल करने का पैंतरा है। उपभोक्ताओं को हमसे बेहतर सेवा मिले तभी तो वे दूसरे सर्च इंजन पर जाएंगे गूगल के वकील जॉन श्मिटलीन ने दावा किया कि उसकी सेवा सबसे बेहतर है। किसी भी सर्च पर वह सबसे बेहतर और सटीक जानकारी उपलब्ध कराता है। यही कारण है कि उपभोक्ता उसे चुनते हैं। गूगल ने कहा कि अगर उन्हें किसी अन्य सर्च इंजन पर हमसे बेहतर सेवा मिलेगी तो वह निश्चित ही उसे चुनेंगे, लेकिन ऐसा होता नहीं है। यही गूगल की उत्कृष्टता है और प्रतिद्वंदियों से वह आगे है।

न्यूज ब्रीफ

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.412 बिलियन डॉलर की गिरावट, 19 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 640.334 अरब डॉलर था

नई दिल्ली । बीते 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.412 बिलियन डॉलर की तेज गिरावट हुई है। अब अपना भंडार 637.922 बिलियन डॉलर का ही रह गया है। यह लगातार तीसरा सप्ताह है, जबकि भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट ही हो रही है। इससे पहले लगातार सात सप्ताह तक भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी ही हो रही थी। हालांकि, इसी समय अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान में ऐसी स्थिति नहीं है। बीते 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान वहां के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक 26 अप्रैल 2024 को समाप्त सप्ताह के दौरान अपने विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट हुई। इस दौरान अपना भंडार 2.412 बिलियन घटकर 637.922 बिलयन रह गया था। इससे पहले 19 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में अपना भंडार 640.334 अरब डॉलर था। इससे पहले पांच अप्रैल 2024 को समाप्त सप्ताह में अपना भंडार 648.562 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। यह सर्वकालिक उच्च स्तर है। आलोच्य सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियां में भी कमी हुई है। बीते 26 अप्रैल को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा आस्तियां में 1.159 बिलियन की कमी हुई है। अब अपना फॉरेन करेंसी असेट भंडार घट कर 559.701 बिलयन का रह गया है। वहीं अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान में इस समय विदेशी मुद्रा की जबरदस्त किल्लत चल रही है।

चुनाव के बाद टेलीकॉम कंपनियां महंगे करेंगी टैरिफ

नई दिल्ली । एक रिपोर्ट के अनुसार इस साल लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भारतीय टेलीकॉम सेक्टर में टैरिफ में 20-25 फीसदी बढ़ सकता है। पहले अनुमानों में केवल 10-15 फीसदी बढ़ने की उम्मीद थी। टेलीकॉम कंपनियां अभी भारतीय बाजार में कोई खास हलचल नहीं मचा रही हैं। पिछले एक साल में शेयर बाजार में टेलीकॉम कंपनियों के शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। आंकड़ों के अनुसार बीएसई पर वोडाफोन आइडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल देखी गई, जो 92 फीसदी है। वहीं सुनील भारती मित्तल की भारती एयरटेल के शेयरों में 65 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। टेलीकॉम क्षेत्र की दूसरी कंपनियां भी पीछे नहीं रहीं। इंडस टावर्स के शेयरों में 125 फीसदी की तेजी आई, तो एमटीएनएल के शेयरों में 93 फीसदी का उछाल देखा गया। टाटा कम्युनिकेशंस के शेयरों में 38 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) के शेयरों में 32 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। बोफा सिक्योरिटीज का मानना है कि प्योर टेलीकॉम कंपनी के रूप में, वोडाफोन आइडिया टैरिफ बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा फायदा उठा सकता है। उनकी रिपोर्ट के अनुसार, अगर प्रति यूजर औसत राजस्व में 5 फीसदी की बढ़ोतरी होती है, तो कंपनी की प्रति शेयर आय में 12 फीसदी तक का इजाफा हो सकता है।

सिंगापुर और हांग कांग भेजे जाने वाले मसालों की ईटीओ जांच अनिवार्य

नई दिल्ली । सिंगापुर और हांग कांग में एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों पर सवाल उठने के बाद भारत के

स्पाइसेज बोर्ड ने दोनों देशों को निर्यात किए जाने वाले मसालों में एथिलीन ऑक्साइड (ईटीओ) की जांच अनिवार्य कर दी गई है। 6 मई से ऐसी जांच अवश्य करनी होगी और स्पाइसेज बोर्ड से इस बारे में सर्टिफिकेट मिलने पर ही इन दोनों देशों को मसाले भेजे जाएंगे। बोर्ड के मुताबिक सिंगापुर फूड एजेंसी के मुताबिक, मसालों में ईटीओ की मैक्सिमम रेजिड्यू लिमिट 50पीपीएम होनी चाहिए। हांग कांग में ईटीओ प्रतिबंधित है। लिहाजा रेडी टु ईट प्रोडक्ट्स सहित सिंगापुर और हांग कांग भेजे जाने वाले सभी स्पाइस कंसाइनमेंट्स के साथ स्पाइसेज बोर्ड की ओर से जारी एनालिटिकल रिपोर्ट होनी चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े मसाला निर्यातक भारत के लिए यह मामला काफी संवेदनशील है।

भारत और चीन ने बढ़ाई सोने की खरीद, क्या किसी बड़े आर्थिक संकट से निपटने की हो रही तैयारी

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां) ।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने मार्च में 5 टन गोल्ड खरीदा है। इस दौरान दुनिया भर के अन्य केंद्रीय बैंकों ने भी अपना गोल्ड रिजर्व बढ़ाया है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के डेटा के मुताबिक, मार्च में सोने की शुद्ध खरीदारी 16 टन रही। सोने की भारी डिमांड के चलते कुल खरीद 40 टन से अधिक रही। हालांकि, इस दौरान करीब 25 टन सोना बेचा भी गया।

उच्चतम स्तर पर गोल्ड रिजर्व

भारत की बात करें, तो रिजर्व बैंक का गोल्ड भंडार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। अप्रैल की शुरुआत में आरबीआई के पास 822.1 टन गोल्ड था। इसका मतलब कि इस केंद्रीय बैंक ने 18.5 टन सोने की शुद्ध खरीद की है। आरबीआई ने पिछले साल सिर्फ 16.2 टन सोना खरीदा था। वहीं, इस साल की पहली छमाही खत्म होने से पहले ही वह इससे ज्यादा गोल्ड खरीद चुका है।

भारत और चीन ने बढ़ाई सोने की खरीद, क्या किसी बड़े आर्थिक संकट से निपटने की हो रही तैयारी

मार्च में दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने सोने की खरीद बढ़ाई है। आरबीआई ने 5 टन गोल्ड खरीदा और उसका गोल्ड भंडार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। आरबीआई ने पिछले साल सिर्फ 16.2 टन सोना खरीदा था। वहीं इस साल वह अब तक वह 18.5 टन गोल्ड खरीद चुका है। चीन के केंद्रीय बैंक ने भी सोने की खरीद बढ़ाई है।

भारत और चीन ने बढ़ाई सोने की खरीद, क्या किसी बड़े आर्थिक संकट से निपटने की हो रही तैयारी

आरबीआई ने पिछले साल सिर्फ 16.2 टन सोना खरीदा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने मार्च में 5 टन गोल्ड खरीदा है। इस दौरान दुनिया भर के अन्य केंद्रीय बैंकों ने भी अपना गोल्ड रिजर्व बढ़ाया है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के डेटा के मुताबिक, मार्च में सोने की शुद्ध खरीदारी 16 टन रही। सोने की भारी डिमांड के चलते कुल खरीद 40 टन से अधिक रही। हालांकि, इस दौरान करीब 25 टन सोना बेचा भी गया।

उच्चतम स्तर पर गोल्ड रिजर्व

भारत की बात करें, तो रिजर्व बैंक का गोल्ड भंडार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। अप्रैल की शुरुआत में आरबीआई के पास 822.1 टन गोल्ड था। इसका मतलब कि इस केंद्रीय बैंक ने 18.5 टन सोने की शुद्ध खरीद की है। आरबीआई ने पिछले साल सिर्फ 16.2 टन सोना खरीदा था। वहीं, इस साल की पहली छमाही खत्म होने से पहले ही वह इससे ज्यादा गोल्ड खरीद चुका है।

दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने मार्च के दौरान सोने की खरीद बढ़ाई। इसमें खासकर उभरती अर्थव्यवस्थाओं की हिस्सेदारी अधिक रही।

तुर्किये ने खरीदा सबसे ज्यादा सोना

मार्च में सेंट्रल बैंक ऑफ तुर्किये सोने का सबसे बड़ा खरीदार रहा। उसने अपने गोल्ड रिजर्व में 14 टन का इजाफा किया है। भारत के रिजर्व बैंक ने अपनी गोल्ड होल्डिंग को 5 टन बढ़ाया है। वहीं, पीपल्स बैंक ऑफ चाइना ने भी अपने गोल्ड रिजर्व में 5 टन और जोड़ा है। अन्य बड़े खरीदारों में कजाकिस्तान और सिंगापुर रहे। दोनों ने अपने सोने के भंडार को 4-4 टन बढ़ाया है। वहीं, रूस ने भी मार्च में 3 टन सोना खरीदा है।

केंद्रीय बैंकों की सोने की खरीद बढ़ाने से पता चलता है कि उनका इस कीमती धातु में भरोसा बना हुआ है, क्योंकि इससे आर्थिक अनिश्चितताओं से निपटने में मदद मिलती है। सोने को हमेशा से सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता रहा है। खासकर, जब मार्केट ज्यादा अस्थिर होता है और मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ता है, तो इसकी अहमियत और भी बढ़ जाती है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की पहली तिमाही में दुनिया भर में सोने की मांग सालाना आधार पर 3 फीसदी बढ़ी है। यह गोल्ड डिमांड के लिहाज से 2016 के बाद सबसे मजबूत पहली तिमाही है।

रिपोर्ट में दावा- गर्मी में एसी की अधिक मांग, पांच फीसदी तक बढ़े दाम- कंपनियों के सामने आपूर्ति की समस्या

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां) ।

तापमान बढ़ने के कारण देशभर में एयर कंडीशनर (एसी) की मांग बढ़ गई है। खासकर उत्तर और मध्य भारत में। बढ़ती मांग को देखते हुए निर्माता कंपनियों ने एसी के दाम पांच फीसदी तक बढ़ा दिए हैं। आनंद राठी फाइनेंशियल सर्विसेज ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि अप्रैल के बाद मई और जून में भी देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है। इससे जून मध्य तक एसी की मांग मजबूत बनी रहेगी। लेकिन, आपूर्ति के मोर्चे पर एसी निर्माता कंपनियों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ती मांग और कम आपूर्ति को देखते हुए कई राज्यों में निर्माता कंपनियों ने एसी के दाम बढ़ा दिए हैं। ब्लू स्टार ने अपने विभिन्न मॉडल की कीमतों में तीन-पांच फीसदी की बढ़ोतरी की है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में अप्रैल में औसत न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस था। यह 1901 के बाद से सबसे अधिक है। यूपी-हरियाणा में 25 फीसदी तक बढ़ी मांग मध्य भारत में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में संख्या के लिहाज से एसी की मांग 15-20 फीसदी बढ़ गई है। उत्तर भारत में राजस्थान और हरियाणा में होली के बाद से ही एसी की मांग में उछाल देखने को मिल रहा है। इन दोनों राज्यों में मांग में 20-25 फीसदी तक तेजी दर्ज की गई है। स्थानीय डीलरों ने मई में मांग 25-30 फीसदी और बढ़ने की उम्मीद जताई है। दक्षिण भारत में तमिलनाडु में एसी की मांग 40-50 फीसदी तक बढ़ी है। कर्नाटक और तेलंगाना में 15-20 फीसदी तक बढ़ोतरी दर्ज की गई।

पूर्वी भारत में ओडिशा में मांग 25-30 व झारखंड में 10-15 फीसदी बढ़ी है। गुजरात और महाराष्ट्र समेत पश्चिमी भारत में अप्रैल मध्य के बाद से ही एसी की मांग बढ़ गई है। इन राज्यों में 15-20 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गईहै। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के स्थानीय डीलरों का कहना है कि लगातार बढ़ रहे तापमान के कारण एसी की मांग में वृद्धि की तुलना में निर्माता कंपनियों की ओर से आपूर्ति कम हो रही है। इससे एसी की डिलीवरी में लगने वाला समय बढ़ गया है।

भारत के साथ रुपए में व्यापार करेगा नाइजीरिया यूपीआई के जरिये संभव होगा डिजिटल भुगतान

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां) ।

भारत और नाइजीरिया ने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए स्थानीय मुद्रा में व्यापार पर जल्द एक समझौता करेंगे। इसके अलावा नाइजीरिया डिजिटल भुगतान के लिए भारत के यूपीआई का इस्तेमाल करेगा। वाणिज्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि भारत के एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल मे ही नाइजीरिया की यात्री की है, जहां अबूजा में दोनों पक्षों ने कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, औषधि, बिजली उत्पादन सहित कई ऐसे क्षेत्रों की पहचान की है जिनमें व्यापार व सहयोग बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा दोनों देश इस बात के लिए सहमत हुए हैं कि स्थानीय मुद्रा निपटान (एलसीएस) समझौता किया जाए, ताकि दोनों देश एक-दूसरे की मुद्रा में व्यापार के लिए भुगतान कर सकें। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि अतिरिक्त सचिव अमरदीप सिंह भाटिया के नेतृत्व में भारत के सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय एक्जिम बैंक और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के अधिकारी शामिल थे। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार के साथ-साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी निवेश को बढ़ाने के लिए कई क्षेत्रों की पहचान की है। नाइजीरिया अफ्रीका में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2022-23 में 1,108 करोड़ डॉलर रहा द्विपक्षीय व्यापार भारत और नाइजीरिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2022-23 में 1,108 करोड़ डॉलर रहा है। इसके अलावा 2,700 करोड़ डॉलर के निवेश के साथ करीब 135 भारतीय कंपनियां नाइजीरिया में सक्रिय हैं। ये निवेश विविध क्षेत्रों में फैले हुए हैं, जिनमें बुनियादी ढांचा, विनिर्माण, उपभोक्ता वस्तुएं और सेवाएं शामिल हैं।

सरकार ने प्याज निर्यात से बैन हटाया: एक हजार किलो प्याज 45,800 से कम में नहीं बेच सकेंगे, 40 प्रतिशत एक्सपोर्ट ड्यूटी भी लगेगी

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां) ।

सरकार ने प्याज के एक्सपोर्ट से बैन हटा दिया है। हालांकि, इसके लिए मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस 550 डॉलर यानी करीब 45,800 रुपए प्रति मीट्रिक टन तय कर दी है। यानी जो प्याज एक्सपोर्ट की जाएगी उसकी कीमत मिनिमम 45,800 रुपए प्रति मीट्रिक टन होना जरूरी है। यह आदेश आज से ही लागू हो गया है और अगले आदेश तक मान्य रहेगा। इसके अलावा सरकार ने प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाने का भी फैसला लिया है। पिछले साल दिसंबर में जब प्याज की कीमत 70 से 80 रुपए पहुंच गई थी तब सरकार ने प्याज के एक्सपोर्ट पर बैन लगा दिया था। तीसरे चरण की वोटिंग से पहले हटा प्याज एक्सपोर्ट बैन पिछले साल दिसंबर में सरकार ने 31 मार्च 2024 तक प्याज के निर्यात

पर रोक लगा दी थी, लेकिन उसके बाद देशों के अनुरोध के आधार पर इसके शिपमेंट की अनुमति दी गई थी। इसके बाद पिछले महीने ही सरकार ने अगले आदेश तक प्याज के एक्सपोर्ट बैन को बढ़ा दिया था। एक्सपोर्ट बैन बढ़ने के बाद से व्यापारी और किसान, खास तौर पर महाराष्ट्र के किसान एक्सपोर्ट बैन हटाने का आग्रह कर रहे थे। उनका कहना था कि इससे किसानों को बेहतर कीमत पाने में मदद मिलेगी। अब सरकार ने ऐसे समय बैन हटाया है, जब 7 मई को लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण की वोटिंग होने वाली है। नवरात्रि के बाद तेजी से बढ़े थे प्याज के दाम अक्टूबर में नवरात्रि के बाद देशभर में प्याज की कीमतें तेजी से बढ़ने लगीं और केवल एक हफ्ते में दोगुने से ज्यादा बढ़ गईं थीं। जिसके बाद सरकार ने कंज्यूमर्स के ऊपर बोझ कम करने के लिए 27 अक्टूबर से नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर फेडरेशन और नेफेड जैसे सरकारी बिक्री केंद्रों के जरिए 25 रुपए किलो के रेट से प्याज की बिक्री शुरू की थी। प्याज भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा प्याज हमेशा से भारत की राजनीतिक अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है, खासकर जब चुनाव का समय आता है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने खुद 1980 के केंद्रीय चुनावों को प्याज का चुनाव बताया था।

100 करोड़ रुपए के पोंजी घोटाले में ईडी सख्त, कई स्थानों पर मारे छापे

मुंबई, 04 मई (एजेंसियां) ।

मुंबई के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 100 करोड़ रुपये के पोंजी घोटाला मामले में एक बार फिर छापेमारी की कार्रवाई की। जांच एजेंसी ने पुणे, नासिक और कोल्हापुर में कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान व्यवसायी विनोद तुकाराम खुटे, उनके परिवार के सदस्यों और दुबई के सहयोगी द्वारा संचालित पोंजी योजनाओं, अवैध विदेशी मुद्रा व्यापार प्लेटफार्म से संबंधित ठिकानों पर छापेमारी की गई।

पांच करोड़ रुपये की नकदी जब्त

ईडी ने तलाशी अभियान के दौरान पांच करोड़ रुपये की नकदी, बैंक में जमा धन और आभूषण जब्त किए। जब्त धन को विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेजों और डिजिटल उपकरणों के साथ फ्रीज कर दिया।

इन लोगों पर आरोप

जांच एजेंसी ने बताया कि पुणे के भारती विद्यापीठ स्टेशन में दर्ज शिकायत के आधार पर जांच की गई। शिकायत में विनोद खुटे, संतोष खुटे, मंगेश खुटे, किरण पीतांबर अनारासे, अजिंक्य बदाधे और अन्य के खिलाफ आरोप है कि यह लोग पोंजी या मल्टी मार्केटिंग योजनाओं और विदेशी मुद्रा व्यापार प्लेटफार्म के नाम पर आम लोगों के साथ धोखाधड़ी करते हैं।

यह है मास्टरमाइंड

ईडी ने अपने बयान में यह भी बताया कि जांच से पता चला है कि फरार चल रहा विनोद खुटे शायद फिलहाल दुबई में रह रहा है। वह वीआईपीएस के माध्यम से विभिन्न अवैध बहु-स्तरीय मार्केटिंग और पोंजी योजनाओं, अवैध व्यापार, क्रिप्टो एक्सचेंज, ग्लोबल एफिलिएट बिजनेस, काना कैपिटल, रियल गोल्ड कैपिटल, फीनिक्स एफएक्स और वॉलेट सेवाओं का मास्टरमाइंड है।

धन एकत्र करने और लेनदेन के एक नेटवर्क का खुलासा

विभिन्न फर्जी संस्थाओं के माध्यम से धन एकत्र करने और लेनदेन के एक नेटवर्क का खुलासा हुआ है। इसके परिणामस्वरूप धन की निकासी और फिर क्रिप्टो और आभासी संपत्तियों में या हवाला चैनलों के माध्यम से दुबई में इसे स्थानांतरित करने का मामला सामने आया। इससे पहले इस मामले में ईडी ने तलाशी अभियान चलाया और तीन अनंतिम कुर्की आदेश जारी किए। इसके परिणामस्वरूप विनोद खुटे और उनके रिश्तेदारों की भारत और दुबई में 70.86 करोड़ रुपये की विभिन्न बैंक शेष, अचल संपत्तियों को कुर्क किया गया।

देश में दोपहिया वाहनों पर सर्वाधिक जीएसटी, बजाज ऑटो के सीईओ राजीव बजाज बोले- ज्यादा नियमन से बढ़ रही कीमत

नई दिल्ली। बजाज ऑटो के सीईओ राजीव बजाज का कहना है कि भारत में दोपहिया वाहनों पर सबसे अधिक जीएसटी है। यहां हम 28 फीसदी जीएसटी दे रहे हैं। आसियान देशों व लैटिन अमेरिका में यह दर 8 से 14 फीसदी है। दोपहिया वाहनों की कीमतें बढ़ने का एक और कारण देश में ज्यादा नियमन भी है। बजाज ने एक कार्यक्रम में कहा, दोपहिया वाहनों पर जीएसटी दर को लेकर सरकार को फिर से सोचना चाहिए। इसे घटाकर 8 से 14 फीसदी के बीच लाना चाहिए। बजाज ने पूछा, ऐसा क्यों है कि देश में आम आदमी के वाहनों पर हमें 28 फीसदी की जीएसटी दर का भुगतान करना चाहिए अगर यह दर कम होती है तो ज्यादा से ज्यादा लोगों तक दोपहिया वाहन की पहुंच होगी। भारत में दोपहिया वाहनों की वृद्धि कोविड-19 महामारी के अलावा कीमतों में बढ़ोतरी और नियमों में बदलाव से प्रभावित हुई है। बीएस-6 जैसे मानदंड अच्छे बजाज के मुताबिक, दोपहिया वाहनों की कीमत में इस तरह का नाटकीय बदलाव कई चीजों के कारण है। इसमें सबसे बड़ा कारण अत्यधिक नियमन है। इस पर भी सरकार को विचार करने की जरूरत है। बीएस-6 जैसे मानदंड अच्छे हैं। बजाज ने कहा, हम उच्चतम स्तर पर नियमन चाहते हैं। उदाहरण के लिए उत्सर्जन जैसे नियमन से हम खुश हैं। इससे सभी को स्वच्छ हवा मिलेगी। पर, उद्योग की चिंताओं को भी दूर करने की जरूरत है।

भारत के 7 बैडमिंटन खिलाड़ियों को ओलिंपिक टिकट : तीन सिंगल्स और दो डबल्स इवेंट में लेंगे भाग, सिंधू से तीसरे मेडल की उम्मीद

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां) ।

इस साल जुलाई में पेरिस में होने वाली ओलिंपिक गेम्स में बैडमिंटन में भारत के सात खिलाड़ी अपनी रैंकिंग के आधार पर 5 इवेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु, पूर्व वर्ल्ड नंबर वन एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन ने सिंगल्स इवेंट के लिए अपनी जगह पक्की की है। वहीं मेंस डबल्स में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी और विमेंस डबल्स में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई करने में सफल हुए हैं।

ओलिंपिक के लिए क्वालिफाइंग के लिए क्या नियम थे

ओलिंपिक में बैडमिंटन के टॉप 16 खिलाड़ी भाग लेते हैं। साथ ही एक देश से एक इवेंट में दो खिलाड़ी ही भाग ले सकते हैं। जुलाई में होने वाले पेरिस ओलिंपिक के लिए 30 अप्रैल तक की रैंकिंग को निर्धारित किया गया था।

इसके के आधार पर भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई करने में सफल हुए हैं।

भारतीय खिलाड़ियों की क्या रही रैंकिंग

पूर्व वर्ल्ड चैंपियन और ओलिंपिक की सिल्वर तथा ब्रॉन्ज मेडलिस्ट पीवी सिंधू 30 अप्रैल को जारी रैंकिंग में 14वें स्थान पर थी। हालांकि चीन की चार खिलाड़ी उनसे ऊपर रैंकिंग में थी और ओलिंपिक में एक देश से 2 खिलाड़ी ही भाग ले सकती हैं, ऐसे में सिंधू की रैंकिंग 12 हो गई। जबकि पुरुष सिंगल्स में प्रणय 9 वें और और लक्ष्य 13वें स्थान पर रहे।

जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की डबल्स जोड़ी तीसरे स्थान पर रही। वहीं विमेंस डबल्स की जारी रैंकिंग में तनीषा और अश्विनि पोनप्पा की रैंकिंग 21वीं थीं। पर चीन के 4, जापान के 5 और कोरिया की 3 जोड़ी होने टॉप -16 में शामिल रही। चूंकि एक देश एक इवेंट में दो टीम या खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। ऐसे में तनीषा और अश्विनि की जोड़ी 13 पर पहुंच गई।

न्यूज ब्रीफ

शिमरॉन हेटमायर और शमार जोसेफ को मिली टी20 विश्व कप के लिए वेस्टइंडीज की टीम में जगह

नई दिल्ली। शिमरॉन हेटमायर को टी20 विश्व कप के लिए वेस्टइंडीज की 15 सदस्यीय टीम में जगह दी गई है। 24 साल तेज़ गेंदबाज़ शमार जोसेफ़ जिन्होंने अपने करियर में केवल तीन टी20 मैच खेले हैं और इस फ़ॉर्मेट में अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू भी नहीं किया है को भी टीम का हिस्सा बनाया गया है। निकोलस पूरन, आंद्रे रसल और जेसन होल्डर भी इस टीम का हिस्सा हैं। फ्लाइट मिस करने के बाद हेटमायर को 2022 टी20 विश्व कप की टीम से बाहर कर दिया गया था। पिछले साल भारत और इंग्लैंड के ख़िलाफ़ सीरीज़ में उन्होंने हिस्सा लिया था। हालांकि, इंग्लैंड सीरीज़ के अंतिम दो टी20 मैचों से उन्हें बाहर किया गया था और फिर ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए सफ़ेद गेंद की टीम में उन्हें जगह नहीं दी गई थी। 2012 और 2016 में टी20 विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज का पिछले दो संस्करण में प्रदर्शन काफ़ी निराशाजनक रहा है। 2021 में किरोन पोलार्ड की कप्तानी में केवल एक मैच जीतते हुए वे ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गए थे। एक साल के बाद ऑस्ट्रेलिया में पूरन की कप्तानी में वे मुख्य चरण में नहीं पहुंच सके थे। 2023 वनडे विश्व कप में भी वे नहीं क्वालीफाई कर पाए थे। वेस्टइंडीज के मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेंस ने कहा, मैं हर किसी को यह साफ तौर पर बताना चाहता हूं कि आज हम जिस भी टीम की घोषणा कर रहे हैं हमें लगता है कि वह विश्व कप जीतने जा रही है।

विड वार्नर 70 प्रतिशत भारतीय और 30 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई हैं फ्रेजर-मैकगर्क

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की युवा पावर-हिटिंग जोड़ी ट्रिस्टन स्टब्स और जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने गोल्फ सत्र, आईपीएल अनुभव, आक्रामक गेमप्ले, भविष्य की आकांक्षाओं को लेकर अपने जुड़ाव के बारे में खुलकर बातचीत की।

फ्रेजर-मैकगर्क ने दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने कहा, वह (डेविड) उन सबसे निःस्वार्थ लोगों में से एक है जिनसे मैं कभी मिला हूं। उसके पास हमेशा सभी के लिए समय होता है। वह 24/7 आपकी मदद करना चाहता है। वह हर होटल में हमेशा मुझसे दो कमरे की दूरी पर रहता है। बस उसके कमरे में जाओ और हर सुबह कॉफी पिओ। उन्होंने कहा, वह ऑस्ट्रेलियाई से ज्यादा भारतीय हैं। यही मैं उनसे कहता हूं। मैं कहता हूं कि वह 70 फीसदी भारतीय हैं और 30 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई हैं। गोल्फ पर पहली छाप और जुड़ाव के बारे में बात करते हुए, स्टब्स ने डीसी पॉडकास्ट पर कहा, मैं उसके बारे में कुछ नहीं जानता था, लेकिन वह मेरी जिंदगी की कहानी जानता था। फ्रेज़र-मैकगर्क ने कहा, मुझे याद है कि मेरे मन में पहला विचार आया था, वह मेरी कल्पना से थोड़ा अधिक लंबा है। मैंने सोचा था कि वह थोड़ा छोटा होगा, लेकिन वह काफी बड़ा है और वह अब तक बिल्कुल ठीक है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने कहा, हम कैप के लिए (गोल्फ) खेलते हैं।

अजय जडेजा बोले, विराट पारी की शुरुआत करें, तीसरे नंबर पर उतरें रोहित

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने कहा है कि आगामी टी20 विश्व में विराट कोहली को भारतीय टीम की पारी की शुरुआत करनी चाहिये जबकि कप्तान रोहित शर्मा को नंबर तीन पर उतरना चाहिये। टी20 विश्व कप जून में वेस्ट इंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम को ग्रुप ए में पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और सह-मेजबान अमेरिका के साथ रखा गया है। भारतीय टीम का पहला मुकाबला 5 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड से होना है। जडेजा ने कहा कि मेरे विचार से विराट पारी की शुरुआत करें। ऐसे में सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा तीसरे नंबर पर उतरें। इससे उन्हें आराम से खेलते हुए खेल को आगे बढ़ाने का अवसर मिलेगा। एक कप्तान के रूप में उनके दिमाग में उस समय बहुत कुछ चल रहा होगा। विराट के होने से निरंतरता की कमी नहीं रहेगी। इसलिए उन्हें खेलने का अवसर दिया जाना चाहिये। वह शीर्ष पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे सकते है। वह शुरुआती कुछ ओवर खेलने के बाद स्पिन के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ हो हो जाते हैं। मेरी पसंद हमेशा से यही रही है कि अगर विराट इस टीम में हैं, तो उन्हें पारी की शुरुआत करनी चाहिये। साथ ही कहा कि उप-कप्तान हार्दिक पंड्या को लेकर इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि वह विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी की नजरें हार्दिक पर रहेंगी।

डुप्लेसी और विराट के तूफान से गुजरात चारों खाने चित्त

बेंगलुरु, 04 मई (एजेंसियां)।

घातक गेंदबाजी और चुस्त क्षेत्ररक्षण के बाद विराट कोहली (42) और कप्तान फाफ डुप्लेसी (64) के बीच 92 रनों की तूफानी साझीदारी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 52वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस को चार विकेट से धो दिया। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस ने पहले खेलते हुये 19.3 ओवर में 144 रन बनाये जिसके जवाब में आरसीबी ने विजय लक्ष्य 13.4 ओवर में छह विकेट खोकर हासिल कर लिया।

मोहम्मद सिराज, यश दयाल और विजय कुमार वैशाख ने घातक गेंदबाजी से गुजरात को सस्ते में समेट कर अपनी टीम की जीत की उम्मीद पहले ही जगा दी थी जबकि विराट और डुप्लेसी ने रनों की बरसात कर इस उम्मीद को हकीकत में तूफानी अंदाज से बदल कर रख दिया। दोनो बल्लेबाजों ने पहले पॉवर प्ले में बेहद आक्रामक अंदाज से रन बटोरे और देखते ही देखते स्कोरबोर्ड पर 5.5 ओवर में 92 रन चमकने लगे थे और मैदान पर बैठे बेंगलुरु के समर्थकों को लगने लगा था कि जीत दस ओवरों के भीतर ही मिल जायेगी मगर नूर मोहम्मद के हाथों डुप्लेसी का विकेट गिरने के बाद दूसरे छोर पर विकेटों का पतझड़ शुरु हो गया और अगले पांच विकेट महज 25 रन जोड़ कर पवेलियन लौट गये । छठा विकेट विराट का गिरने के बाद मुकाबला कुछ हद तक संतुलित हो गया था मगर अनुभवी दिनेश कार्तिक (21 नाबाद) और स्वप्निल सिंह (15 नाबाद) ने गुजरात के गेंदबाजों को कोई भाव नहीं दिया और बेंगलुरु को एक आसान जीत दिला दी।

डुप्लेसी ने 23 गेंदो की पारी में 10 चौके और तीन छक्के लगाकर दर्शकों की वाहवाही लूटी वहीं विराट ने 27 गेंदों में दो चौके और चार छक्के लगाये। इससे पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने छठे ओवर तक 19 के स्कोर पर अपने तीन शीर्ष बल्लेबाजों को गवां दिया था। ऋद्धिमान साहा(1), शुभमन गिल(2) और साई सुदर्शन (6) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद शाहरुख खान और डेविड मिलर ने पारी को संभाला और चौथे विकेट लिये (61) जोड़। शाहरुख खान ने 24 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए सर्वाधिक (37), राहुल तेवतिया ने 21 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (35) तथा डेविड मिलर ने 20 गेंदों में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से (30) रनों की पारी खेली। इसके बाद राशिद खान (18), विजय शंकर (10) मानव सुथर (1) और मोहित शर्मा (शून्य) पर आउट हुये। बेंगलुरु के गेंदबाजों ने गुजरात की पूरी टीम को 19.3 ओवर में 147 रन पर समेट दिया।

आरसीबी की ओर से मोहम्मद सिराज, यश दयाल और विजयकुमार वैशाख ने दो-दो विकेट लिये। कर्ण शर्मा और कमरून ग्रीन को एक-एक विकेट मिला।

आईसीसी इवेंट से इनकार करना भारत को उल्टा पड़ सकता है: राशिद लतीफ

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने कहा कि अगर भारत अगले साल की चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार करता है और इसमें भाग नहीं लेने का फैसला करता है, तो उसे विश्व शासी निकाय आईसीसी को तार्किक जवाब देना होगा। टीम इंडिया पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा नहीं ले सकती है, इसमें कहा गया है कि आयोजन स्थल को संभावित रूप से बदलने या हाइब्रिड मॉडल पर विचार करने के बारे में चर्चा हो रही है। आप द्विपक्षीय सीरीज से इनकार कर सकते हैं. लेकिन आईसीसी आयोजनों से इनकार करना कठिन होगा। जब आईसीसी अपनी योजना बनाती है, तो टीमों को पता होता है कि उन्हें कहां खेलना है, जैसे पाकिस्तान को पता था कि उन्हें विश्व कप खेलने के लिए भारत जाना है, और क्रिकेट बोर्डों के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए जाते हैं। पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कहा, आईसीसी आयोजनों से इंकार करना थोड़ा कठिन लगता है... 1996 विश्व कप में, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज ने श्रीलंका जाने से इनकार कर दिया और पूरा समूह बदल गया और श्रीलंका चैंपियन बन गया। यह बहुत बड़ी गलती थी... अगर भारत या पाकिस्तान ने साइन इन किया है तो उन्हें उस इवेंट में जाना होगा। अगर सरकारी स्तर पर कोई परिस्थिति बनती है तो क्यों नहीं आ रहे इसका तार्किक जवाब देना होगा। आप पाकिस्तान में हालात सही नहीं हैं, इसका हवाला देकर द्विपक्षीय श्रृंखला से इनकार कर सकते हैं... मेरी राय में, आईसीसी आयोजन से इनकार करना उल्टा पड़ सकता है। पता चला है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को प्रस्ताव दिया है कि अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भारत के क्वालीफाइंग दौर के मैच विशेष रूप से एक ही शहर में आयोजित किए जाएं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस बीच, पीसीबी ने आयोजन स्थल के रूप में कराची, रावलपिंडी और लाहौर को चुना है, जिसमें लाहौर फाइनल मैच की मेजबानी करेगा।

गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों का उम्दा प्रदर्शन, बांग्लादेश ने पहले टी20 मैच में जिम्बाब्वे को 8 विकेट से दी मात

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां) ।

बांग्लादेश ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जिम्बाब्वे को 8 विकेट से मात दी। पांच मैचों की सीरीज में बांग्लादेश ने 1-0 से बढ़त बना ली है। गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने उम्दा प्रदर्शन किया। बांग्लादेश की पारी के दौरान बारिश आई थी लेकिन पूरा मैच देखने को मिला।

बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। जिम्बाब्वे की शुरुआत बेहद खराब रही। 8 के स्कोर पर क्रेग एर्विन बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। 36 के स्कोर पर मेहमान टीम को दूसरा झटका लगा। जे गम्बी 17 रन बनाकर आउट हुए। ब्रायन बेनेट 16 रन बनाकर रन आउट हुए।

चार बल्लेबाज नहीं खोल सके खाता

शॉन विलियम्स और कप्तान सिकंदर रजा बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। क्लाइव मदांडे ने एक छोर संभलाते हुए 43 रन की पारी खेली। मदांडे को तस्कीन अहमद ने अपना शिकार बनाया। रयान बर्ल भी अपना खाता नहीं खोल सके। मसाकाद्जा 34 रन बनाकर टीम को 124 रन के सम्मानजनक स्कोर तक लेकर गए।

तंजीद हसन ने जड़ा अर्धशतक

बांग्लादेश की तरफ से तस्कीन अहमद और सैफुद्दीन ने 3-3 विकेट लिए। महेदी हसन को दो विकेट मिला। 125 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने लिटन दास (1 रन) का विकेट जल्दी गिर गया। इसके बाद तंजीद हसन (नाबाद 67 रन) और नजमुल हसन शांतो (21 रन) के साथ टीम का स्कोर आगे लेकर गए। इसके तंजीद और तौहीद हृदय (नाबाद 33) ने 8 विकेट से टीम को जीत दिला दी।

उन्मुक्त चंद को नहीं मिली जगह, कोरी एंडरसन की चमकी किस्मत, यूएसए ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम का किया ऐलान

नई दिल्ली, 04 मई (एजेंसियां) ।

यूएसए ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए 15 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया। पहली बार आईसीसी इवेंट में वेस्टइंडीज के साथ अमेरिका संयुक्त रूप से मेजबानी करेगा। 1 जून से टी20 वर्ल्ड कप का आगाज होगा। इस मेगा इवेंट के लिए यूएसए ने टीम की कप्तानी भारतीय मूल के मोनांक पटेल को दी है।

न्यूजीलैंड की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके कोरी एंडरसन को यूएसए की टीम में जगह मिली है, जबकि भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान रहे उन्मुक्त चंद को टीम में जगह नहीं मिली। वहीं, साल 2010 वर्ल्ड कप में भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा रहे सौरभ नेत्रवालकर को भी जगह मिली है। मोनांक पटेल का डिप्टी एरोन जोनेस को बनाया गया है।

भारत के लिए अंडर-19 वर्ल्ड कप खेला है सौरभ ने - गौरतलब हो कि साल 2010 में खेले गए अंडर-19 वर्ल्ड कप में सौरभ नेत्रवालकर भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा थे। वहीं, साल 2012 में उन्मुक्त चंद की कप्तानी में भारत ने अंडर-19 वर्ल्ड कप जीता था। भारतीय अंडर-19 टीम साल 2010 में खिताब तो अपने नाम नहीं कर पाई लेकिन सौरभ ने भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट हासिल किए थे।

टीम में किए गए हैं दो बड़े बदलाव - यूएसए क्रिकेट बोर्ड ने अपने बयान में कहा, टीम में दो बदलावों में मध्यक्रम के बल्लेबाज गजानंद सिंह की जगह दाएं हाथ के बल्लेबाज और विकेटकीपर-ऑलराउंडर शायान जहांगीर को शामिल किया गया है और उस्मान रफीक की जगह तेज गेंदबाज अली खान को शामिल किया गया है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अमेरिका की 15 सदस्यीय टीम: - मोनांक पटेल (कप्तान), एरोन जोनेस (उप-कप्तान), एंड्रीस गोस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेस्सी सिंह, मिलिंद कुमार, निसार्ग पटेल, नितीश कुमार, नोसतुश केनजिगे, सौरभ नेत्रवालकर, शेडली वैन शेलक्रिक, स्टीवन टेलर, शायान जाहांगीर।

रिजर्व प्लेयर - गजानंद सिंह, जुआनोए ड्रेसाडाले, यासिर मोहम्मद।

लेहेका की पीठ की चोट के बाद फ़ेलिक्स ऑगर अलियासिमे फ़ाइनल में रुबलेव से भिड़ेंगे

मैड्रिड, 04 मई (एजेंसियां) ।

गैरवरीय कनाडाई फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे मैड्रिड ओपन के पुरुष फाइनल में आंद्रे रुबलेव से भिड़ेंगे। दुनिया के 35वें नंबर के खिलाड़ी को जिरी लेहेका के खिलाफ वॉकओवर मिला था, जबकि रुबलेव ने टेलर फ्रिट्ज को हराया था। ऑगर-अलियासिमे और लेहेका के बीच शाम का मैच तीन गेमों की बराबरी पर था जब चेक खिलाड़ी ने पीठ की समस्या की शिकायत की। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने उपचार के बाद भी जारी रखने का प्रयास किया, लेकिन केवल तीन अंक और टिक पाए, इससे पहले कि वह वापस लौटने की कोशिश कर रहे थे, पीड़ा में जमीन पर गिर गए और कोर्ट से बाहर निकलते समय वह लगभग रोने लगे थे। ऑगर-अलियासिमे ने कहा, मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि ऐसा हो रहा है, जब उसने (लेहेका) अपने हाथ अपनी पीठ पर रखे। मुझे उसके लिए बहुत बुरा लग रहा था। कनाडाई खिलाड़ी ने कहा, मुझे नहीं पता कि उसने क्या सोचा होगा जब उसे पता होगा कि वह जारी नहीं रख सकता। मैं वास्तव में जिरी के लिए महसूस करता हूं, लेकिन मैं कुछ नहीं कर सकता। रुबलेव की शुरुआत खराब रही, क्योंकि फ्रिट्ज़ ने उनकी शुरुआती सर्विस तोड़ दी, लेकिन उन्होंने तुरंत वापसी की और अपनी पहली सर्विस से दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी के संघर्ष का फायदा उठाया। तब से, केवल 73 मिनट तक चले मैच में फ्रिट्ज़ के लिए उनकी सर्विस और शक्तिशाली फोरहैंड भारी साबित हुए। रुबलेव ने कहा, जब उसने मेरी सर्विस तोड़ी, तो मैंने सोचा, ठीक है, यह सिर्फ शुरुआत है, हमारे पास एक लंबा सेट है और हम देखेंगे।

आईपीएल से निकला नया सितारा नीतीश

नई दिल्ली । आईपीएल के इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से युवा नीतीश रेड्डी ने शानदार प्रदर्शन किया है। नीतीश ने राजस्थान रॉयल्स ओर पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबलों में जिस प्रकार दबाव के बीच ही आक्रामक पारियों खेली हैं। उससे माना जा रहा है कि वह भविष्य में टीम इंडिया के लिए एक बेहतरीन खिलाड़ी के तौर पर सामने आयेंगे। नीतीश ने राजस्थान के खिलाफ हुए मुकाबले में जिस प्रकार दबाव के बीच ही अर्धशतकीय पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई उससे उनकी क्षमताओं का अंदाज होता है। नीतीश सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आईपीएल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले पहले अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। इस युवा ने अपनी पारी के दौरान 3 चौके और 8 छक्के लगाये। इस प्रकार आईपीएल से भारत को एक नई प्रतिभा मिली है। नीतीश इस मैच में जब बल्लेबाजी के लिए उतरे उस समय टीम ने 35 रन पर ही दो विकेट खो दिये थे। इसके बाद रेड्डी ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर शानदार पारी खेली। रेड्डी ने शुरुआती धीमी की लेकिन बाद में उन्होंने जमकर शॉट लगाये। इस बल्लेबाज ने युजवेंद्र चहल और आर अश्विन सहित सभी स्पिनरों को जमकर पीटा। उसने इन अनुभवी स्पिनरों पर आसानी से चौके और छक्के लगाए और 42 गेंदों पर ही 76 रन बना दिये। नीतीश ने इससे पहले पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में भी शानदार पारी खेली थी। उन्होंने पंजाब के गेंदबाजों को उन्हीं के मैदान पर पीटा था। पंजाब किंग्स के खिलाफ उस मैच में नीतीश ने 37 गेंदों पर 64 रन बनाये थे। उस मैच में भी इस बल्लेबाज ने कठिन हालातों में अपनी टीम को जीत दिलायी थी।

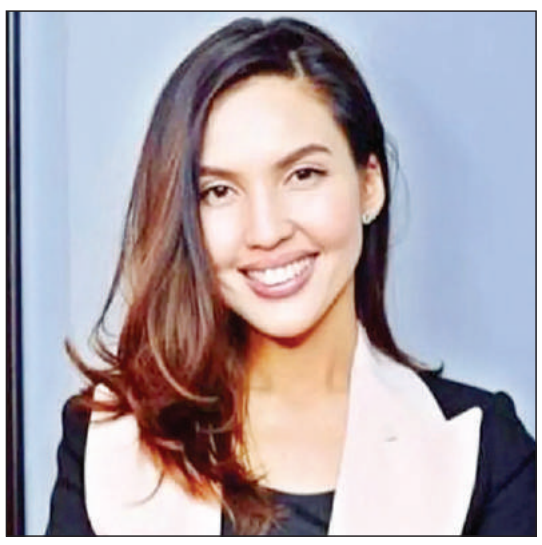

पत्नी की हत्या के बाद पूर्व मंत्री ने भविष्यवक्ता को किया फोन, सुनवाई में हुए चौंकाने वाले खुलासे

अस्ताना, 04 मई (एजेंसियां) ।

कजाखस्तान के पूर्व मंत्री की हत्या का मामला इन दिनों पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग बड़ी दिलचस्पी से इसकी कोर्ट सुनवाई पर नजर बनाए हुए हैं। आरोप है कि कजाखस्तान के पूर्व मंत्री कुआंदिक बिशिम्बायेव ने अपनी पत्नी सल्तनत नुकेनोवा की पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हो रही है, जिसकी सोशल मीडिया मंच पर लाइव स्ट्रीमिंग की जा रही है। जिससे पूरे देश में इसे लेकर बात हो रही है।

इस मुकदमे से जुड़ी अहम बातें-

- 1. 31 वर्षीय सल्तनत नुकेनोवा बीते साल नवंबर में एक रेस्तरां में मृत पाई गईं थी। यह रेस्तरां सल्तनत के पति कुआंदिक बिशिम्बायेव के रिश्तेदार का है, जहां दंपति ने पूरा दिन और एक रात बिताई थी।
- 2. एक वीडियो फुटेज कजाखस्तान में खूब वायरल हुई थी, जिसमें पूर्व वित्त मंत्री कुआंदिक बिशिम्बायेव अपनी पत्नी सल्तनत को लात-घूंसों से पीटते नजर आ रहे हैं।
- 3. अदालत में बतौर सबूत पेश की गई वीडियो में दिख रहा है कि बिशिम्बायेव ने रेस्तरां के बाहर भी अपनी पत्नी को बुरी तरह पीटा। इस दौरान बिशिम्बायेव ने सल्तनत को बालों से पकड़कर खींचा और उसके चेहरे पर हमला किया।
- 4. बिशिम्बायेव के हमले से बचने के लिए सल्तनत एक वॉशरूम में छिप गईं तो बिशिम्बायेव ने दरवाजा तोड़ दिया था और फिर सल्तनत को पीटा था।
- 5. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रेस्तरां के कर्मचारियों को निर्देश थे कि वे आपात सेवाओं या पुलिस को कोई फोन न करें। साथ ही घटना के बाद रेस्तरां की वीडियो फुटे भी डिलीट करने को कहा था।
- 6. पिटाई के बाद जब खून से लथपथ नुकेनोवा फर्श पर पड़ी थीं तो बिशिम्बायेव ने एक कथित भविष्यवक्ता को कॉल किया था। उस भविष्यवक्ता ने भरोसा दिया था कि नुकेनोवा ठीक हो जाएगी।
- 7. पिटाई के बाद जब नुकेनोवा बेहोश हो गई थी तो उसके 12 घंटे बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंची थी। मेडिकल स्टाफ ने मौके पर ही नुकेनोवा को मृत घोषित कर दिया था।
- 8. मेडिकल रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि नुकेनोवा की ब्रेन ट्रॉमा से मौत हुई थी। पिटाई के चलते नुकेनोवा की नाक की हड्डी टूट गई थी और उनके शरीर पर चोट के कई निशान थे।
- 9. बिशिम्बायेव (43 वर्षीय) पर अपनी पत्नी को प्रताड़ित करने और हत्या का आरोप लगा। इस मामले में दोषी पाए जाने के पर बिशिम्बायेव को 20 साल तक की जेल हो सकती है। बिशिम्बायेव का कहना है कि नुकेनोवा ने खुद को चोट पहुंचाई थी ।

न्यूज ब्रीफ

रटगर्स विश्वविद्यालय में फलस्तीन समर्थित प्रदर्शन में दिखे कश्मीरी झंडे, नाराज हुए भारतीय अमेरिकी

वॉशिंगटन । फलस्तीन के समर्थन में इन दिनों अमेरिका के विभिन्न विश्वविद्यालयों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। ऐसे ही प्रदर्शन के दौरान न्यू जर्सी स्थित रटगर्स विश्वविद्यालय में प्रदर्शनकारी छात्रों ने फलस्तीन और कुर्द झंडों के साथ ही कश्मीर के अलगाववादी झंडे भी लहराए। इस पर भारतीय अमेरिकी संगठनों ने नाराजगी जाहिर की है। भारतीय अमेरिकी समूहों ने रटगर्स विश्वविद्यालय के चांसलर द्वारा कश्मीरी झंडे लहराने की अनुमति देने की आलोचना की और कहा कि इससे गलत संदेश जाएगा। रटगर्स यूनिवर्सिटी प्रशासन के फैसले से नाराजगी रटगर्स विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे समूह ने बताया कि रटगर्स यूनिवर्सिटी प्रशासन ने उनकी 10 में से आठ मांगें मान ली हैं। इसमें से एक मांग ये भी है कि दुनियाभर में जिन लोगों पर कब्जा है, उनके झंडे लहराए जाएं, जिनमें फलस्तीन, कुर्द के साथ ही कश्मीर का झंडा भी शामिल है। हालांकि ऐसी खबरें आ रही हैं कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने ऐसी कोई मांग नहीं मानी है। भारतीय अमेरिकी संगठनों ने जताई नाराजगी कई भारतीय अमेरिकी संगठनों ने इस पर नाराजगी जताई है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के सुहाग शुक्ला ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि यूनिवर्सिटी प्रशासन झुक गया है। एक अन्य संगठन कोएलिशन ऑफ हिंदू ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने भी यूनिवर्सिटी प्रशासन की आलोचना की और कहा कि इससे कश्मीर के अल्पसंख्यक समुदाय को नफरत और गुस्से का सामना करना पड़ सकता है। इसी झंडे के नीचे कश्मीरी हिंदुओं को उनके अपने घर से विस्थापित कर दिया गया। धर्मा विवेक नामक एक यूजर ने लिखा कि रटगर्स यूनिवर्सिटी ने सभी सार्वजनिक संस्थानों के लिए गलत उदाहरण पेश किया है। अराजकतावादियों से समझौता करना गलत है और यह जनता के विश्वास के साथ धोखा है। गौरतलब है कि रटगर्स यूनिवर्सिटी में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के छात्र पढ़ते हैं और न्यू जर्सी में भारी तादाद में भारतीय मूल के लोग रहते हैं। ग्लोबल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ पीपल ऑफ इंडियन ओरिजन के अध्यक्ष थॉमस अब्राहम ने भी रटगर्स यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष को पत्र लिखकर विरोध प्रदर्शन के दौरान कश्मीर का अलगाववादी झंडा लहराने पर नाराजगी जाहिर की। उन्होने लिखा, यह खतरनाक चीज है, जिसमें रटगर्स यूनिवर्सिटी दाखिल हो रही है। इससे यूनिवर्सिटी में और भी धरने प्रदर्शन शुरू हो सकते हैं। एक सार्वजनिक संस्थान को, जो सभी का है, उसे आंतरिक संघर्ष संबंधी विवादों में शामिल नहीं होना चाहिए।

भारत ने कराई हरदीप सिंह निज्जर की हत्या, कनाडा के शीर्ष नेता जगमीत सिंह ने लगाए गंभीर आरोप

ओटावा । कनाडा के शीर्ष नेता जगमीत सिंह ने आरोप लगाया है कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या भारत ने कराई है। जगमीत सिंह इससे पहले भी भारत पर आरोप लगा चुके हैं। एक तरफ जगमीत सिंह भारत पर लगा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कनाडा की पुलिस अभी तक ऐसा कोई सबूत पेश नही कर सकी है, जिससे पता चले कि निज्जर की हत्या में भारत का हाथ है। जगमीत सिंह ने भारत पर लगाए गंभीर आरोप सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में जगमीत सिंह ने लिखा कि भारत सरकार ने कातिलों की मदद से कनाडा की धरती पर कनाडा के नागरिक की हत्या कराई, वो भी एक पूजा स्थल पर। इस मामले में तीन लोगों की गिरफ्तारी हुई है। मैं साफ कर दूं कि कोई भी भारतीय एजेंट या भारत सरकार का कोई आदमी इस मामले में संलिप्त पाया जाए तो उसके खिलाफ कनाडा के कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। कनाडा में लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी के लिए हरदीप सिंह निज्जर को न्याय मिलना जरूरी है। निज्जर की हत्या में तीन आरोपी हुए गिरफ्तार जगमीत सिंह कनाडा की राजनीतिक पार्टी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता हैं। जगमीत सिंह की एनडीपी पार्टी का पीएम जस्टिन ट्रूडो की पार्टी के साथ गठबंधन है। बीते साल कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने भी भारत पर निज्जर की हत्या में शामिल होने के आरोप लगाए थे। भारत ने कनाडा पीएम के आरोपों को बेतुका बताया था। इस मुद्दे पर भारत और कनाडा के रिश्तों में तनाव भी आ गया था। अब कनाडा पुलिस ने निज्जर की हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसके बाद यह मामला फिर गरमा गया है। हालांकि कनाडा की पुलिस ने अभी तक निज्जर हत्याकांड में ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया है, जिससे निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता का पता चले। कनाडा पुलिस ने गिरफ्तार किए गए तीनों लोगों की तस्वीरें जारी की। तीनों आरोपी भारतीय नागरिक बताए जा रहे हैं, जिनके नाम करनप्रीत सिंह, कमलप्रीत सिंह और करन बरार हैं। तीनों को एडमंटन शहर के अलबर्टा इलाके से गिरफ्तार किया गया।

चीन ने लॉन्च किया मिशन चांग ई-6, चांद की धूल और चट्टानों के नमूनों पर रिसर्च की योजना

बीजिंग, 04 मई (एजेंसियां) ।

चीन ने चंद्रमा के नमूने एकत्र करने और उन्हें रिसर्च के लिए पृथ्वी पर लाने के लिए चंद्र जांच मिशन शुरू किया है। चीन ने इस अभियान का नाम मिशन चांग ई-6 दिया है। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन (सीएनएसए) के अनुसार चांग ई-6 मिशन के अंतर्गत चंद्रमा के सुदूर हिस्से से नमूने इकट्ठा किए जाएंगे। इसके बाद इन नमूनों को पृथ्वी पर लाकर इन पर रिसर्च की जाएगी।

चीन का मिशन चांग ई-6 - सीएनएसए का कहना है कि मानव चंद्र अन्वेषण के इतिहास में यह अपनी तरह का पहला प्रयास है। चांग ई-6 को लॉन्ग मार्च-5 वाय8 रॉकेट द्वारा चांद पर ले जाया गया है। इसे हैनान प्रांत के वेनचांग अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल से प्रक्षेपित किया गया। एक रिपोर्ट के अनुसार चांग ई-6 में ऑर्बिटर, लैंडर, एसेंडर और री-एंट्री मॉड्यूल के रूप में चार घटक शामिल हैं।

चंद्रमा पर मौजूद धूल और चट्टानों पर रिसर्च की योजना - इस मिशन के तहत चंद्रमा पर मौजूद धूल और चट्टानों को इकट्ठा किया जाएगा। इसके बाद इन नमूनों को री-एंट्री मॉड्यूल में स्थानांतरित करने के लिए एसेंडर की मदद से ऑर्बिटर में ले जाया जाएगा। इसके बाद ऑर्बिटर की मदद से इन नमूनों को रिसर्च के लिए पृथ्वी पर लाया जाएगा। सीएनएसए के अनुसार यह मिशन ऑटोमैटिक सैंपल कलेक्शन, टेक-ऑफ और चंद्रमा पर दूर से आरोहण जैसी प्रमुख प्रौद्योगिकियों में सफलता हासिल करने के लिए तैयार है।

सीएनएसए ने बताई ये बातें - सीएनएसए ने बताया कि चांग ई-6 मिशन के लैंडर और ऑर्बिटर पर फ्रांस, इटली और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के वैज्ञानिक उपकरण और एक पाकिस्तानी पेलोड है। इससे पहले चीन ने चंद्रमा पर मानवरहित मिशन लॉन्च किया था, जिसके तहत चंद्रमा पर एक रोवर को उतारना भी शामिल था। इसके अलावा चीन ने मंगल ग्रह पर भी एक रोवर भेजा है। चीन ने 2030 तक चंद्रमा पर मानवयुक्त लैंडिंग की योजना की भी घोषणा की है। बता दें कि पिछले साल भारत ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 का लैंडर प्रज्ञान रोवर उतारा था। ऐसा करने वाला भारत विश्व का पहला देश बना था।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने जताई खुशी - चीनी मिशन में पाकिस्तानी ऑर्बिटर का इस्तेमाल किया गया है। आईसीयूबीई-क्यू ऑर्बिटर में चांद की सतह की छवि लेने के लिए दो ऑप्टिकल कैमरे लगाए गए हैं। ऑर्बिटर को चीन के शंघाई विश्वविद्यालय एसजेटीयू और पाकिस्तान की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी सुपारको के सहयोग से डिजाइन और विकसित किया गया है। लॉन्चिंग के बाद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश और देश के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह अंतरिक्ष में पाकिस्तान का पहला कदम है। परमाणु क्षेत्र की तरह ही, हमारे वैज्ञानिक, इंजीनियर और प्रतिभाशाली व्यक्ति इस क्षेत्र में भी लगन से प्रयास कर रहे हैं।

फ्रीजर में मिले पांच में से चार बच्चों के शव, फिर भी महिला को नहीं मिली सजा

वॉशिंगटन । अमेरिका से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां साल 2022 में एक फ्रीजर से चार बच्चों के शव मिले थे। इस मामले में एक 69 वर्षीय महिला पर आरोप लगाए गए थे। हालांकि, अब सफोल्क काउंटी के जिला अटॉर्नी ने घोषणा की है कि महिला के खिलाफ कोई आरोप दायर नहीं किया जाएगा। हैरान करने वाले मामला जिला अटॉर्नी केविन हेडन ने 17 नवंबर, 2022 के मामले को अबतक का सबसे जटिल, असामान्य और हैरान करने वाला मामला बताया। हेडन ने कहा कि जांच करने वाले अधिकारियों को यह नहीं पता चला कि बच्चे जिंदा पैदा हुए थे या नहीं। इसकी वजह से महिला के खिलाफ आपराधिक आरोप नहीं लगाने का फैसला लिया गया। पुलिस को एक शख्स ने दी जानकारी जिला अटॉर्नी कार्यालय ने कहा कि एक शख्स ने पुलिस को फोन करके बताया था कि जब पत्नी उसकी बहन के अपार्टमेंट की सफाई कर रही थी तब फ्रीजर में बच्चों के शव मिले। पुलिस दक्षिण बोस्टन के एक अपार्टमेंट में पहुंची और फ्रीजर से बच्चों के शव निकाले। ऐसे मिले शव अभियोजक कार्यालय ने कहा कि बच्चों में दो लड़के और दो लड़कियां थे। बच्चों को पन्नी में लपेटकर जूतों के बॉक्स में रखा गया था। डीएनए टेस्ट से पता चला कि वे सभी भाई-बहन थे और उनके पिता की साल 2011 में मौत हो गई थी। इन सवालों के नहीं मिले जवाब केविन हेडन ने कहा, हम कभी नहीं जान पाएंगे कि एलेक्सिस अल्दामिर के अपार्टमेंट में पाए गए चार बच्चे कहां या कब पैदा हुए थे।

भारत के पंचायती राज में महिलाओं के नेतृत्व की यूएन में हुई तारीफ, रुचिरा कंबोज ने बताया क्या हुआ बदलाव

वॉशिंगटन, 04 मई (एजेंसियां) ।

संयुक्त राष्ट्र के एक कार्यक्रम में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत में पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं का नेतृत्व बढ़ा है। कंबोज ने कहा कि भारत में ग्रामीण इलाकों में प्रशासन के लिए बनी पंचायती राज व्यवस्था पर भारत गर्व कर सकता है और इससे जमीनी स्तर पर सत्ता का विकेंद्रीकरण हुआ है। साथ ही उन्होंने भारत में लैंगिक समानता की दिशा में किए जा रहे कामों का भी उल्लेख किया।

रुचिरा कंबोज ने बताई भारत के पंचायती राज सिस्टम की खासियत

यूएन में भारत के सीपीडी57 साइड इवेंट में बोलते हुए रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत में जमीनी स्तर पर महिला सशक्तिकरण के परिवर्तनकारी प्रभाव हुए हैं। कंबोज ने कहा कि पंचायती राज सीधे लोकतंत्र का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें एक ग्राम सभा की पंचायत में सभी निवासियों की भागीदारी होती है। इससे सत्ता का विकेंद्रीकरण होता है। यह दुनिया में पाए जाने वाले पारंपरिक नगरपालिका प्रशासन मॉडल से अलग है और पंचायती राज व्यवस्था से समावेशी निर्णय लेने की प्रक्रिया को बढ़ावा मिलता है।

भारत में लैंगिक समानता की दिशा में हुआ काफी काम

भारत की लैंगिक समानता के प्रति प्रतिबद्धता को बताते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि 1992 में संविधान संशोधन के साथ एक अहम मील का पत्थर हासिल किया गया, जिसके तहत स्थानीय शासन में कम से कम एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गईं। जमीनी स्तर पर फैसले लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं को प्रतिनिधित्व देने की दिशा में यह ऐतिहासिक कदम था। कंबोज ने बताया कि भारत में निर्वाचित कुल 31 लाख जनप्रतिनिधियों में से 14 लाख से अधिक महिलाएं हैं। यह व्यापक सामाजिक बदलाव को दर्शाता है। कंबोज ने स्वीकार किया कि नेतृत्व में महिलाओं के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं, लेकिन इसके लिए सहायक कानूनी ढांचे, मजबूत क्षमता निर्माण और सहयोगी भागीदारी पर जोर देने की जरूरत है।

जापान में है 700 साल पुराना तलाक मंदिर जापान के कामाकुरा शहर में है स्थित

टोक्यो, 04 मई (एजेंसियां) ।

हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे तलाक मंदिर कहा जाता है। इस मंदिर का नाम मात्सुगाओका टोकेई-जी है। यह जापान में स्थित है। 12वीं और 13वीं शताब्दी के दौरान जापानी समाज में केवल पुरुषों के लिए ही तलाक की व्यवस्था थी। उन दिनों पुरुष अपनी पत्नियों को बहुत आसानी से तलाक दे सकते थे, लेकिन इस मंदिर के दरवाजे उन महिलाओं के लिए खुले थे जो घरेलू हिंसा या दुर्व्यवहार की शिकार थीं। तलाक मंदिर थोड़ा अजीब जरूर लगता है, लेकिन इसके पीछे भी एक कहानी है। लोगों की मानें तो टोकई-जी का इतिहास करीब 700 साल पुराना है। यह मंदिर जापान के कामाकुरा शहर में स्थित है। यह मंदिर घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं का घर माना जाता है।

कहा जाता है कि सदियों पहले महिलाएं अपने अत्याचारी पतियों से छुटकारा पाने के लिए इस मंदिर में शरण लेती थीं। बता दें कि इस मंदिर का निर्माण काकुसन नाम की नन ने अपने पति होजो टोकिमुन के साथ मिलकर करवाया था। वह न तो अपने पति से खुश थी और न ही उसके पास तलाक लेने का कोई रास्ता था। जापान में कामाकुरा युग के दौरान, महिलाओं के पति बिना कोई कारण बताए अपनी शादी तोड़ सकते थे। इसके लिए उन्हें साढ़े तीन लाइन का नोटिस लिखना पड़ा।

लोगों के श्रद्ध इस मंदिर में महिलाएं करीब तीन साल तक रहकर अपने पति को तलाक दे सकती थीं। बाद में इसे घटाकर दो साल कर दिया गया। वर्ष 1902 तक मंदिर में पुरुषों का प्रवेश सख्त वर्जित था। लेकिन इसके बाद, जब 1902 में एंगाकु-जी ने मंदिर पर कब्जा कर लिया, तो उन्होंने एक पुरुष मठाधीश को नियुक्त किया। बता दें कि दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं जो अपने अजीब इतिहास के लिए जानी जाती हैं। भारत में ही आपको ऐसी कई जगहें मिल जाएंगी।

व्हाइट हाउस की पूर्व निदेशक होप हिक्स अदालत में पेश, एडल्ट स्टार को पैसे देने से जुड़ा है मामला

वॉशिंगटन, 04 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ गुप्त धन मामले में ट्रंप की पूर्व सलाहकार होप हिक्स ने गवाही दी। हिक्स व्हाइट हाउस संचार निदेशक के रूप में कार्यरत थीं। गौरतलब है कि अमेरिका में इस साल के अंत में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने वाले हैं। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप और वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच सीधा मुकाबला है। इससे पहले, अभियोजकों ने ट्रंप के खिलाफ 10 मामलों के उल्लंघन का आरोप लगाया था। हालांकि, न्यायाधीश जुआन एम. मर्चन ने उन्हें नौ मामलों में उल्लंघन का आरोपी माना। गैग के आदेशों का बार-बार उल्लंघन करने के लिए अदालत ने उनपर नौ हजार अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया। गैग ने उन पर गुप्त धन मामले से जुड़े गवाहों, जूरी सदस्यों सहित अन्य चीजों के बारे में सार्वजनिक रूप से बयान देने पर प्रतिबंध लगाया था। कोर्ट का यह अर्थदंड ट्रंप के लिए एक कड़ी फटकार है क्योंकि वह हमेशा कहते थे कि वे अपने

स्वतंत्र भाषण के अधिकारों का प्रयोग कर रहे हैं। ट्रंप के साथ-साथ आज उनका बेटा एरिक भी अदालत आए थे। ऐसा पहली बार हुआ कि ट्रंप के साथ उनके परिवार का कोई सदस्य उनके आपराधिक मुकदमे में शामिल हुआ। मामले में हुई पहली गवाही हाल ही में मामले में अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ नेशनल इन्क्वायरर प्रकाशक डेविड पेकर ने गवाही दी थी। पेकर ने बताया था कि उन्होंने 2016 में ट्रंप की राष्ट्रपति की दावेदारी में मदद करने के लिए अपने टैब्लॉइड का उपयोग करने के लिए गोपनीय समझौता किया था। पेकर आपराधिक गुप्त धन मुकदमे के पहले गवाह हैं। पेकर ने न्यूयॉर्क की अदालत में कहा कि 2015 में उन्होंने ट्रंप से कहा था कि इन्क्वायरर आपके बारे में सकारात्मक कहानियां प्रकाशित करेगा। ट्रंप की मदद करना मतदाताओं को धोखा देना पेकर ने ट्रंप को 2016 के चुनावों में कथित विवाहेतर संबंधों की कहानियों को दबाने में मदद की। यौन दुर्व्यवहार के कई आरोपों का सामना कर रहे ट्रंप की मदद करना मतदाताओं को धोखा देना है। पेकर ने ट्रंप पर पोर्न स्टार डेनियल्स को दिए 1,30,000 डॉलर के भुगतान को छिपाने के लिए व्यवसायिक रिकॉर्ड में आपराधिक रूप से हेराफेरी करने का आरोप लगाया है। हालांकि, वकीलों का तर्क है कि ट्रम्प ने कोई अपराध नहीं किया। स्टार्मी डेनियल को दिए 130,000 डॉलर ट्रंप के पूर्व वकील माइकल कोहेन ने स्टॉर्मी डेनियल को 130,000 डॉलर का भुगतान किया था। ऐसा इसलिए क्योंकि स्टॉर्मी डेनियल ट्रंप के साथ अवैध संबंधों को लेकर चुप्पी साधे रखें। इस मामले में ट्रंप ने डेनियल के साथ संबंधों से इनकार किया है।

जंग के बीच हमास का रुख नरम, समझौते पर पहुंचने के लिए मिस्र भेजेगा प्रतिनिधिमंडल

यरुशलम, 04 मई (एजेंसियां) ।

हमास और इजराइल बीते छह महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजराइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर अमेरिका में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। देशभर में लोग इजराइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं।

इस बीच, हमास मध्यस्थता वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हो गया है। उसने सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ मिस्र में एक प्रतिनिधिमंडल भेजने का एलान किया है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, समूह के एक प्रमुख शख्स खलील अल-हय्या प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

हमास का बयान - हमास के बयान ने एक बार फिर बातचीत के प्रति संगठन के सकारात्मक रुख को दोहराया है। बयान में कहा गया है, हम एक समझौते पर पहुंचने के लिए मिस्र जा रहे हैं। हम हमास और फलस्तीनी प्रतिरोध बलों में एक समझौते पर पहुंचे के लिए दृढ़ हैं। हमले की समाप्ति, बंधकों की वापसी, विस्थापितों की वापसी, राहत और पुनर्निर्माण और एक गंभीर विनिमय सौदे के लिए हमारे लोगों की मांगों को पूरा करता है।

अमेरिका ने इजराइल को चेताया - इस बीच, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरिन जीन पियरे ने दक्षिणी शहर राफा में संभावित बड़े सैन्य अभियानों के संबंध में इजराइल को चेताया है। जीन-पियरे ने नागरिकों के जीवन की सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि लोगों के जीवन की रक्षा हो। हमें विश्वास है कि इजराइल सरकार हमारी चिंताओं को ध्यान में रखने जा रही है।

समझौते पर पहुंचने को प्राथमिकता दें - संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटारेस ने इजराइल और हमास दोनों से आग्रह किया है कि वे दोनों एक समझौते पर पहुंचने को प्राथमिकता दें। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में गुटारेस ने संघर्ष को बढ़ने से रोकने के लिए बातचीत के जरिए समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही कहा, गाजा के लोगों, बंधकों और उनके परिवारों, क्षेत्र और व्यापक दुनिया की खातिर मैं इजराइल सरकार और हमास नेतृत्व को उनकी वार्ता में एक समझौते पर पहुंचने के लिए दृढ़ता से प्रोत्साहित करता हूं।

यह है मामला - हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी।

अमेरिकन एयर फोर्स के एआई संचालित एफ-16 लड़ाकू जेट ने भरी उड़ान

वाशिंगटन। अमेरिका की वायुसेना ने एक एआई संचालित प्रायोगिक एफ-16 लड़ाकू जेट को उड़ाने में सफलता हासिल कर है। इस जेट की खासीयत यह है कि इसे मानव पायलट द्वारा नहीं, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) द्वारा नियंत्रित किया गया। उड़ान भरे विमान में देश की वायुसेना के सचिव फ्रैंक केंडल सवार थे। इसे एआई सैन्य विमानन के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धी माना जा रहा है। यह अलग बात है कि इसकी प्रौद्योगिकी पूरी तरह से विकसित नहीं हुई है, लेकिन अमेरिकी वायुसेना ने साल 2028 तक एआई संचालित 1,000 से अधिक मानवरहित युद्धक विमानों को संचालित करने का लक्ष्य रख कार्य शुरु कर दिया है। जानकारी अनुसार प्रायोगिक एफ-16 लड़ाकू जेट ने एडवर्ड्स एयरफोर्स बेस से उड़ान भरी। इसमें सवाल फ्रैंक केंडल ने भविष्य के हवाई युद्ध में एआई संचालित युद्धक विमानों की भूमिका को बरीकी से जांचने के लिए ही विमान में उड़ान भरी थी। दरअसल केंडल ने उड़ान पूरी करने के बाद कहा, कि इसे सेवा में न रखना एक सुरक्षा जोखिम है, इसलिए यह हमें जरूर मिलना चाहिए। एआई-नियंत्रित एफ-16 को 'विस्टा' नाम दिया गया। बताया गया है कि इस विमान ने 550 मील प्रति घंटे से भी अधिक की गति से उड़ान भरी थी, जो कि सफल रही।

रविवार व्रत जीवन में दिलाता है सफलता और समृद्धि

जानें कैसे करें इस व्रत का उद्यापन?

सप्ताह के हर दिन किसी न किसी देवी-देवता के लिए व्रत रखने या पूजा करने का विधान है। रविवार के दिन भगवान सूर्यदेव की पूजा की जाती है और बहुत से लोग इस दिन व्रत भी रखते हैं। रविवार का व्रत रखने से समस्त शारीरिक कष्टों से मुक्ति मिलती है और व्यक्ति असीम सुखों को प्राप्त करना है।

ज्योतिष में सूर्य देव को नवग्रहों का राजा कहा जाता है। इसलिए नवग्रहों की शांति के लिए भी सूर्य देव की उपासना की जाती है। वहीं जो लोग रविवार का व्रत रखते हैं उनका जीवन सुखों से भरा रहता है और सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है। लेकिन कोई भी व्रत तभी सफल माना जाता है, जब उसका उद्यापन किया जाए। जानते हैं रविवार व्रत के लाभ और व्रत उद्यापन की विधि के बारे में।

रविवार व्रत के लाभ

रविवार का दिन भगवान भास्कर को समर्पित होता है। इनकी पूजा और व्रत से घर सुख-समृद्धि से भर जाता है और शत्रुओं का नाश होता है। रविवार का व्रत कम से कम एक वर्ष और अधिकतम 12 वर्षों तक किया जा सकता है। लेकन व्रत छोड़ने के बाद इसका उद्यापन जरूर करें।

मान्यता है कि जो लोग रविवार का व्रत रखते हैं या रविवार की व्रत कथा सुनते हैं उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती है।

जो लोग रविवार के दिन मांसाहार या तामसिक भोजन और नमक का त्याग करते हैं उन्हें उत्तम स्वास्थ्य के साथ ही मान-सम्मान व यश की प्राप्ति होती है। अगर कोई स्त्री इस व्रत को करे तो उसे संतान सुख मिलता है। साथ ही रविवार का व्रत मोक्ष प्रदान करने वाला माना गया है।

रविवार व्रत से सूर्य ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होते हैं और कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है।

रविवार व्रत से चर्म रोग, नेत्र रोग और कुष्ठ रोग की समस्या भी दूर होती है।

रविवार व्रत उद्यापन पूजा सामग्री

सूर्य देव की प्रतिमा या तस्वीर, लकड़ी की चौकी, लाल कपड़ा, द्वादश दल वाला कमल का फूल, कलश, अक्षत, दीप-बाती, गंगाजल, कंडेल का फूल, लाल चंदन, गुड़, लाल वस्त्र, जनेऊ, रोली, नैवेद्य, पंचामृत, पान का पत्ता, सुपारी, लौंग, इलायची, नारियल, फल, कपूर, हवन सामग्री, घी, आम की लकड़ी और भोग के लिए खीर।

रविवार व्रत उद्यापन विधि

रविवार का व्रत उद्यापन वैदिक मंत्रो के साथ किया जाता है। अगर आपको वैदिक मंत्रों की जानकारी न हो तो आप किसी पुरोहित से व्रत का उद्यापन विधिपूर्वक करा सकते हैं। लेकिन अगर आप स्वयं ही व्रत का उद्यापन करना चाहते हैं तो इसके लिए सबसे पहले प्रात:काल उठकर स्नान कर लें और पूजा की तैयारी करें। एक चौकी मे लाल रंग का कपड़ा बिछाकर गंगाजल छिड़कर शुद्ध कर लें। फिर चौकी में भगवान सूर्य की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। चौकी के बीच में जल से भरा एक कलश रखें। भगवान को लाल वस्त्र चढ़ाकर चंदन, रोली, अक्षत, जनेऊ आदि अर्पित कर फूल-फल, भोग और पंचामृत चढ़ाएं। अब धूप-दीप दिखाएं। सूर्य देव के साथ ही भगवान गणेश की भी पूजा करें। इसके बाद रविवार की व्रत कथा पढ़ें और सूर्य देव की आरती करें। पूजा के बाद किसी ब्राह्मण को दक्षिणा जरूर दें।

मई में मनाई जाएंगी साल की सबसे ज्यादा जयंती

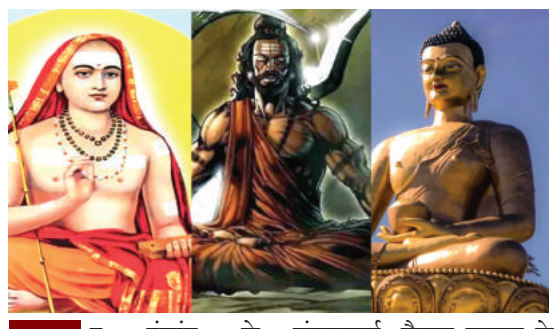

हिंदू पंचांग के अनुसार, मई में वैशाख का महीना चलता है। ऐसे में इस महीने में कई महापुरुषों का जन्मोत्सव और कई देवताओं का प्रकटोत्सव मनाया जाएगा। व्यक्ति इन सभी के चरित्र से कुछ-न-कुछ प्रेरणा ले सकता है। मई के महीने में वल्लभाचार्य से लेकर गौतम बुद्ध और सूरदास जी जैसे कई महापुरुषों की जयंती मनाई जाएगी। तो चलिए जानते हैं कि मई के महीने में कौन कौन-सी जयंती मनाई जाएगी।

मई में आने वाली जयंती

08 मई 2024 - रवींद्रनाथ जयंती, इस दिन पर नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ जी की जयंती मनाई जाएगी।

10 मई 2024 - परशुराम जयंती, परशुराम जी भगवान विष्णु के अवतार होने के साथ-साथ 08 चिरंजीवियों में से भी एक हैं।

12 मई 2024 - इस दिन पर अद्वैत वेदांत के समर्थक शंकराचार्य, वैष्णव परम्परा के प्रणेता रामानुजाचार्य और महान कृष्ण भक्त सूरदास जी की जयंती मनाई जाएगी।

15 मई 2024 - बगलामुखी जयंती, 15 मई को मां बगलामुखी का प्रकटोत्सव मनाया जाएगा। इन देवी को मुख्य रूप से तंत्र-मंत्र की साधना के लिए जाना जाता है।

16 मई 2024 - जानकी जयंती। इस दिन राजा जनक को पुत्री के रूप में सीता जी की प्राप्ति हुई थी।

21 मई 2024 - नरसिंह जयंती। इस तिथि पर भगवान विष्णु ने भक्त प्रहलाद को राक्षस हिरण्यकश्यप से बचाने के लिए नरसिंह का अवतार लिया था।

23 मई 2024 - बुद्ध पूर्णिमा। माना जाता है कि वैशाख पूर्णिमा के दिन भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था। ऐसे में इस दिन को बुद्ध पूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है।

24 मई 2024 - नारद जयंती। नारद जी को विश्व का पहला पत्रकार भी माना जाता है।

क्या आपकी कुंडली में भी है कालसर्प दोष

महादेव करेंगे निवारण, करें ये उपाय

ज्योतिष शास्त्र में कालसर्प दोष को बेहद हानिकारक योग माना जाता है। जिन लोगों की कुंडली में यह दोष पाया जाता है उन्हें अपने जीवन में सफलता पाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता है। जिन व्यक्तियों के जीवन में कालसर्प दोष होता है वह मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान रहते हैं। इसलिए कालसर्प दोष की पूजा पूरे विधि विधान से की जानी चाहिए।

कालसर्प दोष निवारण

अगर आप भी कालसर्प दोष से बिल्कुल परेशान है तो आप अपनी क्षमता के अनुसार चांदी या तांबे के नाग नागिन को जोड़े को किसी मंदिर या फिर जल में परवाह कर सकते हैं, इस तरह से आपको इस दोष से मुक्ति मिल जाती है। इसके अलावा जीवन में समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

इस दिन आपको सुबह-सुबह स्नान करना चाहिए और पानी में काले तिल जरूर मिला लें। इसके बाद विधि के अनुसार, शिव पूजन करें और नाग नागिन के जोड़े को भगवान शिव को चढ़ा दीजिए। इस तरह से भगवान शिव से अपने दोष निवारण के लिए भावपूर्ण प्रार्थना कीजिए।

जिस व्यक्ति की कुंडली में कालसर्प दोष है उसे अपने घर के मंदिर में रोजाना शिवलिंग पर जलाभिषेक करना चाहिए। इसके अलावा प्रदोष तिथि के दिन रुद्राभिषेक करें।

अगर आपकी कुंडली में भी कालसर्प दोष है तो आपको रोजाना अपने कुल देवता की पूजा करना चाहिए, इसके अलावा रोजाना 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें।

कालसर्प दोष निवारण मंत्र

ॐ नागदेवताय नम:

ॐ नवकुलाय विद्महे विषदंताय धीमहि तन्नो सर्प: प्रचोदयात्।

ॐ क्रौं नमो अस्तु सर्पेभ्यो कालसर्प शांति कुरु कुरु स्वाहा ।। सर्प मंत्र ।।

ॐ नमोस्तु सर्पेभ्यो ये के च पृथिवीमनु ये अन्तरिक्षे ये दिवि तेभ्यः सर्पेभ्यो नम:

अक्षय तृतीया की शाम न करें ये गलतियां

वरना चौखट से वापस लौट जाएंगी मां लक्ष्मी

इस साल अक्षय तृतीया का पर्व 10 मई को मनाया जाएगा। इसे एक सर्व सिद्ध मुहूर्त भी माना जाता है, क्योंकि इस दिन पर कोई भी शुभ या मांगलिक कार्य बिना शुभ मुहूर्त देखे किया जा सकता है। साथ ही इस दिन पर सोने-चांदी के साथ-साथ नई चीजों की खरीदारी करना भी शुभ माना जाता है। ऐसा करने से माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और साधक पर अपनी दया दृष्टि बनाए रखती हैं।

अक्षय तृतीया मुहूर्त

वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत 10 मई, 2024 को प्रातः 04 बजकर 17 मिनट पर हो रही है। साथ ही इस तिथि का समापन 11 मई को रात्रि 02 बजकर 50 मिनट पर होगा। ऐसे में अक्षय तृतीया का पर्व 10 मई, शुक्रवार के दिन मनाया जाएगा। इस दिन पूजा का शुभ मुहूर्त इस प्रकार रहेगा -

अक्षय तृतीया पूजा मुहूर्त - प्रातः 05 बजकर 33 मिनट से दोपहर 12 बजकर 18 मिनट तक

नाराज हो सकती हैं मां लक्ष्मी

हिंदू मान्यताओं के अनुसार, झाड़ू में मां लक्ष्मी का वास माना गया है। वहीं, शाम के बाद घर में झाड़ू लगाना शुभ नहीं माना जाता। ऐसे में अक्षय तृतीया के दिन भूलकर भी शाम के बाद झाड़ू न लगाएं। ऐसा करने से मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं।

किन कार्यों से बचना चाहिए

अक्षय तृतीया, मां लक्ष्मी के लिए समर्पित माना जाता है। वहीं यह माना गया है कि मां लक्ष्मी को स्वच्छता अति प्रिय है। इसलिए अक्षय तृतीया के दिन भूलकर भी घर में गंदगी या कूड़ा आदि नहीं फैलाना चाहिए। वरना लक्ष्मी जी आपकी चौखट से वापस लौट जाती हैं।

न करें ये गलती

अक्षय तृतीया के दिन झगड़े आदि नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही इस दिन महिला और बुजुर्गों का अपमान भी न करें। वहीं द्वार पर आए किसी जरूरतमंद या भूखे व्यक्ति को खाली हाथ न भेजें। उन्हें अपनी क्षमता अनुसार, कुछ-न-कुछ दान के रूप में अवश्य दें।

इन कार्यों से मिलेगा लाभ

यदि आप चाहते हैं कि मां लक्ष्मी का आपके घर में आगमन हो, तो इसके लिए अक्षय तृतीया की शाम अपनी चौखट या मुख्य द्वार पर दीया जरूर जलाएं। इसके साथ ही अपने मुख्य द्वार पर अशोक के पत्तों से बना वंदनवार जरूर लगाएं।

अक्षय तृतीया पर होंगे बांके बिहारी के सर्वांग दर्शन 100 किलो चंदन की दी जाएगी सेवा

अक्षय तृतीया हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों में से एक है। यह दिन शुभ कार्यों को करने के लिए विशेष माना जाता है। इसे लोग आखातीज के नाम से भी जानते हैं। अक्षय तृतीया का पर्व वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस साल यह पर्व 10 मई, 2024 दिन शुक्रवार को मनाया जाएगा।

किस दिन मनाई जाएगी अक्षय तृतीया 2024 ?

तृतीया तिथि की शुरुआत 10 मई, शुक्रवार सुबह 4 बजकर 17 मिनट पर होगी और इसका समापन अगले दिन 11 मई सुबह 2 बजकर 50 मिनट पर होगा। इसके अलावा अक्षय तृतीया का शुभ मुहूर्त 10 मई सुबह 5 बजकर 49 मिनट से दोपहर 12 बजकर 23 मिनट तक रहेगा। ऐसा माना जाता है कि इस दौरान किए जाने वाले सभी कार्य में सफलता मिलती है। साथ ही धन में वृद्धि होती है।

अक्षय तृतीया पर होंगे बांके बिहारी के चरण दर्शन

वृंदावन में बांके बिहारी जी के दर्शन के लिए प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन आते हैं, लेकिन ठाकुर जी के पूर्ण दर्शन तो सिर्फ साल में एक बार ही होते हैं और वह शुभ दिन अक्षय तृतीया का है। इस दिन बांके बिहारी जी के भव्य चरण दर्शन कराए जाते हैं। ऐसी मान्यता है इस दिव्य दर्शन से भक्तों पर प्रभु की विशेष कृपा बरसती है। साथ ही जीवन खुशियों से भर जाता है।

100 किलो चंदन से दी जाएगी शीतलता

अक्षय तृतीया के खास मौके पर बिहारी जी को 100 किलो चंदन से शीतलता प्रदान की जाएगी, जिसके लिए पहले से ही प्रबंध शुरू हो चुके हैं। दरअसल, इस पुण्दायी सेवा के लिए दक्षिण भारत के मलयागिरी से चंदन मंगवाया जाता है। साथ ही इसे कुछ दिन पहले ही घिसना शुरू कर दिया जाता है।

यह लेपन भाव विभोर कर देने वाला होता है, क्योंकि यह पूरी श्रद्धा के साथ श्री बांकेबिहारी जी को अर्पित किया जाता है, ताकि उन्हें शीतलता मिल सके।

घर के मुख्य द्वार पर इन चीजों को रखने से प्रसन्न होती हैं लक्ष्मी जी

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में रखी हर चीज में एक ऊर्जा होती है जो घर के सदस्यों की तरक्की पर प्रभाव डालती है। वास्तु में घर के मुख्य द्वार पर कुछ चीजें रखना बहुत शुभ माना जाता है। इससे धन से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

घर के मुख्य द्वार पर कुछ चीजों को रखने से लक्ष्मी जी प्रसन्न होती

हैं और धन लाभ के योग बनते हैं। आइए जानते हैं इन चीजों के बारे में जिसे घर के मुख्य द्वार पर रखना चाहिए।

घर के मुख्य द्वार पर रखें ये चीजें

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे को बहुत पवित्र माना गया है। भगवान विष्णु को तुलसी बेहद प्रिय है। तुलसी को मां लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के मुख्य द्वार के सामने तुलसी का पौधा लगाने से घर की आर्थिक स्थिति अच्छी होती है।

घर में वास्तु दोष हो तो घर की आर्थिक स्थिति खराब रहती है। इसके लिए सबसे पहले घर का वास्तु दोष दूर करने का उपाय करना चाहिए। घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक चिन्ह बनाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

घर के मुख्य द्वार की दायीं ओर शुभ-लाभ का निशान अंकित करें। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर जाती है और घर के सदस्यों की तरक्की होती है। इससे घर की आर्थिक तंगी दूर होती है।

हर शुभ कार्य में घर के मुख्य द्वार पर बंदनवार बांधा जाता है। सनातन धर्म में इसे बहुत ही पवित्र माना जाता है। माना जाता है बंदनवार हर घर में सौभाग्य लेकर आता है। इसे लगाने से घर में माता लक्ष्मी का भी आगमन होता है। ध्यान रखें कि बंदनवार में हमेशा आम या अशोक के पत्तों का इस्तेमाल करना चाहिए।

शुक्र देव सुख-संपत्ति के कारक हैं। घर की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए शुक्र देव को प्रसन्न करना जरूरी है। घर के मुख्य द्वार के दोनों तरफ सुगंधित पुष्पों के गमले लगाएं और इनमें रोज पानी दें। इससे घर में धन की देवी मां लक्ष्मी का आगमन होता है। घर में सकारात्मक ऊर्जा के लिए सूर्य की कृपा प्राप्त करने का प्रयास करें। वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर घर के मुख्य द्वार पर सूर्य यंत्र लगाया जाये तो इससे घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और घर धन-धान्य से भर जाता है।

शनि जयंती की पूजा में शामिल करें ये खास चीजें, जीवन में खुशियों का होगा आगमन

सनातन धर्म में शनि देव की पूजा का खास महत्व है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान शनि सभी को उनके कर्मों के आधार पर फल देते हैं। शनि जयंती के दिन शनिदेव की पूजा का विधान है। इस बार शनि जयंती वैशाख माह 8 मई, 2024 दिन बुधवार को मनाई जाएगी। यह साल में दो बार मनाई जाती है।

ऐसी मान्यता है जो जातक इस दिन श्रद्धा के साथ रवि पुत्र की पूजा करते हैं उन्हें मनचाहा वरदान प्राप्त होता है, तो आइए इस दिन पूजन में शामिल होने वाली सामग्री के बारे में जानते हैं -

शनि जयंती कब है ?

वैशाख अमावस्या तिथि की शुरुआत 7 मई 2024, सुबह 11 बजकर 40 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन 8 मई 2024, सुबह 08 बजकर 51 मिनट पर होगा। ऐसे में पंचांग को देखते हुए वैशाख अमावस्या पर यानी 8 मई को शनि जयंती मनाई जाएगी।

शनि जयंती पूजन सामग्री

शनिदेव की प्रतिमा व तस्वीर, शनि चालीसा, शनिदेव कथा की पुस्तक, काले और नीले वस्त्र,नीले फूल और फूलों की

माला, सरसों का तेल, तिल का तेल, काला तिल, हवन सामग्री, हवन कुंड, कपूर, पान, सुपारी, दक्षिणा, आसन, अक्षत, धूप, दीप, चंदन, गंध, जल, शमी पत्ता, गंगाजल, फल, मिठाई

भगवान शनि की पूजा में इन नियमों का रखें ध्यान

* सबसे पहले भगवान शनिदेव की पूजा विधि अनुसार करें।
* पूजा के दौरान मन को शांत रखें और नकारात्मक विचारों को मन में न लाएं।
* शनिदेव को नीला रंग बेहद पसंद है इसलिए उन्हें नीले रंग का वस्त्र, फूल,आदि चीजें चढ़ाएं।
* शनि जयंती के दिन दान-पुण्य अवश्य करें।
* शनिदेव की महादशा से मुक्ति पाने के लिए इस दिन विशेष पूजा करें, इससे आपको तुरंत लाभ मिलेगा।

शनि वैदिक मंत्र

1। ऊँ शन्नोदेवीर-भिष्टयऽआपो भवन्तु पीतये शंय्योरभिस्त्रवन्तुनः।।

शनि गायत्री मंत्र

2। ऊँ भगभवाय विद्महैं मृत्युरुपाय धीमहि तन्नो शनिः प्रचोद्यात्।।

इस महीने से शुरू अगली फिल्म की शूटिंग

बॉक्स ऑफिस पर फिर से परचम लहराने लौट रहे हैं शाहरुख खान

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान इन दिनों आईपीएल में अपनी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को सपोर्ट कर रहे हैं। बीते साल शाहरुख खान की तीन बड़ी फिल्में रिलीज हुई थी। इस लिस्ट में पठान, जवान और डंकी का नाम शामिल है। इन तीनों फिल्मों ने ऑफिस पर ऐसा धमाल मचाया कि सभी लोग दंग रह गए। इसके बाद शाहरुख खान ने कुछ दिनों के लिए एक्टिंग से ब्रेक ले लिया है। इस बीच अब शाहरुख खान को लेकर ये रिपोर्ट सामने आई है कि वो फिर से शूटिंग शुरू करने वाले हैं। अपने अपकमिंग पर काम करने के लिए किंग खान अब तैयार हो गए हैं।

शाहरुख खान ने दिया अपडेट

एंटरटनेमेंट वर्ल्ड के किंग शाहरुख खान ने अब अपनी नई फिल्म पर अपडेट दिया है, जिससे उनके फैंस की खुशी सातवें आसमान पर पहुंच गई है। शाहरुख ने 'स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा, मैं थोड़ा आराम करना चाहता था। मैंने दो-तीन फिल्में की हैं और तीनों ही फिल्मों में काफी फिजिकल वर्क भी करना पड़ा। इसलिए मैंने कहा कि शायद मैं कुछ समय की छुट्टी ली और मैंने पूरी टीम से कहा कि मैं आऊंगा मैच बता दें कि शाहरुख खान ने ये भी बताया है कि वो अपनी अगली फिल्म की शूटिंग जुलाई या अगस्त में शुरू करेंगे।

इस मूवी में नजर आएंगे शाहरुख खान

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो शाहरुख खान जल्द ही सुजॉय घोष की फिल्म 'द किंग' में नजर आने वाले दावा किया जा रहा है कि जुलाई और अगस्त से शाहरुख इस मूवी की शूटिंग करने वाले हैं। हालांकि इसपर शाहरुख ने कुछ नहीं कहा है। शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्मों का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। मालूम हो कि बीते साल रिलीज हुई शाहरुख खान की सभी ने बॉक्स ऑफिस पर परचम लहरा दिया था।

मोनालिसा ने लाल साड़ी में दिखाया कातिलाना अंदाज

भोजपुरी इंडस्ट्री की खूबसूरत हसीना मोनालिसा आए दिन अपने लुक्स के कारण सोशल पर चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस के उड़ गए हैं।टीवी की सुपरबोल्ड एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण इंटरनेट पर लाइमलाइट में रहती हैं। उनकी हर एक तस्वीरें चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। तस्वीरों को देखकर लोग उन पर से नजरें नहीं हटा पा रहे हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि मोनालिसा ने रेड कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो कातिलाना अदाओं से फैंस के दिलों पर खंजर चलाती हुई नजरह आ रही हैं।ओपन हेयर, गले में गोल्ड बड़े से नेकलेस, कानों में झुमकें और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।मोनालिसा की इन तस्वीरों को देखकर फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। साथ ही कॉमेंट्स के जरिए रिएक्शंस भी दे रहे हैं।एक यूजर ने मोनालिसा की पर कॉमेंट करते हुए लिखा है बेहद खूबसूरत हैं आप, वहीं दूसरे ने लिखा है- सो अमेजिंग। तीसरे यूजर ने लिखा है- मोना की हर अदाएं कातिल हैं।बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है।

रणवीर सिंह के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट

साउथ इंडस्ट्री के ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर प्रशांत वर्मा संग करेंगे राक्षस

रणवीर सिंह के पास फिल्में हैं और वह इन दिनों अधिक फिल्में साइन कर रहें हैं और अधिक स्क्रिप्ट सुन रहें हैं। अपने नए प्रोजेक्ट्स के अलावा रणवीर, दीपिका पादुकोण की प्रेग्नेंसी की खबरों और अपने वायरल डीपफेक वीडियो को लेकर भी सुर्खियों में हैं। बता दें कि ये बॉलीवुड कपल अपने पहले की उम्मीद कर रहें हैं। जबकि रणवीर अपने ब्रांड शूट और अन्य कार्यों में बिजी हैं। अब एक फेमस साउथ इंडस्ट्री फिल्म डायरेक्टर के साथ राक्षस नामक एक नई फिल्म साइन करने की खबर सामने आई है।एक रिपोर्ट में कहा गया है कि रणवीर सिंह भारतीय पौराणिक कथाओं पर एक फिल्म के लिए हनुमैन फेम प्रशांत वर्मा के साथ बातचीत कर रहें हैं। फ़िल्म पर चर्चा तब चल रही थी जब वह नए प्रोजेक्ट, राक्षस पर काम शुरू करने के लिए लोकप्रिय स्टूडियोज़ को लाने की कोशिश कर रहे थे। नई रिपोर्टों में कहा गया कि उन्हें पुष्पा, 2, उप्पेना, सरकारू वारी पाटा, कुशी और कई अन्य फिल्मों के लिए फेमस माइथ्री मूवी मेकर्स से समर्थन मिला है।रिपोर्ट में कहा गया है कि फिल्म राक्षस प्रशांत सिनेमाई ब्रह्मांड से संबंधित है। निर्देशक कई पात्रों को पेश करने और उन सभी को एक अंतिम फिल्म में एक साथ की योजना बना रहें हैं। बताया गया कि राक्षस की स्क्रिप्टिंग और विज़ुअलाइज़ेशन पहले ही पूरी हो चुकी है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि रणवीर और प्रशांत ने हनुमान जयंती के अवसर पर राक्षसों के लिए पूजा भी की थी।रणवीर सिंह के वर्कफ्रंट की बात करें फरहान अख्तर और एक्सेल एंटरटेनमेंट ने घोषणा की कि रणवीर कियारा आडवाणी के साथ डॉन 3 के लिए शाहरुख खान की जगह लेंगे। हाल ही में खबरें सामने आई कि फरहान ने इस फिल्म को कुछ समय के लिए ठंडे बस्ते में डाल दिया है। रिपोर्ट्स की मानें तो पास एस शंकर की एक फिल्म है, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह अन्नियन की रीमेक है। माना जाता है कि वह शक्तिमान पर एक फिल्म के लिए बातचीत कर रहें हैं। उनकी अगली फिल्म रोहित शेट्टी के साथ सिंघम अगेन है।

एक्ट्रेस ने दोनों बेटियों संग की मस्ती

देबिना बनर्जी ने गर्मी से बचने के लिए बिकिनी पहन पूल में लगाई छलांग

टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस देबिना बनर्जी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। देबिना बनर्जी ने एक बार फिर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जो लोगों का ध्यान खींच रही है। देबिना बनर्जी ने अपनी दोनों बेटियों के साथ पूल में नजर आ रही हैं। देबिना बनर्जी ने अपनी दोनों बेटियों को साथ पूल में जमकर मस्ती की है। देबिना बनर्जी की बेटियों के साथ की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। देबिना बनर्जी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में देबिना बनर्जी अपनी बेटियों लियाना और दिविशा के साथ नजर आ रही हैं।देबिना बनर्जी ने गर्मी के मौसम में पूल में छलांग लगा दी। देबिना बनर्जी ने अपनी बेटियों को भी पूल में उतारा है। देबिना बनर्जी ने दोनों बेटियों संग पूल में जमकर मस्ती की। देबिना बनर्जी अपनी बेटियों के साथ काफी खुश नजर आईं। देबिना बनर्जी ने गर्मी को मात देने के लिए पूल का सहारा लिया। देबिना बनर्जी ने पूल में जाने के लिए बिकिनी पहनी थी।देबिना बनर्जी की बेटियां लियाना और दिविशा भी अपनी मां के साथ काफी नजर आईं। लियाना औ दिविशा ने भी जमकर मस्ती की।

देबिना बनर्जी की तस्वीरें वायरल होने के बाद फैंस उन्हें पसंद कर रहे हैं। देबिना बनर्जी की और उनकी बेटियों को देखकर फैंस कमेंट कर रहे हैं। देबिना बनर्जी ने पूल में अपना फिगर फ्लॉन्ट करने का मौका नहीं छोड़ा। देबिना को तमाम यूजर्स ने ट्रोल भी किया है। देबिना बनर्जी ने एक्टर गुरमीत चौधरी के साथ साल 2011 में शादी की थी। देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी साल 2022 में माता-पिता बने थे।

फुरकत गाने के बारे में नेहा भसीन ने किया खुलासा

सिंगर नेहा भसीन ने अपने लेटेस्ट सॉन्ग फुरकत के बारे में खुलासा करते हुए बताया कि पोएटिक म्यूजिक वीडियो (काव्यात्मक संगीत वीडियो) बनाना मेरा जुनून है।उन्होंने कहा कि उन्हें संगीत बनाना काफी पसंद है, और पोएटिक वीडियो बनाना उनका जुनून है।नेहा ने कहा, मुझे म्यूजिक बनाना बेहद पसंद है और आइकोनिक और लुभावने म्यूजिक वीडियो बनाना मेरा जुनून है। मेरे लिए म्यूजिक विजुअल भी है।फुरकत की शूटिंग महाराष्ट्र में वाई के खूबसूरत जगहों पर की गई है। जूनो द्वारा लिखे गए लिरिक्स अलगाव और एकतरफा की थीम को एक्सप्लोर करते हैं।गाने में लोकेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिसमें बंजर पहाड़ तनहाई और तबाही की भावनाओं को चित्रित करते हैं। धूप से चमकती झील और बड़े लैंडस्केप दिल के दर्द को बयां करते हैं। इसमें नेहा अपने ट्रेडमार्क हाई-फैशन आउटफिट्स से गाने का भाव व्यक्त हैं।सिंगर ने कहा, समीर उद्दीन के निर्देशन में परफॉर्म करना एक शानदार अनुभव था। मेरे लिए, फैशन आर्ट है, और फुरकत की शानदार कम्पोजिशन है, और अब सारी मेहनत रंग ला रही है।नेहा के अलावा, गाने में इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 2 की विजेता युवा प्रतिभा सौम्या कांबले बेली करती नजर आएंगी।कांबले के बारे में बात करते हुए, नेहा ने कहा, फैंस खुश हैं, और सौम्या जैसी युवा प्रतिभा को प्रदर्शित करना सौभाग्य की बात है।

कहा- मेरा जुनून पोएटिक म्यूजिक वीडियो बनाना

मुश्किलों के जाल में फंसे यूट्यूबर एल्विश यादव अब ईडी ने दर्ज किया मनी लॉन्ड्रिंग केस

बिग बॉस ओटीटी 2 को जीतने के बाद यूट्यूबर एल्विश यादव लगातार चर्चा में बने हुए हैं। हालांकि, एल्विश यादव के चर्चा में बने रहने के पीछे उनके एक के बाद एक विवाद हैं। एल्विश यादव को कुछ दिनों पहले रेव पार्टी में कोबरा का जहर सप्लाई करने मामले में गिरफ्तार किया गया था। एल्विश यादव को कुछ दिन में जेल में रहना पड़ा था और उन्हें जमानत मिल गई थी। अब एल्विश यादव की मुश्किलें और भी बढ़ती नजर आ रही हैं। दरअसल, बताया जा रहा है कि ईडी ने एल्विश यादव के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग केस दर्ज किया है। आइए जानते हैं कि आखिर पूरा मामला क्या है।

एल्विश यादव की एक के बाद एक मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। कोबरा कांड केस के बाद अब ईडी ने एल्विश यादव के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया बताया जा रहा है कि ईडी जल्द ही एल्विश यादव से पूछताछ कर सकती है। इसके साथ ही एल्विश यादव के पास महंगी कारों को लेकर ईडी जांच कर सकती है। बताते चलें कि 2 नवंबर को नोएडा में दर्ज मामले को आधार बनाते हुए मनी लॉन्ड्रिंग का मामला किया है। फिलहाल, एल्विश यादव की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब देखने वाली बात होगी कि एल्विश यादव के मनी लॉन्ड्रिंग केस में क्या सामने आता है। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर एल्विश यादव की जबरदस्त फॉलोइंग है और उनके फैंस चिंतित हो गए हैं। बताते चलें कि 8 नवंबर को नोएडा पुलिस ने रेव पार्ट में सांपों का जहर सप्लाई करने के मामले में एफआईआर दर्ज की थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। प्रेमी को वक्त देने की कोशिश करेंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आ जाने के कारण आप उनको समय दे पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े लोगों को दें। आज कार्यक्षेत्र में आपके किसी पुराने काम की तारीफ हो सकती है। आपके काम को देखते हुए आज आपकी तरक्की भी संभव है। कारोबारी आज अनुभवी लोगों से करोबार को आगे बढ़ाने की सलाह ले सकते हैं। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अगर आप सूझ-बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। आपकी उपलब्धी परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी क़ामयाबी की फ़ेहरिस्त में एक नया मोती जड़ेंगे। दूसरों के सामने आदर्श स्थापित करने के लिए ख़ुद को बेहतर बनाने की कोशिश जारी रखें।काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके ऑफिस का कोई सहकर्मी आपकी कीमती वस्तु चुरा सकता है इसलिए आज आपको अपना सामान ध्यान से रखने की जरुरत है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें ।
कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

हृदय-रोगियों के लिए सतर्कता के साथ योगा प्राणायाम करना चाहिए आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। विवाद, मतभेद और दूसरों की आपमें कमियाँ निकालने की आदत को नज़रअन्दाज़ करें। नयी परियोजनाओं और ख़र्चों को टाल दें। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी की कामकाज को लेकर व्यस्तता आपकी उदासी का कारण बन सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

सबकी मदद करने की आपकी इच्छा आपको आज बुरी तरह थकाएगी। आज आपको पैसों से जुड़ी कोई समस्या आ सकती है जिसे सुलझाने के लिए आप अपने पिता या पितातुल्य किसी आदमी से सलाह ले सकते हैं। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। वरिष्ठ सहकर्मी और रिश्तेदार मदद का हाथ बढ़ाएंगे। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना-जुलना होगा। आज आप अपने जीवनसाथी से काफ़ी आत्मीय बातचीत कर सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जल्दी ही बीमारी से उबरने की संभावना है। समय और धन की कद्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं।
इस राशि के उम्दराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। आपके आस-पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

क़िस्मत के भरोसे न बैठें और अपनी सेहत सुधारने के लिए ख़ुद मेहनत करें, क्योंकि हाथ पर हाथ रखे रहने से कुछ नहीं होने वाला। अब वक़्त आ गया है कि आप अपना वज़न क़ाबू में करें और स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम का सहारा लें। दिन के उत्तरार्ध में ज़्यादा तनाव न लें और आराम करें। कामकाज के मोर्चे पर आज का दिन काफ़ी अच्छा रहने वाला है। ज़रूरत के वक़्त आपका जीवनसाथी आपके परिवार की अपेक्षा अपने परिवार को ज़्यादा तरजीह देता हुआ नज़र आ सकता है ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

ज़रूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। इस राशि के कारोबारियों को आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ जो आपके हालात और ज़रूरतों को समझते हैं। यात्राओं से व्यावसायिक संबंधों में सुधार होगा। आज आपको अपने ससुराल पक्ष से कोई बुरी खबर मिल सकती है जिसके कारण आपका मन दुखी हो सकता है और आप काफी समय सोच विचार करने में गंवा सकते हैं। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं। आज प्यार के मामले में सामाजिक बंधन तोड़ने से बचें। कार्यालय में सबकुछ आपके पक्ष में जाता नज़र आ रहा है। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा। आप अपने जीवनसाथी को समझने में आपसे ग़लती हो सकती है ।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 05 मई 2024 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी सायं 05:44 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा रात्रि 07:58 तक
योग : वैधृति प्रातः 07:36 तक
करण : कौलव प्रातः 07:13 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:37 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:35 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49, सूर्यास्त 06:28 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:27 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत ,
श्री सेन जयंती 724 वीं , गण्डमूल रात्रि 07:59 से , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अर्जित शिक्षा का राष्ट्र और समाज के उत्थान में उपयोग करें विद्यार्थी : मिश्र

जोधपुर, 04 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के राज्यपाल और कुलाधिपति कलराज मिश्र ने कहा है कि विद्यार्थी अर्जित शिक्षा का उपयोग राष्ट्र और समाज के उत्थान के लिए करे। श्री मिश्र ने शनिवार को जोधपुर में फुटवियर एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के तृतीय दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने फुटवियर डिजायन के क्षेत्र में नवाचार अपनाते हुए इस क्षेत्र के उत्पादों के निर्यात से अर्थव्यवस्था के सुदृढीकरण का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उद्यमिता विकास जरूरी है। नई पीढ़ी नौकरी करने की सोच की बजाय प्रदाता बने। उन्होंने नई शिक्षा नीति के आलोक में पाठ्यक्रम अपडेट किए जाने पर भी जोर दिया।

राज्यपाल ने कहा कि एफ.डी.डी.आई जोधपुर फैशन एवं फुटवियर तकनीक से जुड़ा एक महत्वपूर्ण संस्थान है। संस्थान का मुख्य ध्येय शिक्षा के साथ हस्तशिल्प कौशल को बढ़ावा देना है। विश्वभर में आज एवं फैशन उद्योग जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसे दृष्टिगत रखते हुए यह संस्थान भविष्य की दिशा तय करेगा। उन्होंने कहा कि इस संस्थान में फुटवियर एवं फैशन उद्योग से जुड़े विश्व के उत्कृष्ट एवं निपुण डिज़ाइनर तैयार हों। तथा प्रयास करे कि डिजाइनिंग के क्षेत्र में यह उत्कृष्ट संस्थान बने।

श्री मिश्र ने कहा कि वैश्विक बाजार मांग के अनुरूप भारत इस क्षेत्र में अग्रणी बने यह हम सबका प्रयास हो। उन्होंने कहा कि संस्थान एथलेटिक और गैर एथलेटिक फुटवियर की श्रेणीवार बाजार मांग का अध्ययन कर फुटवियर उत्पादों के विकास के लिए नवाचार और नवीन शिक्षा का प्रबंधन करे, जिससे विद्यार्थी वैश्विक बाजार मांग के दृष्टिगत अपने आपको तैयार कर सकें। इससे पहले राज्यपाल ने संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का वाचन कराया। समारोह के दौरान श्री मिश्र ने वर्ष 2022 एवं 2023 बैचलर इन डिजाइन, फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन और फैशन डिजाइन ओवरऑल टॉपर को तीन स्वर्ण पदक एवं कोर्स टॉपर को पांच रजत पदक प्रदान किए गए। समारोह में 153 विद्यार्थियों को डिग्रियां वितरित गई। इनमें बैच 2022 बैचलर इन डिजाइन, फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन के 16 विद्यार्थी एफडीडीआई गुना कैंपस के भी शामिल हैं। समारोह में फुटवियर डिजाइन एंड इंस्टीट्यूट के मैनेजिंग डायरेक्टर कर्नल पंकज कुमार सिन्हा, कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार, इंस्टीट्यूट का स्टाफ , विद्यार्थी, अभिभावक सहित आमजन मौजूद थे।

आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने किया हमला

भरतपुर, 04 मई (एजेंसियां)। जिले के भुसावर थाना क्षेत्र के पथैना गांव में शनिवार आरोपी को पकड़ने गयी पुलिस की अपराध शाखा (सीआईडी) टीम को बंधक बनाकर मारपीट करने तथा उनकी गाड़ी में आग लगाने के प्रयास का मामला सामने आया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस हमले में सीआईडी टीम के दो सदस्य के घायल हो जाने की जानकारी भी मिली है। घायलों से एक सीआईडी कर्मी के सिर में गम्भीर चोट बतायी गयी है। घटना की जानकारी मिलने पर भुसावर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंच सीआईडी की टीम को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़वा कर फरार आरोपी के परिजनों को हिरासत में लिया है। संदिग्ध अपराधी टीम के साथ हुई के बाद से फरार हैं।

बताया गया कि निरीक्षक रूप नारायण मीणा के नेतृत्व में सीआईडी एसबी जोन भरतपुर की टीम सादा वस्त्रों में एक उपनिरीक्षक, दो कॉन्स्टेबल और ड्राइवर के साथ एक संदिग्ध अपराधी की तलाश में पथैना गांव पहुंची थी जहां उसे पकड़ भी लिया गया लेकिन आरोपी के परिजन और ग्रामीणों ने टीम की गाड़ी को चारों तरफ से घेर लिया और लाठी-सरियों से टीम पर हमला कर दिया। इस दौरान ग्रामीण गाड़ी के ऊपर भी चढ़ गये और उसे आग लगाने का प्रयास किया गया।

टीम ने जब मौके से गाड़ी को भगाने का किया तो लोग सामने खड़े हो गये और आरोपी को टीम से छुड़ा फरार करा दिया। टीम की काफी मिन्नतें करने के बाद ग्रामीणों ने सीआईडी कर्मियों के साथ मारपीट को रोका। टीम के घायल एक कॉन्स्टेबल और ड्राइवर का मेडिकल करवाया गया है।

दीपेंद्र ईब थौरे हवाले जिताओ या हराओ : भूपेंद्र हुड्डा

रोहतक, 04 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा में विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा और बीबी बत्ता ने शनिवार को पार्टी के प्रत्याशी दीपेंद्र हुड्डा का नामांकन दाखिल करवाया। इसके बाद भूपेंद्र सिंह हुड्डा कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए। पार्टी कार्यालय के सामने आंबेडकर चौक पर संबोधित करते हुए कहा, दीपेंद्र ईब थौरे हवाले, जिताओ या हराओ। यूं चुनाव थाम नै लड़ना है। उन्होंने कहा कि मेरा मन है, एक बार और टक्कर ले लूं। अब नाम थाम और ना मैं किसी की काबू का। पूरे हरियाणा में जाऊंगा, रोहतक थाम संभाल लेना। हालांकि नामांकन से कांग्रेस के एसआरके गुट ने दूरी बनाकर रखी। साथ में चौधरी बीरेंद्र सिंह भी नामांकन में नहीं आए। जबकि वे सिरसा शैलजा का नामांकन करवाने थे।

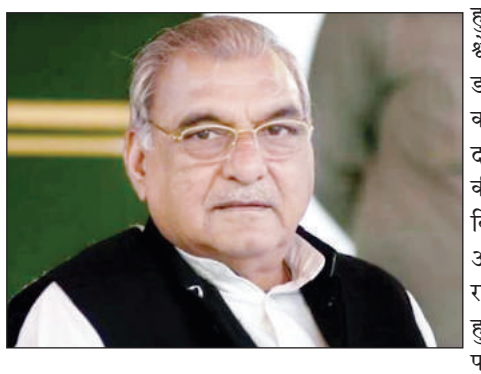

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यकर्ता जो भीषण गर्मी में पसीना ले रहे हैं, वह प्रदेश की राजनीति में बदलाव लेकर आएगा। पूरे देश में कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन बनाया है, क्योंकि भाजपा संविधान को बदलाना चाहती है, इसलिए विपक्ष एकजुट हुआ है। संविधान को बचाना है, क्योंकि बचेगा तो लोकतंत्र बच पाएगा। रोहतक में ही नहीं, पूरे प्रदेश में 10 सांसद बनाने हैं। लोकसभा चुनाव की जीत प्रदेश में अगली कांग्रेस सरकार बनाने का रास्ता साफ करेगी। दीपेंद्र की जीत का अंतर सबसे ज्यादा होना चाहिए।

सुबह कांग्रेस प्रत्याशी दीपेंद्र हुड्डा हवन के बाद नामांकन दाखिल डी पार्क स्थित आवास पर हुड्डा परिवार पहुंचा और मंत्रों के बीच आहुति डालकर हवन किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, उनकी पत्नी आशा हुड्डा, दीपेंद्र हुड्डा व उनकी पत्नी श्वेता ने हवन कुंड में आहुति डाली। इसके बाद चुनाव कार्यालय पहुंचकर नामांकन दाखिल किया। साथ में झज्जर की गीता भुक्कल, कलानौर की विधायक शकुंतला खटक, मां आशा हुड्डा व पत्नी श्वेता मौजूद रही। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व दूसरे कांग्रेस नेता सीधे पार्टी कार्यालय के बाहर बनाए गए मंच पर पहुंचे। नगर निगम के पूर्व डिप्टी मेयर अनिल कुमार, वार्ड एक से पार्षद कृष्ण सहरावत व 9 से पार्षद जयभगवान ठेकेदार ने नामांकन के मौके हुई सभा में पांच साल बाद फिर कांग्रेस का फटका पहन लिया। तीनों पूर्व पार्षद पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर व मेयर की ओर से चुनावी ड्यूटी लगाने के लिए बुलाई गई मीटिंग में भी नहीं पहुंचे थे।

दोहरी हत्या और सामूहिक दुष्कर्म के चार दोषियों को फांसी की सजा

मेवात, 04 मई (एजेंसियां)। जिले के डिंगरहेडी गांव के एक किसान और उसकी पत्नी की पीट-पीटकर हत्या और दो मौसेरी बहनों के साथ दुष्कर्म के मामले में चार दोषियों को सीबीआई की विशेष अदालत ने फांसी की सजा सुनाई। फांसी की सजा दोषी विनय, जय भगवान, हेमंत चौहान और अयान चौहान को हुई। वरिष्ठ एडवोकेट एसपीएस परमार और एडवोकेट अभिषेक सिंह राणा ने बताया कि छह आरोपी तेजपाल यादव, अमित यादव, रविंदर करमजीत, राहुल वर्मा और संदीप को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया था। सीबीआई कोर्ट ने बरी करते हुए कहा कि इन छह आरोपियों के खिलाफ सीबीआई ठोस सबूत नहीं पेश कर पाई। इस कारण यह इसमें शामिल नहीं पाए जा रहे हैं। इस कारण इन्हें बरी किया रहा है।

बताते चलें कि 24 और 25 अगस्त 2016 की रात बदमाशों ने दोहरे हत्याकांड सहित एक नाबालिग सहित दो युवतियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। दूसरे समुदाय के आरोपी युवतियों के साथ गैंगरेप के अलावा दंपती की हत्या कर परिवार के पांच लोगों को घायल भाग गए थे। वरिष्ठ एडवोकेट अभिषेक सिंह राणा ने बताया कि इस वारदात को बावरिया गैंग ने अंजाम दिया था। दोषी करार दिए गए यह सभी इस गैंग से जुड़े सदस्य थे। इस मामले में पहले जांच करते हुए हरियाणा पुलिस की ओर से 21 नवंबर 2016 को चार्जशीट की गई थी। इसमें चार लोगों को आरोपी बनाया गया था। इस मामले में जांच सीबीआई को दी गई। केंद्रीय अन्-वेषण ब्यूरो ने इस मामले की जांच करते हुए 24 जनवरी 2018 को चार्जशीट दायर की थी। इस मामले में सीबीआई ने फिर से जांच कर 29 नवंबर 2019 सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की थी। इसमें तीन लोगों को आरोपी बनाया गया था। मेवात हत्या और दुष्कर्म मामले में आरोपी विनय उर्फ लंबू, जयभगवान, हेमंत चौहान और अयान चौहान को जिला अदालत ने दोषी करार दिया। वहीं तेजपाल, अमित, रविंदर, करमजीत, संदीप और राहुल वर्मा को सीबीआई कोर्ट ने किया है। वहीं एक आरोपी अमरजीत पैरोल पर आने के बाद फरार हो गया था, जिसकी गिरफ्तारी अभी बाकी है। आईपीसी की धारा 376 डी, 302, 325, 326, 397, 459, 460 और पोस्को एक्ट के तहत दोषी करार दिया गया है। इस मामले में 12वां आरोपी हंसराज बनाया गया जब उसे सीबीआई ने तलब किया तो उसने आत्महत्या कर ली थी।

भ्रष्टाचार के मामले अब श्रम विभाग का कार्मिक होगा बर्खास्त

जयपुर, 04 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उप श्रम आयुक्त अलवर के कनिष्ठ सहायक देशराज सिंह गुर्जर को भ्रष्टाचार के मामले में न्यायालय द्वारा कारावास एवं जुर्माने से दंडित किए जाने के फलस्वरूप सेवा से बर्खास्त किए जाने के प्रस्ताव का किया है।

अब श्रम विभाग कनिष्ठ सहायक को सेवा से बर्खास्त करने की कार्यवाही करेगा। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत भ्रष्ट कार्मिकों के विरूद्ध सरकार द्वारा लगातार कठोर कार्यवाही की जा रही है। मुख्यमंत्री द्वारा अलवर की मै. एसएसबी इंजीनियर्स प्रा. लि. व टपूकड़ा की स्टील्स प्रा. लि. के विरूद्ध कारखाना अधिनियम की धारा सात ए के तहत न्यायालय में अभियोजन चलाने के प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया है। इन कारखानों में अधिनियम में अंकित सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन होने से दुर्घटना के कारण तीन श्रमिकों की मृत्यु हो गई थी। अब श्रम विभाग कारखानों के प्रबंधकों के विरूद्ध न्यायालय में अभियोजन चलाएगा।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत मायकेवालों ने किया हंगामा

यमुनानगर, 04 मई (एजेंसियां)। जिले के खदरी गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने ससुराल वालों पर 35 वर्षीय रजिया की हत्या करने का आरोप लगाया है। ससुराल वालों की गिरफ्तारी की मांग को मायके वालों ने पोस्टमार्टम हाउस यमुनानगर में हंगामा कर दिया। वह रजिया के पति मोहम्मद सुल्तान, ससुर मोहम्मद हसन व ननद बलकिस को गिरफ्तार करने की मांग पर अड़े रहे। परिजनों ने अस्पताल में नारेबाजी की। कई बार वह अस्पताल के बाहर सड़क पर जाम लगाने के लिए भी लेकिन पुलिस ने उन्हें समझा बुझा कर शांत किया।

शाहबाद के छपरी गांव निवासी शादीलाल ने कहा कि उसकी बेटी का निकाह वर्ष 2012 में खदरी गांव में मोहम्मद सुल्तान के साथ हुआ था। शादी में बाद से ही ससुराल में रजिया के साथ मारपीट की जाती थी। इसे कई बार दोनों पक्षों की पंचायतें भी हुई। हर बार वह माफी मांग कर आगे से ऐसी हरकत नहीं करने का आश्वासन देते थे। परंतु उनके रवैये में कोई बदलाव नहीं आया। आरोप है कि शुक्रवार सुबह 11 बजे रजिया ने उन्हें फोन करके कहा था कि ससुराल वाले साथ

मारपीट कर रहे हैं। वह उसे आकर बचा लें और अपने साथ घर ले जाएं। सूचना पाते ही मायके वाले बेटी की ससुराल के लिए घर से चल दिए। इसी बीच रास्ते में रजिया के पति मोहम्मद सुल्तान ने फोन करके कहा कि रजिया ने कोई जहरीला पदार्थ लिया है जिससे उसकी मौत हो गई। वह खदरी गांव में पहुंचे तो रजिया मृत पड़ी थी। मायके वालों ने जहर देकर रजिया को मारने का आरोप लगाया। परिजन ससुराल वालों की गिरफ्तारी के लिए अड़ गए। अस्पताल में ही पोस्टमार्टम हाउस के बाहर उन्होंने नारेबाजी की और रेलवे रोड पर जाम लगाने का प्रयास किया।

परिजनों ने यह भी धमकी दी कि यदि पुलिस ने ससुराल वालों पर आईपीसी की धारा 307 के तहत केस दर्ज नहीं किया तो वह शव को लेकर नहीं जाएंगे। थाना प्रतापनगर एसएचओ सतनाम सिंह का कहना है कि मामले में कार्रवाई जा रही है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है।

पेड़ पर लटका मिला विवाहिता का शव

डूंगरपुर, 04 मई (एजेंसियां)। जिले के दोवड़ा थाना क्षेत्र के खेमपुर गांव में एक महिला ने अपने पीहर में पेड़ से फंदा लगाकर सुसाइड कर महिला की शादी 11 दिन पहले हुई थी। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोवड़ा थाने के हेड कांस्टेबल वल्लभराम पटेल ने बताया कि खेमपुर निवासी अर्जुनलाल अहारी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया उसने अपनी बेटी तुलसी (20) की शादी 23 अप्रैल 2024 को उपरगांव निवासी मनोज के साथ करवाई थी। शादी के बाद विवाह पंजीयन बनवाने के लिए उसकी बेटी तुलसी और दामाद मनोज घर आए हुए थे। इस बीच अर्जुनलाल बकरियां लेकर खेतों की ओर जा रहा था। इस दौरान घर के पीछे पेड़ से उसकी बेटी तुलसी का शव फंदे पर लटका हुआ देखा। जिस पर परिजनों के होश उड़ गए।

अलमारी का ताला तोड़ गहने और नकदी ले उड़े चोर, सोता रहा परिवार

भरतपुर, 04 मई (एजेंसियां)। जिले के उच्चैन थाना इलाके के बसेरी गांव में चोरों ने देर रात एक घर को निशाना बनाया। चोरों ने कमरों का ताला तोड़कर अलमारियों में गहने और नकदी चोरी कर लिए। सुबह जब पांच बजे मकान के अंदर सो रहे लोग उठे तो, उन्हें घटना के बारे में पता लगा। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी के अनुसार घटना बसेरी गांव की है। सुगड़ सिंह और उसका परिवार देर रात घर में सो था। इस दौरान चोर घर के पीछे की दीवार फांदकर घर में दाखिल हुए। चारों ने बरामदे का गेट बंद कर लिया। वहां पर दो कमरे थे, जिनमें ताला लगा हुआ था। चोरों ने कमरों का ताला तोड़ा और कमरों में रखीं अलमारियों से गहने और नकदी लेकर फरार गए।

सुबह सुगड़ सिंह के परिवार को मंदिर जाना था इसलिए परिवार के

सभी लोग सुबह पांच बजे उठ गए। उन्होंने देखा तो दोनों कमरों का ताला टूटा हुआ है। कमरे में रखी अलमारियों का ताला टूटा हुआ है। घर में रखे सोने चांदी के जेवर गायब हैं। सुगड़ ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस की टीम और अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके अलावा एफएसएल की टीम, डॉग स्क्वायड की टीम, साइबर टीम को बुलाया। उन्होंने मौके से साक्ष्य जुटाए। घटना से ग्रामीणों में काफी रोष है। ग्रामीणों ने पुलिस के अधिकारियों के सामने की गश्त व्यवस्था पर सवाल उठाये और रोजाना गश्त की मांग की।

केके पाठक को झटका, यूनिवर्सिटी के बैंक खातों से हटी रोक

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में शिक्षा विभाग और राजभवन के बीच टकराव में पटना हाईकोर्ट से शिक्षा विभाग के एसीएस केके पाठक को बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने सभी विश्वविद्यालयों के खातों पर लगी रोक को हटा दिया है। कोर्ट ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, रजिस्ट्रार और अन्य कर्मियों के वेतन पर लगी रोक को भी हटा दिया।

हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग और विश्वविद्यालयों के बीच समन्वय बैठक को कहा है। पटना में शिक्षा विभाग बैठक का आयोजन करेगा लेकिन उसकी अध्यक्षता एसीएस केके पाठक नहीं कर पाएंगे। बैठक में अगर राज्य के मुख्य सचिव शामिल होते हैं तो वे बैठक की अध्यक्षता कर सकते हैं। बैठक

की पूरी वीडियोग्राफी भी होगी ताकि सम्मानजनक बातचीत हो। शिक्षा विभाग की तरफ़ से वेतन और खातों पर रोक लगाए जाने के बाद विश्वविद्यालयों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

पटना हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक को बड़ा झटका दिया। बिहार के सभी विश्वविद्यालयों बैंक खातों पर लगी रोक को हटा लिया। केके पाठक की बुलाई बैठक में शामिल नहीं होने पर शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया था। हाईकोर्ट ने बैंक खातों पर लगी रोक तत्काल हटा ली है। इतना ही नहीं, हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग में सभी कुलपतियों की बैठक बुलाने पर भी रोक लगा दी।

हाईकोर्ट ने कहा कि शिक्षा विभाग विश्वविद्यालय के साथ बैठक करेगा, लेकिन केके पाठक इसकी अध्यक्षता नहीं करेंगे। ये बैठक शिक्षा विभाग के बजाय किसी दूसरे स्थान पर होगी। साथ ही बैठक की वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। न तो केके पाठक और न ही शिक्षा विभाग, किसी कुलपति या विश्वविद्यालय के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई कर सकता है।

बिहार के शिक्षा विभाग ने सभी विश्वविद्यालयों के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया था। इसके चलते शिक्षकों और कर्मचारियों का वेतन और पेंशन रुक गया था। विश्वविद्यालय के छोटे-मोटे खर्चों के लिए भी फ़ंड नहीं मिल पा रहा था। सभी विश्वविद्यालयों ने पटना हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस मामले की सुनवाई जस्टिस अंजनी कुमार शरण की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता पीके शाही और राज्यपाल की ओर से एएसजी ने इस बात पर सहमति जताई कि वीसी की बैठक शिक्षा विभाग के बजाय किसी तटस्थ स्थान पर होनी चाहिए।

पटना हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि 6 मई को शिक्षा विभाग पटना के होटल मौर्या में विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ बैठक करेगा।

इसमें होने वाले सभी खर्च शिक्षा विभाग उठाएगा। इसका उद्देश्य सद्भावना को बढ़ावा देना और विश्वविद्यालय और शिक्षा विभाग के बीच तनाव को दूर करना है। इस मामले पर अगली सुनवाई 17 मई को होगी।

मनचलों ने रास्ते में घेर कर की युवती से छेड़खानी

विरोध करने पर मां-बेटे से मारपीट कर छीना मंगलसूत्र

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के नालंदा में बेटी से छेड़खानी का विरोध करने पर मां-बेटे के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। साथ ही उनसे मंगलसूत्र और लॉकेट भी लूट लिया गया। यह मानपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की बताई जा रही है। वहीं, घटना के बाद घायलों को इलाज के लिए परिजन द्वारा शनिवार को बिहार शरीफ़ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना को लेकर पीड़िता ने बताया कि वह अपनी बेटी के साथ बीती शाम शौच के लिए बाहर जा रही थी। इसी बीच चार लड़कों ने आकर उन्हें घेर लिया और पूछने लगा कि कहां जा रहे हो। इसी बीच पीछे से आ रही

उनकी बेटी के साथ छेड़खानी करने लगे। इसके बाद उन लोगों ने जब शोर मचाया तो घर वाले वहां पहुंचे। इसके बाद बदमाशों ने मारपीट शुरू कर दी। पीछे से उसके और साथी लाठी-डंडे लेकर वहां आ गए और मारपीट कर उनकी मां और भाई को जख्मी कर दिया। हल्की चोट उन्हें भी आई।

पीड़िता ने बताया कि इस दौरान बदमाशों ने उनके गले से मंगलसूत्र, कर्ण वाली और उनके भाई का सोने का लॉकेट काट लिया। जब भीड़ जुटने लगी तो बदमाश वहां से फ़रार हो गए। वह अपनी मायके बेटी के साथ शुक्रवार को ही आई थी। वह सपरिवार कोलकाता में रहती है।

परिजन मारपीट, लूटपाट और छेड़खानी का आरोप गांव के ही कुछ लोगों पर लगा रहे हैं। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस सदर अस्पताल पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है। मानपुर थाना अध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि छेड़खानी का विरोध करने पर मारपीट की गई है। पुलिस पीड़िता से पूछताछ में जुटी हुई है। कुछ लोगों का नाम सामने आया है। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राज्यपाल ने केके पाठक को फिर बुलाया राजभवन

पटना (एजेंसियां)।

राज्यपाल और शिक्षा विभाग के बीच का मतभेद अभी भी जारी है। ऐसे में एक बार फ़िर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने केके पाठक को तलब करते हुए उन्हें राजभवन बुलाया है। वर्तमान समय में स्नातक और स्नात्कोत्तर में विद्यार्थियों के नामांकन की स्थिति की जानकारी ली जाएगी।

पिछले दिन 15 अप्रैल 2023 को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने केके पाठक को तलब करते हुए अपने कार्यालय में बुलाया था लेकिन केके पाठक वहां नहीं पहुंचे। एक बार फिर राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने के के पाठक को राजभवन बुलाया है। जानकारी के मुताबिक इससे पहले भी राजभवन

की ओर तीन बार कुलपतियों की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें केके पाठक को भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन उस वक्त भी वह राजभवन नहीं आये।

राज्यपाल के प्रधान सचिव रॉबर्ट एल चोंग्थू ने सभी कुलपतियों को गुरुवार को पत्र भेजा है, जिसमें सभी कुलपतियों से वर्तमान समय में स्नातक और स्नात्कोत्तर में विद्यार्थियों के नामांकन की स्थिति की जानकारी ली जाएगी। राज्यपाल के प्रधान सचिव रॉबर्ट एल चोंग्थू ने इसको लेकर सभी कुलपतियों को गुरुवार को पत्र भेजा है। इस पत्र में कुलपतियों को कहा गया है कि उक्त विषयों पर अपनी रिपोर्ट तीन मई तक राजभवन को भेज दें और 6 मई को राजभवन पहुंचे।

लालू यादव एक्स पर भांज रहे चुनावी लाठी

तेजस्वी जनसभा में बांट रहे नौकरी निशाने पर नीतीश नहीं कोई और?

पटना (एजेंसियां)।

आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भले ही अपने चुनाव प्रचार का दायरा दोनों बेटियों के चुनाव क्षेत्र तक ही सीमित कर लिया है, लेकिन बैठे-बैठे उन्होंने अपनी सियासी सक्रियता बढ़ा दी है। सोशल मीडिया के जरिए वे अपनी सक्रियता दिखाते रहते हैं। आश्चर्य है कि लालू के निशाने पर बिहार के सीएम नीतीश कुमार या एनडीए के दूसरे नेता नहीं होते। वे जब भी बोलते हैं तो निशाने पर सिर्फ़ पीएम नरेंद्र मोदी ही होते हैं। कभी वे कहते हैं कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार अगर सत्ता में आए, तो संविधान और आरक्षण को खत्म कर देंगे। अब वे नरेंद्र मोदी के भाषणों के पसंदीदा शब्दों को बता रहे हैं। लालू की नरेंद्र मोदी के खिलाफ़ इस कवायद का परिणाम तो चार जून को ही पता चलेगा, जब चुनाव परिणाम आएंगे। पर, लालू और इंडी अलायंस के अन्य नेता मतदान कम होने को मोदी के खिलाफ़ मान रहे हैं। लालू के बेटे बिहार के पूर्व डेप्युटी सीएम तो इतने उत्साहित हैं कि वे बार-बार चौंकाने वाले परिणाम की बात कहते नहीं थकते।

लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ार्म 'एक्स' पर लिखा है- 'प्रणाम देशवासियों। हिंदी भाषा में आज लगभग 1.5 लाख शब्द बताए जाते हैं तथा अध्ययन ये की सभी शाखाओं में तकनीकी शब्दों को मिलाकर लगभग 6.5 लाख शब्द हैं। लेकिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पसंदीदा, सबसे शब्द हैं-

पाकिस्तान, श्मशान, कब्रिस्तान, हिंदू-मुसलमान, मंदिर-मस्जिद, मछली-मुगल, मंगलसूत्र, गाय-भैंस। ऊपर की लिस्ट पहले दो चरणों के चुनाव होने तक की है। सातवें चरण तक इस लिस्ट में कुछ दो-चार नाम और बढ़ सकते हैं। नौकरी-रोजगार, गरीबी-किसानी, महंगाई-बेरोजगारी, विकास-निवेश, छात्र-विज्ञान-नौजवान इत्यादि मुद्दे भूल गए हैं।' लालू के इस पोस्ट से यही लगता है कि उन्होंने मोदी के अब तक के भाषणों को बड़े मनोयोग से सुना है। हालांकि वे यह भी बता देते कि इन शब्दों का इस्तेमाल मोदी ने अनायास किया है या किसी प्रसंग में, तो पाठक उनकी बात और बेहतर ढंग से समझ पाते।

लालू यादव ने लोकसभा की लड़ाई का टूल सोशल मीडिया प्लेटफ़ार्म 'एक्स' को बना रखा है। वे इसी माध्यम से नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते रहते हैं। उन्होंने ट्वीट के माध्यम से पहली बार यह सवाल उठाया था कि भाजपा अगर तीसरी बार सत्ता में आई तो संविधान, आरक्षण और लोकतंत्र को खत्म कर देगी। उन्होंने अलग-अलग तारीखों में 'एक्स' पर लिखा है। पहली मई को उन्होंने लिखा- 'महान विद्वान गरीबों के मसीहा बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा रचित संविधान को समाप्त कर और मोदी सरकार किसी ऐरा-गैरा बाबा का संविधान लागू करना चाहती है। दलितों और पिछड़ों का आरक्षण और सरकारी नौकरी खत्म करना चाहती है बीजेपी। ऐसा करना लंबे समय से बीजेपी की मंशा और एजेंडा रहा है।'

अगले पोस्ट में उन्होंने लिखा- 'भारतीय जनता पार्टी, मोदी सरकार और बीजेपी के नेताओं को बाबा साहब अंबेडकर द्वारा रचित देश के सबसे पवित्र ग्रंथ संविधान से नफरत क्यों है? बीजेपी संविधान और लोकतंत्र के खात्मे के साथ-साथ देश से सरकारी नौकरी और आरक्षण को भी समाप्त कर देगी।' बाजाप्ता उदाहरण देकर उन्होंने लिखा कि कैसे भाजपा लोकतंत्र खत्म करना चाहती है- 'सबने चंडीगढ़ मेयर चुनाव में भी देखा, कैसे ये लोकतंत्र को समाप्त कर रहे हैं? इस चुनाव में सूरत, गुजरात से विपक्षी उम्मीदवार का नामांकन रद्द कर उसे इगझ में शामिल करा तथा शेष उम्मीदवारों से पर्चा वापस करा मतदाताओं को उनके वोट देने के लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित किया गया है। देश बचाने वाले इस महत्त्वपूर्ण चुनाव में अपना वोट विवेक और बुद्धि से खछऊखअ गठबंधन को दें, अन्यथा ये भाजपाई संविधान और लोकतंत्र खत्म कर, पूरे देश में यही सूरत मॉडल लागू कर देंगे।

बाबा साहब अंबेडकर द्वारा दिए गए वोट के अधिकार को छीन लेंगे। संविधान और वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था को समाप्त कर देंगे। मोदी सरकार दलितों, पिछड़ों, वंचितों और गरीबों का आरक्षण, नौकरी, लोकतंत्र और संविधान क्यों समाप्त करना चाहती है? जवाब दें? जो प्रधानमंत्री लोकतांत्रिक मूल्यों, लोक लाज, मर्यादा व पद की गरिमा त्याग तथा संविधान को दरकिनार कर स्वयं जनता के बीच झूठ, भ्रम और नफ़रत फ़ैला समाज से न्याय, सौहार्द, बराबरी और भाईचारे को समाप्त कर देश एवं समुदायों में विघटन व विभाजन पैदा करने पर उतारू हो, तो ऐसे व्यक्ति को एक क्षण भी पद पर रहने का नैतिक अधिकार नहीं है।

हमारे महान देश एवं न्यायप्रिय समाज ने ना कभी ऐसी विभाजनकारी सोच को बर्दाश्त किया है और ना ही करेगा। यह गांधी, फ़ुले, कलाम, अंबेडकर, लोहिया, जेपी और कर्पूरी का देश है। कुर्सी के लिए इस महान देश एवं बाबा साहब के संविधान की बलि चढ़ाने की मंशा रखने वाले ऐसे लोगों को जनता इस चुनाव में कड़ा सबक सिखायेगी।'

सवाल उठता है कि नरेंद्र मोदी से लालू यादव को इतनी चिढ़ क्यों है। सत्ता पक्ष और विपक्ष में शह-मात के खेल चलते रहता है। दोनों एक दूसरे की बखिया भी उधेड़ते हैं। पर, यह तो निहायत निजी लड़ाई लग रही है। दरअसल पीएम मोदी ने बिहार की अपनी पहली सभा में लालू की कमजोर नस पर बड़ा प्रहार कर दिया था। उन्होंने लालू की परिवारवादी राजनीति, भ्रष्टाचार और लालू-राबड़ी शासन के जंगलराज की याद दिला दी थी। लालू को लगा होगा कि भाजपा के पास विपक्ष के खिलाफ़ अब कोई ब्रह्मास्त्र नहीं बचा है। इसलिए बारी-बारी से लालू परिवार ने मोदी को निशाने पर लेना शुरू किया। सबसे पहले तेजस्वी यादव ने एनडीए में परिवारवादी नेताओं की सूची पीएम की अगली सभा के एक दिन पहले सार्वजनिक कर दी। संयोगवश पीएम ने जमुई और उसके बाद की सभाओं में परिवारवाद पर चुप्पी साध ली। इसे आरजेडी ने अपनी बड़ी कामयाबी मान ली। फ़िर लालू सक्रिय हुए और उन्होंने भाजपा से संविधान, आरक्षण और लोकतंत्र को खतरा बता कर नरेंद्र मोदी पर अटैक करना जारी रखा। ये ऐसे मुद्दे थे, जिसे विपक्षी गठबंधन के दूसरे नेताओं ने भी जोर-शोर से हवा देनी शुरू कर दी। और, अब लोकसभा चुनाव का केंद्रीय मुद्दा भी यही बन गया है। विपक्ष आरोप लगा रहा है और भाजपा के नेता सफ़ाई देते फ़िर रहे हैं। नरेंद्र मोदी कहते हैं कि संविधान बदलने का पाप करना होता तो इसके लिए उनके पास 10 साल काफी थे।

ममता बनर्जी की राह पर चले तेजस्वी यादव पांव में मोच को भी बना दिया चुनावी मुद्दा

पटना (एजेंसियां)।

राजद नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव शुक्रवार को दर्द से बेचैन दिखे। उन्हें मंच से कार्यकर्ताओं ने सहारा देकर नीचे उतारा। उन्होंने शनिवार को बताया कि उनकी कमर में दर्द है जो बढ़ गया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि मेरा यह दर्द बिहार के उन करोड़ों बेरोजगार युवाओं की तकलीफ़ के आगे कुछ भी नहीं है। तेजस्वी यादव ने शनिवार को अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया, 'महीनों से अलट-पलट वाली अथक सामाजिक राजनीतिक यात्रा रही है। आराम के अभाव एवं निरंतर यात्रा के कारण दो हफ्ते से कमर में हल्का दर्द था, दो दिन से अचानक बढ़ गया।' आपको बता दें कि इससे पहले ममता बनर्जी ने भी 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पैर में चोट दिखा कर सहानुभूति बटोरने की कोशिश की थी।

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि 'लेकिन मेरा ये दर्द बिहार के उन करोड़ों बेरोजगार युवाओं की तकलीफ के आगे कुछ भी नहीं है, जो नौकरी-रोजगार की आस में बैठे हैं जिनके सपनों को विगत 10 वर्षों में धर्म की आड़ में कुचला गया है। मैं अपने दर्द को भूल जाता हूं जब देखता हूं कैसे गरीब माताओं-बहनों को महंगाई के कारण रसोई चलाने में भारी पीड़ा का अनुभव होता है। किसान

भाइयों को सिंचाई के साधन व फसल का उचित दाम नहीं मिलने तथा संसाधनों के अभाव एवं रोजी-रोटी के लिए लाखों साथियों के पलायन का कष्ट देखता हूं, तो मुझे मेरा दर्द महसूस भी नहीं होता।' नीचे देखिए वो वीडियो जिसमें तेजस्वी को समर्थकों ने सहारा देकर मंच से नीचे उतारा।

तेजस्वी यादव ने आगे लिखा कि 'छात्र को पीड़ा है क्यूंकि उन्हें अच्छी पढ़ाई नहीं मिल पा रही। बिहार के मेरे बुज़र्गों की पीड़ा है कि उन्हें अच्छी दवाई नहीं मिल पा रही, थाना और ब्लॉक के भ्रष्टाचार से आमजन परेशान है। हर वर्ग को पीड़ा है क्यूंकि उनके अधिकार, उनका न्याय उन्हें नहीं मिल पा रहा है। मैं इन सबों की तकलीफ़ में अपने आप को सा-झीदार मानता हूं।'

तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि बिहार में एनडीए सरकार से जनता त्रस्त है। ऐसे में यदि मैंने अपनी पीड़ा की चिंता की और ये कदम रुक गए तो फिर लोगों की उम्मीदें भी बुझ जाएगीं। महंगाई, तानाशाही, अत्याचार और अन्याय की आग में बिहार झु-लसता रहेगा। इसलिए मैंने तय किया है कि भले ही बाधा कितनी हो, भले ही दर्द कितना हो, रुकना नहीं है, झुकना नहीं है और थकना नहीं है। लक्ष्य की प्राप्ति तक चलते जाना है, बढ़ते जाना है, जीतते जाना है जीताते जाना है। लक्ष्य प्राप्त किए बिना रुकना मेरे खून में नहीं है।'

जदयू के तेज तर्रार प्रवक्ता निखिल मंडल ने तेजस्वी यादव के इस ट्वीट पर जवाबी हमला बोला है। उन्होंने कहा है कि 'तेजस्वी यादव ममता बनर्जी की राह पर चलते दिख रहे हैं। एक समय ममता बनर्जी ने भी अपने पैर में चोट को चुनावी मुद्दा बनाया था। अब तेजस्वी भी उन्हीं की तरह नकल कर रहे हैं। लेकिन उन्हें बिहार के बेरोजगार युवाओं को ये भी बताना चाहिए कि अब तक वो नौकरी के नाम पर ऐसे ही बेरोजगारों से कितनी और जमीन ठग चुके हैं।'

पुलिस के रडार पर ई-रिक्शा, नवादा में दनादन कार्रवाई

नवादा (एजेंसियां)।

ट्रैफिक पुलिस नवादा शहर को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए कमर कस लिया है। एसपी कार्तिकेय के शर्मा के निर्देश पर पुलिस ने सख्ती दिखाना शुरू कर दिया है। इसके तहत बगैर निबंधन शहर की सड़कों पर दौड़ रही ई-रिक्शा को जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। शहर के विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाया गया और गैर रजिस्टर्ड 34 ई-रिक्शा को जब्त कर लिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद रिक्शा चालकों में हड़कंप मच गया। डीएसपी ऋषभ शिव शंकर ने बताया कि एसपी के निर्देश पर बगैर निबंधन शहर की सड़कों पर चल रही ई-रिक्शा को जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पहले दिन 34 ई-रिक्शा जब्त कर लिए गए हैं। यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

डीएसपी ने सभी ई-रिक्शा चालकों को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि हर हालत में ई-रिक्शा का निबंधन करा लें। बगैर निबंधन के शहर में ई-रिक्शा का प्रवेश न करें, अन्यथा ई-रिक्शा जब्त कर ली जाएगी। बगैर निबंधन वाली ई-रिक्शा का परिचालन बंद कर दिया गया है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि ई-रिक्शा को निर्धारित ठहराव स्थल पर ही लगाएं। बीच सड़क पर इधर-उधर ई-रिक्शा लगाने पर जब्त कर लिया जाएगा और जुर्माना वसूला जाएगा। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन करें।

वन-वे का भी पालन करें। इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का सहयोग करें, ताकि नवादा शहर जाम से मुक्त हो सके।

बगैर निबंधन सड़कों पर चल रही ई-रिक्शा की जब्त करने की कार्रवाई के बाद चालकों में हड़कंप मच गया। कार्रवाई होते देख कई लोग अपनी ई-रिक्शा लेकर भाग खड़े हुए। हालांकि ई-रिक्शा चालकों का कहना है कि प्रशासन को इस कार्य के लिए मोहलत देना चाहिए। ई-रिक्शा का परिचालन बंद कर देने पर परिवार की परवरिश कर पाना मुश्किल हो जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com